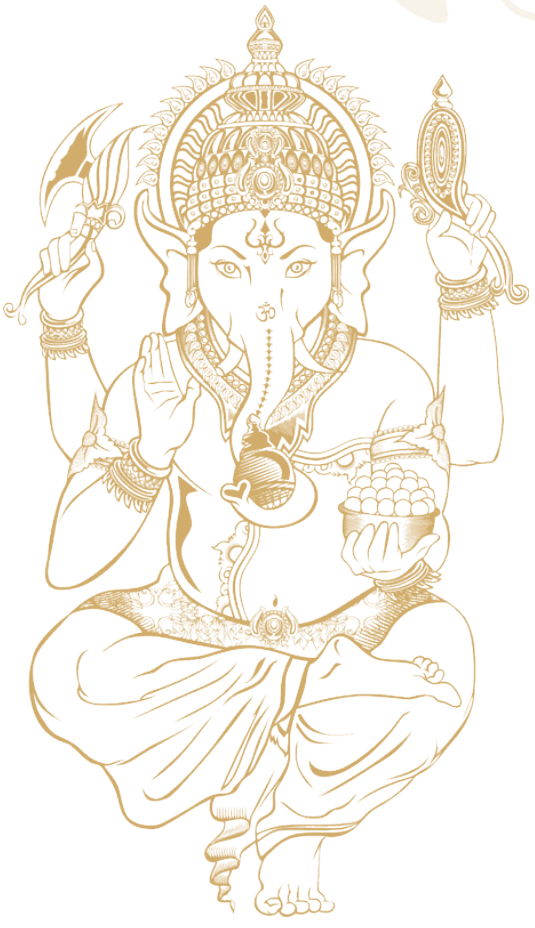

Vikrant

Punita

Model: Web-MatchAnalysisDetailed

Order No: 121506301

कुँडली मिलान का महत्व

वैवाहिक जीवन में अनुकूलता हेतु जन्मकुण्डली मिलान किया जाता है।

इसमें सर्वप्रथम अष्टकूट मिलान किया जाता है। जातक की राशि व नक्षत्र के अनुसार उसका वर्ण, वश्य, तारा, योनि, राशेश, गण, भकूट एवं नाडी का ज्ञान करके वर-वधू के जीवन की अनुकूलता अथवा प्रतिकूलता का निर्णय किया जाता है। वर्ण विचार से कर्म, वश्य विचार से स्वभाव, तारा विचार से भाग्य, योनि विचार व ग्रह मैत्री विचार से पारस्परिक संबध, गण से सामाजिकता, भकूट से जीवन में तालमेल एवं नाड़ी विचार से स्वास्थ्य व सतांन संबधी फल का विचार किया जाता है। इन सभी गुणों को क्रमशः 1 से 8 तक अंक दिये जाते है। इस प्रकार अष्टकूट विचार में कुल 36 गुणों का विचार किया जाता है। जिसमें कम से कम 18 गुणों का होना आवश्यक है। इससे कम गुण वाले विवाह ज्योतिषीय विधान के अनुसार अव्यवहारिक रहते हैं।

अष्टकूट मिलान के साथ मांगलिक दोष का विचार भी अति महत्वपूर्ण माना जाता है। यदि मंगल लग्न कुंडली में 1,4,7,8 एवं 12 वें भाव में स्थित हो तो मंगली दोष होता है। मंगली दोष निवारण के लिए आवश्यक है कि वर-वधू दोनों मंगली न हों या दोनों मंगली हों। शास्त्रों में इनके अलावा भी दोष निवारण के सूत्र दिए गए हैं। इस दोष के निवारण से किसी प्रकार के अमंगल की संभावनाएं कम हो जाती है और वैवाहिक जीवन सुख व शांतिपूर्ण गुजरता है।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/09/1997	जन्म तिथि	12/05/1999
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 13:45:00	जन्म समय	06:00:00 घंटे
घटी 19:13:17	जन्म समय(घटी)	01:18:33 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Solan
31:06:00 उत्तर	अक्षांश	30:54:00 उत्तर
77:10:00 पूर्व	रेखांश	77:06:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:03:41	सूर्योदय	05:29:13
18:31:02	सूर्यास्त	19:07:09
23:49:27	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:40

धनु	लग्न	वृष
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
धनु	राशि	मीन
गुरु	राशि-स्वामी	गुरु
पूर्वाषाढ़ा	नक्षत्र	उ०भाद्रपद
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	शनि
4	चरण	2
सौभाग्य	योग	विष्कुम्भ
गर	करण	बालव
ढा-ढालचंद	जन्म नामाक्षर	थ-थाकोरी
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
वानर	योनि	गौ
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	मध्य
श्वान	वर्ग	सर्प

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 3वर्ष 4मा 27दि		03:33:47	धनु	लग्न	वृष	04:49:00	शनि 11वर्ष 11मा 0दि	
राहु		25:46:59	सिंह	सूर्य	मेष	27:01:10	बुध	
09/02/2024		24:23:41	धनु	चंद्र	मीन	08:18:14	11/04/2011	
08/02/2042		24:49:21	तुला	मंगल व	तुला	04:10:32	11/04/2028	
राहु	22/10/2026	09:16:07	सिंह	बुध	मेष	11:52:05	बुध	07/09/2013
गुरु	16/03/2029	19:20:51	मक व	गुरु	मीन	26:51:21	केतु	04/09/2014
शनि	21/01/2032	06:27:55	तुला	शुक्र	मिथु	09:51:37	शुक्र	05/07/2017
बुध	10/08/2034	25:07:55	मीन व	शनि	मेष	14:45:39	सूर्य	12/05/2018
केतु	28/08/2035	25:54:47	सिंह	राहु व	कर्क	23:28:01	चन्द्र	11/10/2019
शुक्र	28/08/2038	25:54:47	कुंभ	केतु व	मक	23:28:01	मंगल	07/10/2020
सूर्य	23/07/2039	11:19:32	मक व	हर्ष	मक	22:54:30	राहु	27/04/2023
चन्द्र	21/01/2041	03:32:52	मक व	नेप व	मक	10:31:02	गुरु	02/08/2025
मंगल	08/02/2042	09:15:10	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	15:47:30	शनि	11/04/2028

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:27 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:40

लग्न-चलित

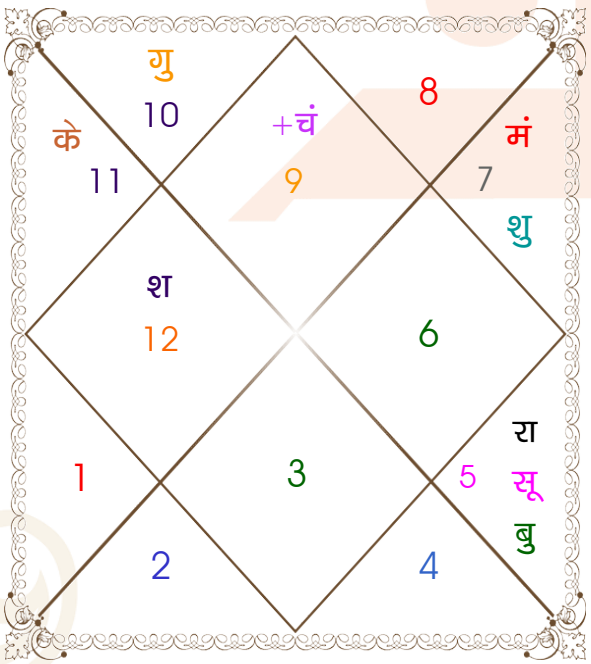

लग्न-चलित

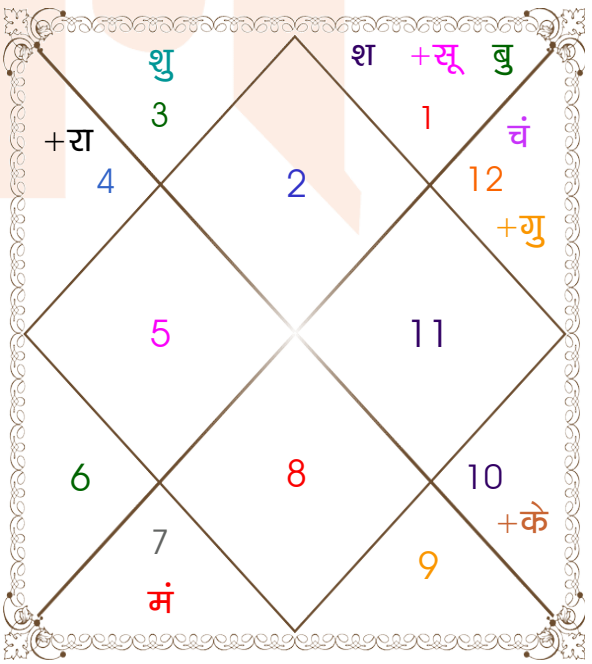

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

चन्द्र कुंडली

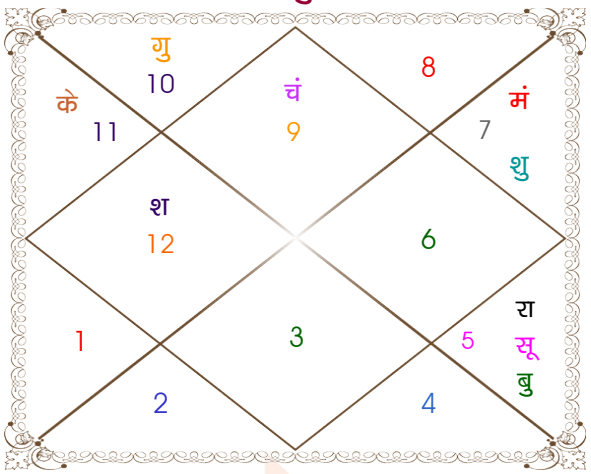

चन्द्र कुंडली

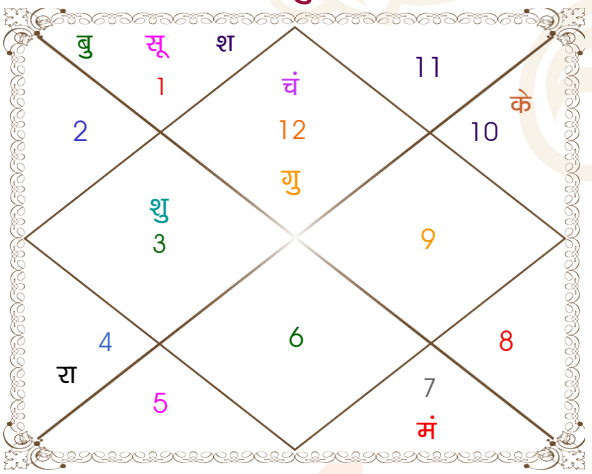

सूर्य कुंडली

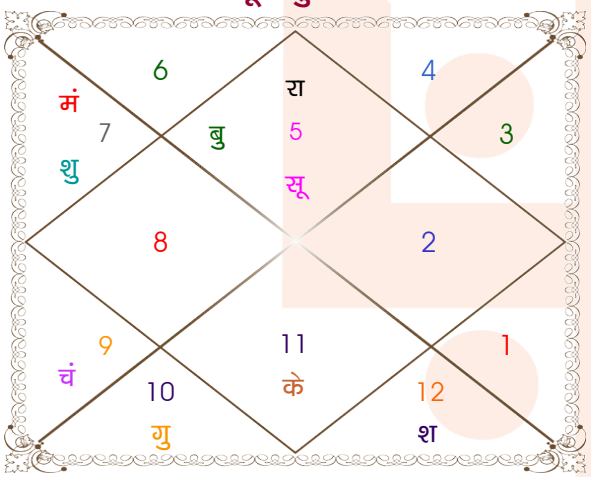

सूर्य कुंडली

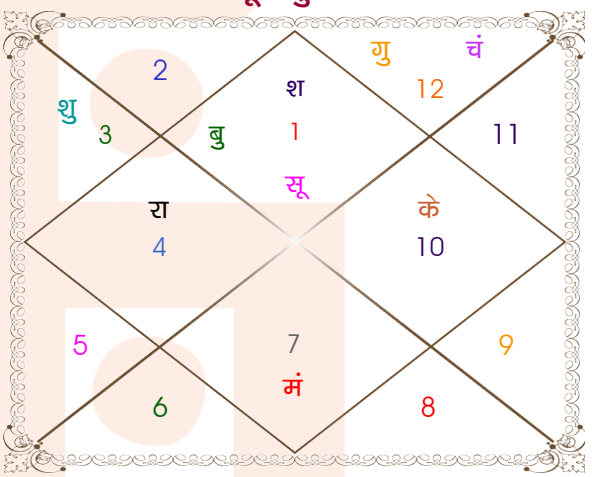

नवमांश कुंडली

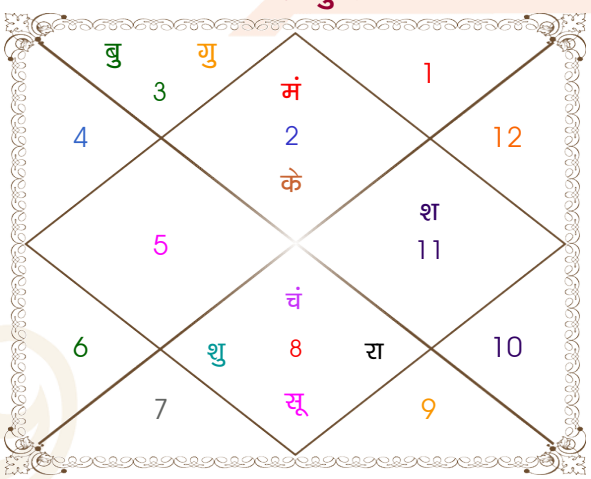

नवमांश कुंडली

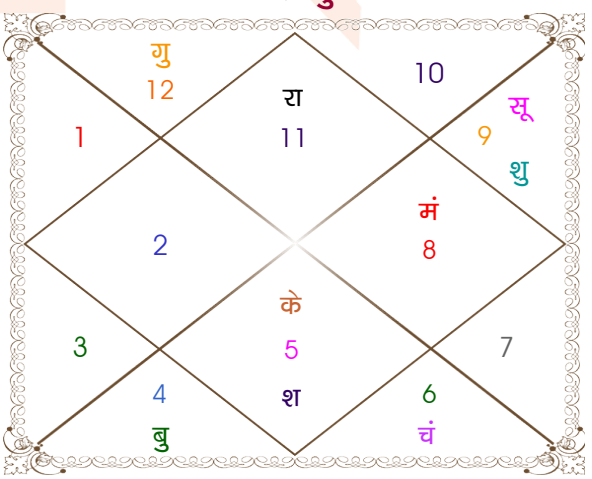

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

कृष्णमूर्ति पद्धति

भोग्य दशा काल : शुक्र 3 वर्ष 4 मास 27 दिन

के.पी. अयनांश : 23:49:15

फॉरच्युना : मेष 02:10:29

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		सिंह	25:46:59	सूर्य	शुक्र	बुध	शनि
चंद्र		धनु	24:23:41	गुरु	शुक्र	बुध	शुक्र
मंगल		तुला	24:49:21	शुक्र	गुरु	बुध	चंद्र
बुध		सिंह	09:16:07	सूर्य	केतु	गुरु	राहु
गुरु	व	मक	19:20:51	शनि	चंद्र	बुध	गुरु
शुक्र		तुला	06:27:55	शुक्र	मंगल	चंद्र	शुक्र
शनि	व	मीन	25:07:55	गुरु	बुध	राहु	बुध
राहु		सिंह	25:54:47	सूर्य	शुक्र	केतु	केतु
केतु		कुंभ	25:54:47	शनि	गुरु	केतु	शुक्र
हर्ष	व	मक	11:19:32	शनि	चंद्र	मंगल	गुरु
नेप	व	मक	03:32:52	शनि	सूर्य	शनि	बुध
प्लूटो		वृश्चि	09:15:10	मंगल	शनि	शुक्र	गुरु

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	धनु	03:33:47	गुरु	केतु	सूर्य	शुक्र
2	मक	07:52:12	शनि	सूर्य	शुक्र	शुक्र
3	कुंभ	15:13:06	शनि	राहु	केतु	बुध
4	मीन	19:32:27	गुरु	बुध	शुक्र	शुक्र
5	मेष	17:44:24	मंगल	शुक्र	मंगल	बुध
6	वृष	11:23:40	शुक्र	चंद्र	मंगल	शनि
7	मिथु	03:33:47	बुध	मंगल	शुक्र	राहु
8	कर्क	07:52:12	चंद्र	शनि	केतु	गुरु
9	सिंह	15:13:06	सूर्य	शुक्र	शुक्र	बुध
10	कन्या	19:32:27	बुध	चंद्र	बुध	शनि
11	तुला	17:44:24	शुक्र	राहु	सूर्य	गुरु
12	वृश्चि	11:23:40	मंगल	शनि	चंद्र	गुरु

भाव कुंडली

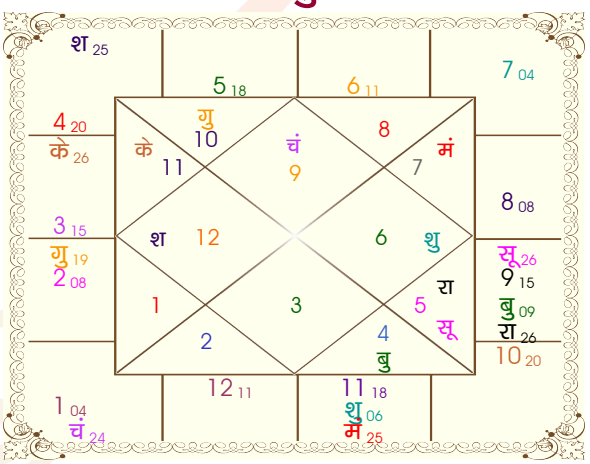

भोग्य दशा काल : शनि 11 वर्ष 11 मास 0 दिन

के.पी. अयनांश : 23:50:38

फॉरच्युना : मीन 16:06:04

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		मेष	27:01:10	मंगल	सूर्य	सूर्य	शनि
चंद्र		मीन	08:18:14	गुरु	शनि	शुक्र	शुक्र
मंगल	व	तुला	04:10:32	शुक्र	मंगल	शुक्र	शनि
बुध		मेष	11:52:05	मंगल	केतु	बुध	शुक्र
गुरु		मीन	26:51:21	गुरु	बुध	गुरु	बुध
शुक्र		मिथु	09:51:37	बुध	राहु	गुरु	सूर्य
शनि		मेष	14:45:39	मंगल	शुक्र	शुक्र	शनि
राहु	व	कर्क	23:28:01	चंद्र	बुध	मंगल	राहु
केतु	व	मक	23:28:01	शनि	मंगल	मंगल	राहु
हर्ष		मक	22:54:30	शनि	चंद्र	सूर्य	गुरु
नेप	व	मक	10:31:02	शनि	चंद्र	चंद्र	शनि
प्लूटो	व	वृश्चि	15:47:30	मंगल	शनि	गुरु	शुक्र

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	वृष	04:49:00	शुक्र	सूर्य	शनि	राहु
2	मिथु	00:33:52	बुध	मंगल	बुध	शुक्र
3	मिथु	23:23:32	बुध	गुरु	शनि	राहु
4	कर्क	17:38:11	चंद्र	बुध	बुध	मंगल
5	सिंह	17:07:44	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शुक्र
6	कन्या	24:22:51	बुध	मंगल	राहु	राहु
7	वृश्चि	04:49:00	मंगल	शनि	शनि	मंगल
8	धनु	00:33:52	गुरु	केतु	केतु	शनि
9	धनु	23:23:32	गुरु	शुक्र	शनि	मंगल
10	मक	17:38:11	शनि	चंद्र	शनि	गुरु
11	कुंभ	17:07:44	शनि	राहु	शुक्र	बुध
12	मीन	24:22:51	गुरु	बुध	राहु	राहु

भाव कुंडली

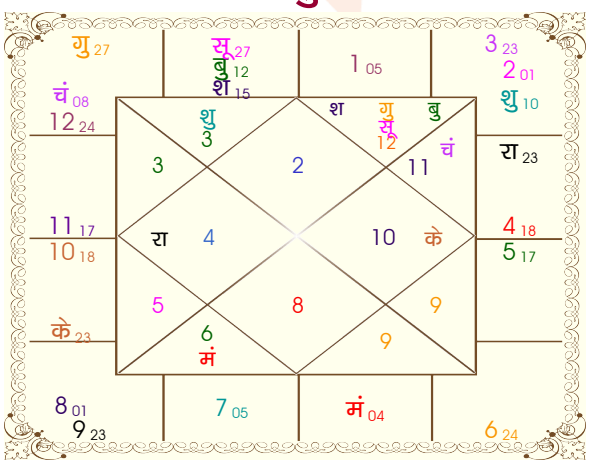

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	चंद्र, मंगल- गुरु+ केतु-
2	मंगल, गुरु, शनि- केतु,
3	बुध, शनि- केतु,
4	मंगल- गुरु- शनि, केतु-
5	मंगल- शुक्र-
6	सूर्य- चंद्र- शुक्र- राहु-
7	बुध- शनि-
8	चंद्र- बुध, गुरु- शनि,
9	सूर्य, राहु,
10	सूर्य, चंद्र, बुध- शुक्र, शनि- राहु,
11	सूर्य- चंद्र- मंगल, शुक्र+ राहु-
12	मंगल- शुक्र-

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	शुक्र- शनि-
2	बुध- गुरु- शुक्र, शनि, राहु-
3	बुध- गुरु- राहु-
4	चंद्र- शुक्र, राहु,
5	सूर्य,
6	मंगल+ बुध- गुरु- राहु- केतु,
7	मंगल, केतु-
8	गुरु-
9	गुरु-
10	चंद्र- बुध, शनि- केतु,
11	चंद्र+ शनि-
12	सूर्य+ चंद्र, बुध, गुरु+ शनि, राहु,

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	6- 9, 10, 11-
चंद्र	1, 6- 8- 10, 11-
मंगल	1- 2, 4- 5- 11, 12-
बुध	3, 7- 8, 10-
गुरु	1+ 2, 4- 8-
शुक्र	5- 6- 10, 11+ 12-
शनि	2- 3- 4, 7- 8, 10-
राहु	6- 9, 10, 11-
केतु	1- 2, 3, 4-

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	5, 12+
चंद्र	4- 10- 11+ 12,
मंगल	6+ 7,
बुध	2- 3- 6- 10, 12,
गुरु	2- 3- 6- 8- 9- 12+
शुक्र	1- 2, 4,
शनि	1- 2, 10- 11- 12,
राहु	2- 3- 4, 6- 12,
केतु	6, 7- 10,

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	केतु
लग्न राशि स्वामी	गुरु
राशि नक्षत्र स्वामी	शुक्र
राशि स्वामी	गुरु
वार स्वामी	शुक्र
लग्न अन्तर स्वामी	सूर्य
राशि अन्तर स्वामी	बुध

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	सूर्य
लग्न राशि स्वामी	शुक्र
राशि नक्षत्र स्वामी	शनि
राशि स्वामी	गुरु
वार स्वामी	बुध
लग्न अन्तर स्वामी	शनि
राशि अन्तर स्वामी	शुक्र

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

लग्न कुंडली

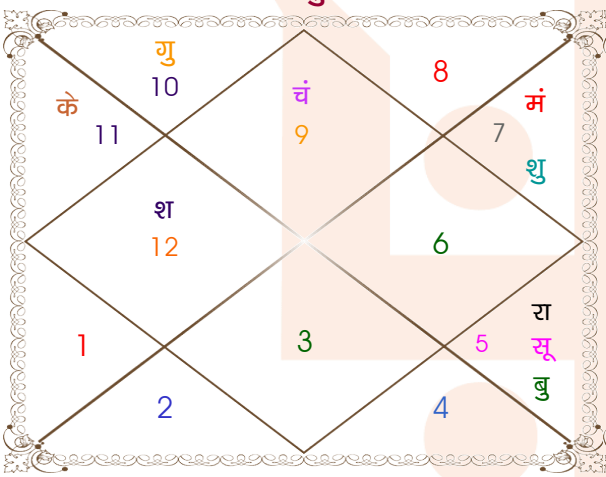

देह विचारः

लग्न कुंडली

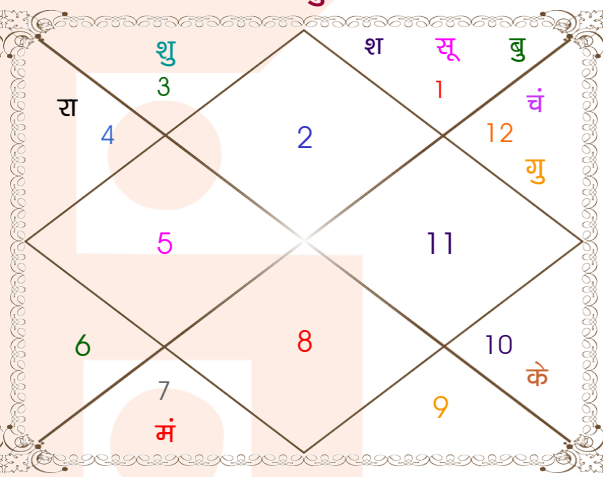

देह विचारः

होरा कुंडली

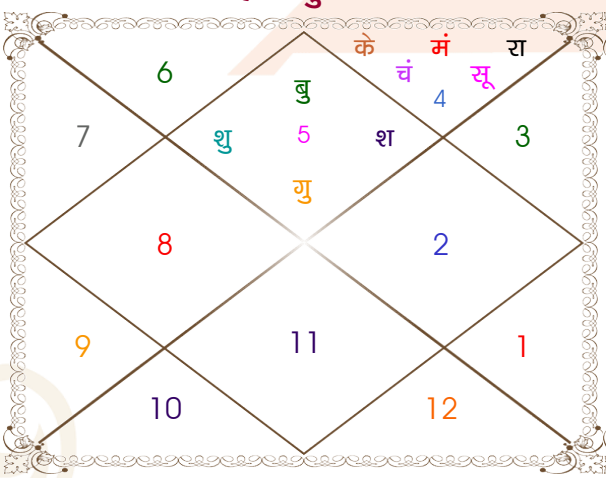

सम्पदाविचारः

होरा कुंडली

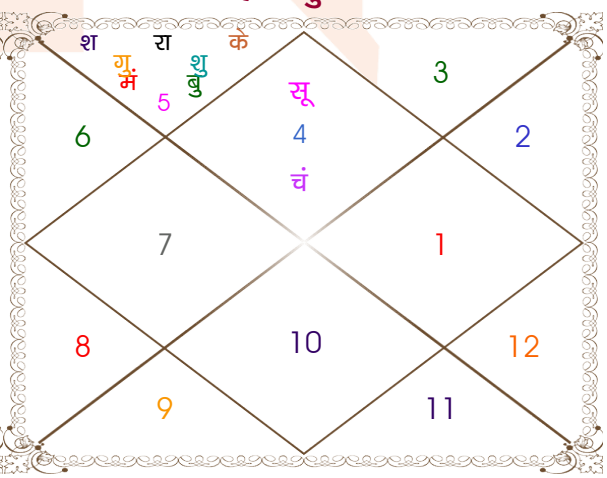

सम्पदाविचारः

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

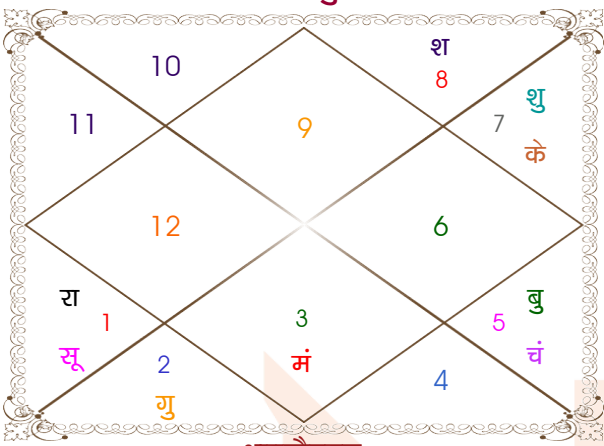

भ्रातृसौख्यम

द्रेष्काण कुंडली

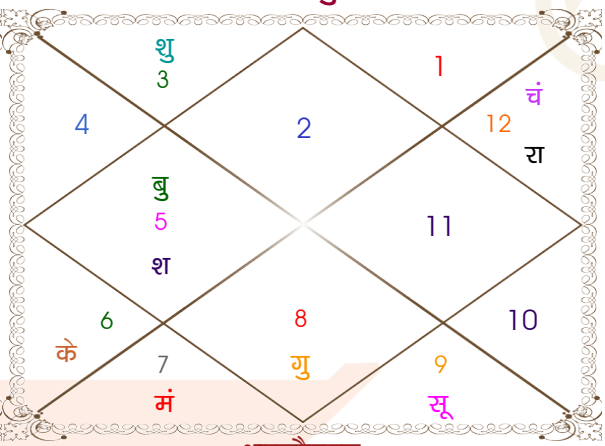

भ्रातृसौख्यम

चतुर्थांश कुंडली

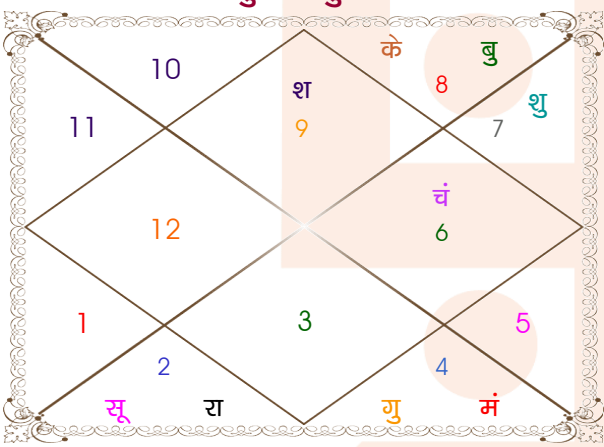

भाग्यविचारः

चतुर्थांश कुंडली

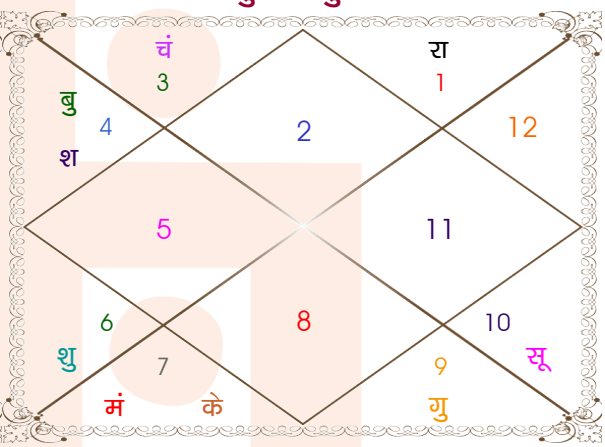

भाग्यविचारः

सप्तमांश कुंडली

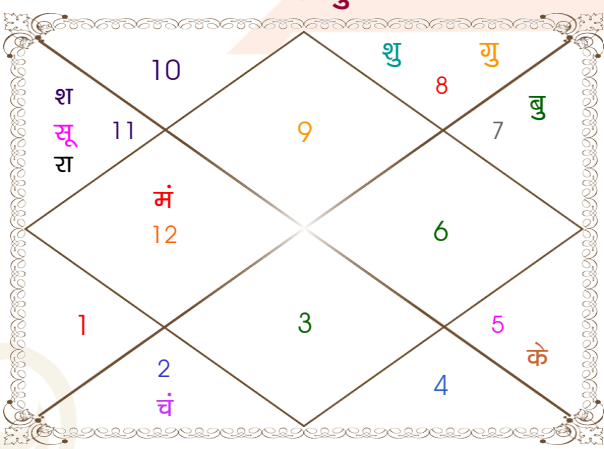

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

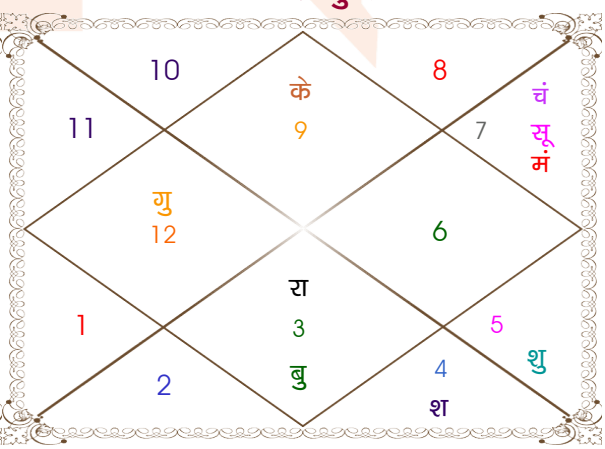

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

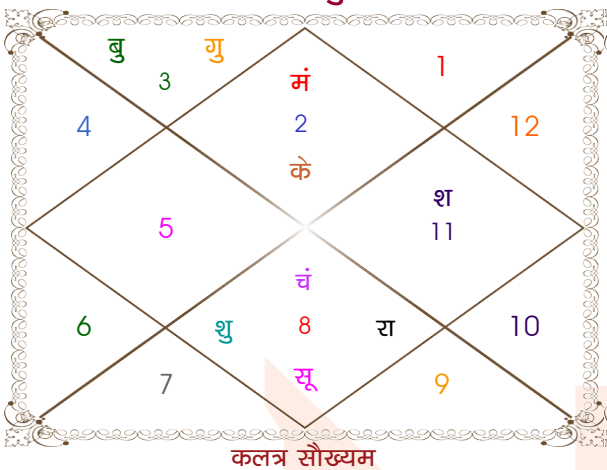

कलत्र सौख्यम

नवमांश कुंडली

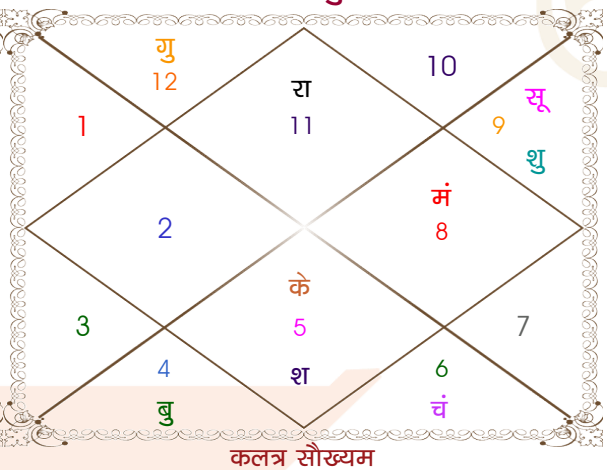

कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली

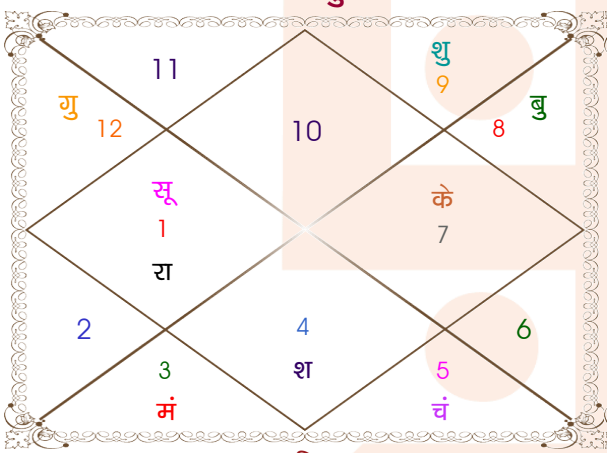

राज्यविचारः

दशमांश कुंडली

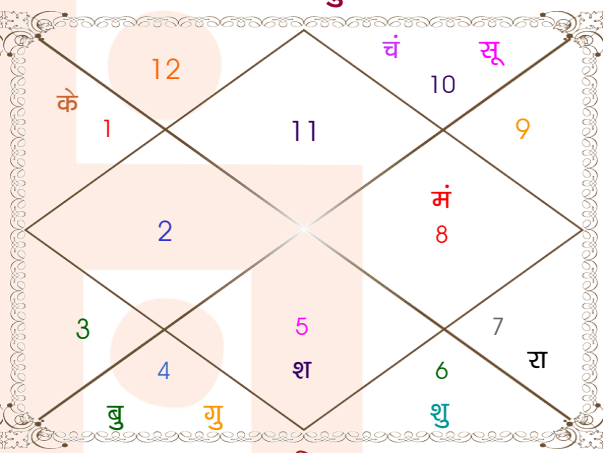

राज्यविचारः

द्वादशांश कुंडली

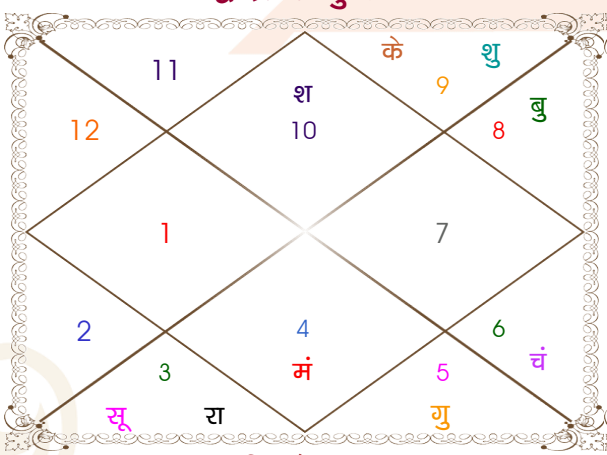

पितृसौख्यम

द्वादशांश कुंडली

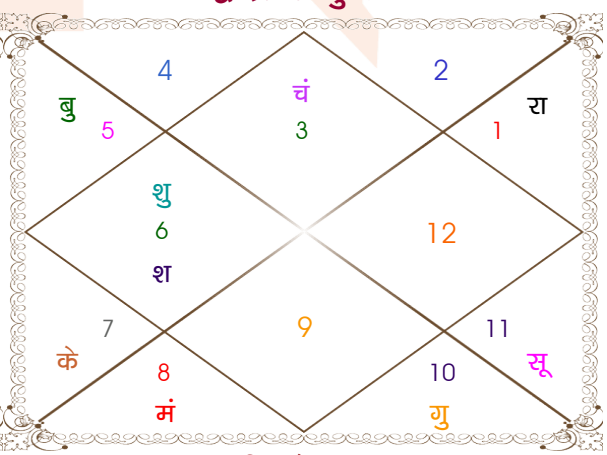

पितृसौख्यम

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

षोडशवर्ग चक्र

षोडशांश कुंडली

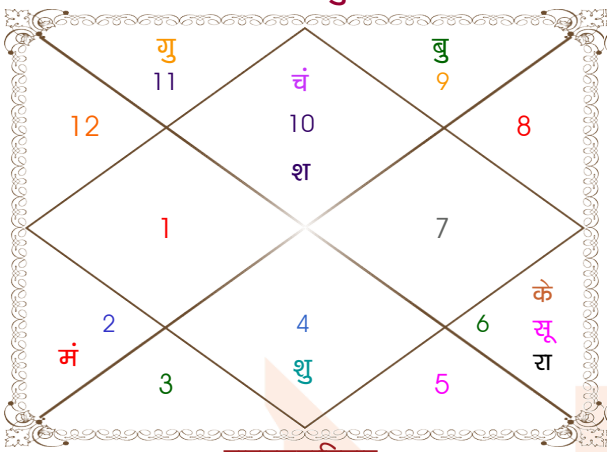

वाहनसुखविचारः

षोडशांश कुंडली

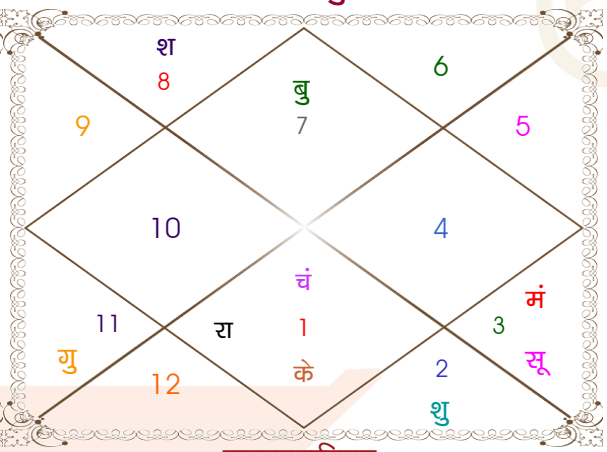

वाहनसुखविचारः

त्रिंशांश कुंडली

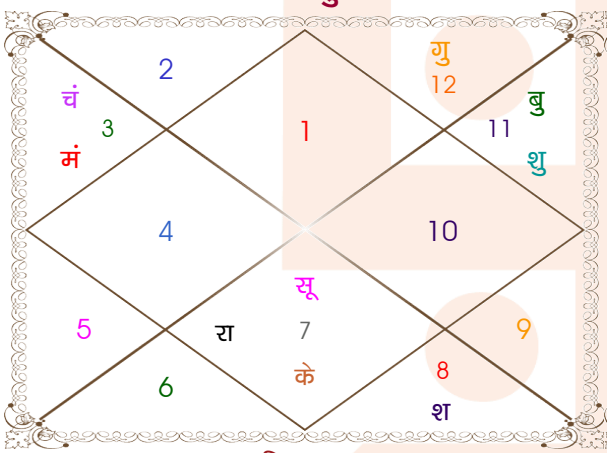

अरिष्टज्ञानम्

त्रिंशांश कुंडली

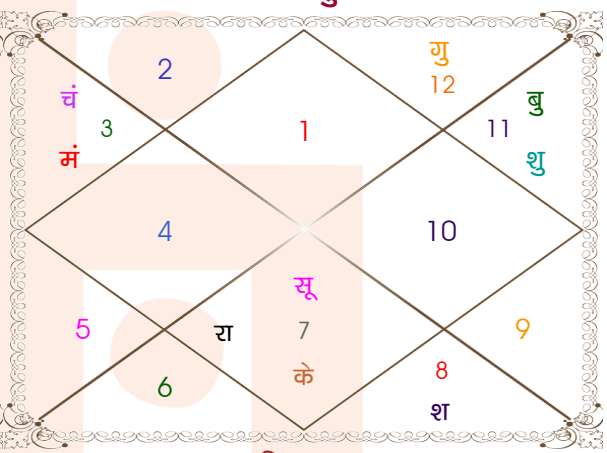

अरिष्टज्ञानम्

षष्ट्यंश कुंडली

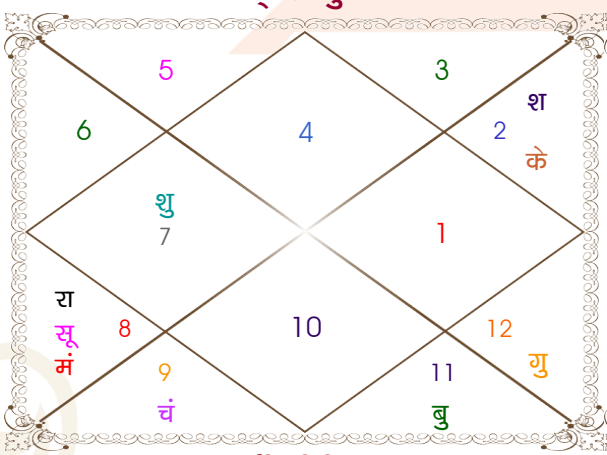

सर्वास्थितिविचारः

षष्ट्यंश कुंडली

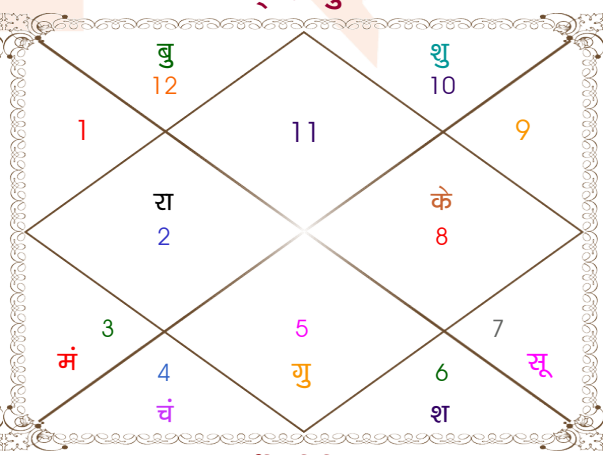

सर्वास्थितिविचारः

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

मैत्री सारिणी

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	---	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

पंचधा मैत्री - Vikrant

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	सम	अतिमित्र	शत्रु	सम	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अधिशत्रु
चंद्र	सम	---	मित्र	सम	मित्र	मित्र	मित्र	अधिशत्रु	सम
मंगल	अतिमित्र	अतिमित्र	---	सम	अतिमित्र	शत्रु	शत्रु	सम	सम
बुध	सम	अधिशत्रु	मित्र	---	शत्रु	अतिमित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
गुरु	सम	अतिमित्र	अतिमित्र	अधिशत्रु	---	सम	मित्र	शत्रु	मित्र
शुक्र	सम	सम	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	---	सम	अतिमित्र	सम
शनि	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु	सम	मित्र	सम	---	सम	सम
राहु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	अतिमित्र	सम	---	अधिशत्रु
केतु	अधिशत्रु	सम	सम	शत्रु	मित्र	सम	सम	अधिशत्रु	---

पंचधा मैत्री - Punita

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	अतिमित्र	सम	शत्रु	अतिमित्र	सम	अधिशत्रु	सम	सम
चंद्र	अतिमित्र	---	शत्रु	अतिमित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	अधिशत्रु	सम
मंगल	सम	सम	---	अधिशत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	सम	अतिमित्र
बुध	सम	सम	शत्रु	---	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	मित्र	मित्र
गुरु	अतिमित्र	सम	सम	सम	---	सम	मित्र	शत्रु	मित्र
शुक्र	सम	सम	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	---	अतिमित्र	अतिमित्र	सम
शनि	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु	सम	मित्र	अतिमित्र	---	अतिमित्र	सम
राहु	सम	अधिशत्रु	सम	मित्र	शत्रु	अतिमित्र	अतिमित्र	---	अधिशत्रु
केतु	सम	सम	अतिमित्र	मित्र	मित्र	सम	सम	अधिशत्रु	---

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	कुल
शनि	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	8
गुरु	0	1	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	4
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	3
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	7
चंद्र	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	4
लग्न	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	6
कुल	2	6	5	5	2	3	3	4	5	6	5	2	48

सूर्य का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
चंद्र	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	4
मंगल	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	8
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	7
गुरु	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	4
शुक्र	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	3
शनि	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
कुल	4	5	2	5	5	1	4	5	5	6	4	2	48

चंद्र का अष्टकवर्ग

	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	कुल
शनि	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	4
गुरु	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	7
मंगल	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	1	6
सूर्य	0	1	1	1	0	1	1	0	0	0	1	0	6
शुक्र	1	1	1	0	1	0	1	1	1	0	0	0	7
बुध	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	1	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	0	7
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	4	4	7	3	2	5	4	4	6	2	5	3	49

चंद्र का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	4
सूर्य	0	0	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	6
चंद्र	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	1	6
मंगल	0	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	7
बुध	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	0	8
गुरु	0	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	1	7
शुक्र	1	0	0	0	1	1	1	0	1	0	1	1	7
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
कुल	2	1	5	3	5	5	5	3	4	4	7	5	49

मंगल का अष्टकवर्ग

	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	कुल
शनि	1	1	1	1	0	1	0	0	1	0	0	1	7
गुरु	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	5
शुक्र	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	4
बुध	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	4
चंद्र	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	3
लग्न	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	5
कुल	7	3	5	4	2	2	1	5	4	1	2	3	39

मंगल का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
सूर्य	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	5
चंद्र	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	3
मंगल	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	7
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	0	0	0	1	0	0	0	1	1	1	0	4
शुक्र	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	4
शनि	1	0	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	7
कुल	3	4	2	3	5	2	3	3	2	6	5	1	39

बुध का अष्टकवर्ग

	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	कुल
शनि	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	8
गुरु	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	4
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
सूर्य	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	5
शुक्र	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चंद्र	0	1	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	6
लग्न	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	7
कुल	4	3	6	4	6	7	1	3	4	5	6	5	54

बुध का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	7
सूर्य	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	5
चंद्र	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	0	6
मंगल	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
गुरु	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	4
शुक्र	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	8
शनि	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
कुल	5	3	5	3	7	3	6	2	5	6	6	3	54

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

गुरु का अष्टकवर्ग

	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृशि	ध	कुल
शनि	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	0	1	1	1	1	1	0	1	1	1	1	0	9
शुक्र	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	1	0	6
बुध	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	8
चंद्र	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	0	5
लग्न	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	9
कुल	5	4	4	6	5	5	4	8	3	5	5	2	56

गुरु का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	9
सूर्य	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	1	0	9
चंद्र	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	0	5
मंगल	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	7
बुध	1	1	0	1	1	1	0	0	1	1	1	0	8
गुरु	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	8
शुक्र	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	6
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	0	1	4
कुल	6	5	4	5	4	5	5	5	3	6	4	4	56

शुक्र का अष्टकवर्ग

	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	कुल
शनि	1	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	7
गुरु	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	5
मंगल	0	0	1	1	0	1	0	0	1	0	1	1	6
सूर्य	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	0	0	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	0	5
चंद्र	1	1	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	9
लग्न	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	8
कुल	6	4	6	6	3	4	3	3	5	5	5	2	52

शुक्र का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	8
सूर्य	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	3
चंद्र	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	1	9
मंगल	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	1	6
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	5
गुरु	0	0	0	1	0	0	1	1	1	1	0	0	5
शुक्र	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	9
शनि	0	0	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	7
कुल	2	2	6	5	5	4	3	4	5	5	6	5	52

शनि का अष्टकवर्ग

	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	4
मंगल	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	0	1	6
सूर्य	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	7
शुक्र	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	3
बुध	1	1	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	6
चंद्र	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	3
लग्न	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	6
कुल	5	1	6	3	3	4	4	2	2	3	2	4	39

शनि का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
चंद्र	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	3
मंगल	0	0	0	1	1	1	0	0	1	0	1	1	6
बुध	0	0	0	0	0	1	0	1	1	1	1	1	6
गुरु	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	4
शुक्र	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	3
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
कुल	2	4	1	4	5	3	2	3	2	4	6	3	39

लग्न का अष्टकवर्ग

	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृशि	कुल
शनि	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	6
गुरु	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	9
मंगल	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	5
सूर्य	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	6
शुक्र	1	1	1	0	0	1	1	0	0	0	1	1	7
बुध	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
चंद्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	1	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	3	5	4	3	1	7	5	3	3	4	6	5	49

लग्न का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	4
सूर्य	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	6
चंद्र	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	4
मंगल	0	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	5
बुध	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	7
गुरु	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	9
शुक्र	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	8
शनि	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	6
कुल	4	2	4	7	4	5	3	2	3	6	5	4	49

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग

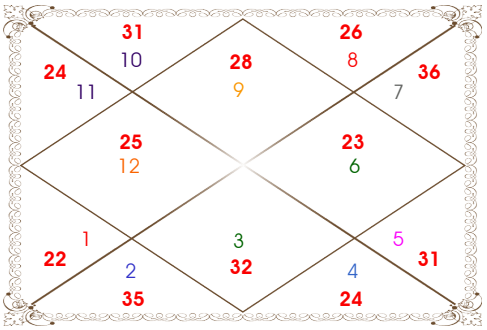

सर्वाष्टकवर्ग

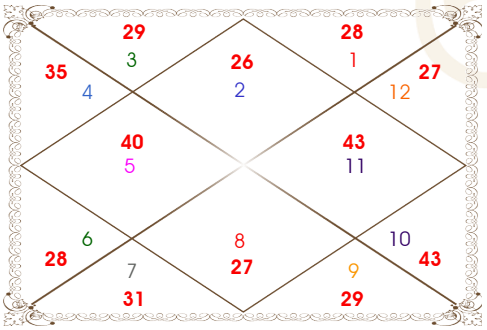

Vikrant

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	1	6	3	3	4	4	2	2	3	2	4	5	39
गुरु	6	5	5	4	8	3	5	5	2	5	4	4	56
मंगल	1	5	4	1	2	3	7	3	5	4	2	2	39
सूर्य	5	6	5	2	2	6	5	5	2	3	3	4	48
शुक्र	3	3	5	5	5	2	6	4	6	6	3	4	52
बुध	4	5	6	5	4	3	6	4	6	7	1	3	54
चंद्र	2	5	4	4	6	2	5	3	4	4	7	3	49
बिन्दु	22	35	32	24	31	23	36	26	28	31	24	25	337
रेखा	34	21	24	32	25	33	20	30	28	25	32	31	335

Punita

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	4	2	4	7	4	5	3	2	3	6	5	4	49
सूर्य	4	5	2	5	5	1	4	5	5	6	4	2	48
चंद्र	2	1	5	3	5	5	5	3	4	4	7	5	49
मंगल	3	4	2	3	5	2	3	3	2	6	5	1	39
बुध	5	3	5	3	7	3	6	2	5	6	6	3	54
गुरु	6	5	4	5	4	5	5	5	3	6	4	4	56
शुक्र	2	2	6	5	5	4	3	4	5	5	6	5	52
शनि	2	4	1	4	5	3	2	3	2	4	6	3	39
बिन्दु	28	26	29	35	40	28	31	27	29	43	43	27	386
रेखा	36	38	35	29	24	36	33	37	35	21	21	37	382

शोध्य पिंड - Vikrant

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	69	110	130	129	124	108	163
ग्रह पिंड	40	85	120	125	95	120	55
शोध्य पिंड	109	195	250	254	219	228	218

शोध्य पिंड - Punita

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	106	121	106	118	59	47	79	57
ग्रह पिंड	52	16	30	23	23	53	36	8
शोध्य पिंड	158	137	136	141	82	100	115	65

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

शुक्र 3 वर्ष 4 मास 27 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
12/09/1997		08/02/2001		08/02/2007	
08/02/2001		08/02/2007		08/02/2017	
	00/00/0000	सूर्य	28/05/2001	चंद्र	10/12/2007
	00/00/0000	चंद्र	27/11/2001	मंगल	10/07/2008
	00/00/0000	मंगल	04/04/2002	राहु	09/01/2010
	00/00/0000	राहु	27/02/2003	गुरु	11/05/2011
	00/00/0000	गुरु	16/12/2003	शनि	09/12/2012
	00/00/0000	शनि	27/11/2004	बुध	10/05/2014
	12/09/1997	बुध	03/10/2005	केतु	09/12/2014
बुध	10/12/1999	केतु	08/02/2006	शुक्र	09/08/2016
केतु	08/02/2001	शुक्र	08/02/2007	सूर्य	08/02/2017

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
08/02/2017		09/02/2024		08/02/2042	
09/02/2024		08/02/2042		08/02/2058	
मंगल	07/07/2017	राहु	22/10/2026	गुरु	28/03/2044
राहु	25/07/2018	गुरु	16/03/2029	शनि	10/10/2046
गुरु	01/07/2019	शनि	21/01/2032	बुध	14/01/2049
शनि	09/08/2020	बुध	10/08/2034	केतु	21/12/2049
बुध	06/08/2021	केतु	28/08/2035	शुक्र	21/08/2052
केतु	03/01/2022	शुक्र	28/08/2038	सूर्य	10/06/2053
शुक्र	05/03/2023	सूर्य	23/07/2039	चंद्र	10/10/2054
सूर्य	11/07/2023	चंद्र	21/01/2041	मंगल	15/09/2055
चंद्र	09/02/2024	मंगल	08/02/2042	राहु	08/02/2058

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
08/02/2058		08/02/2077		08/02/2094	
08/02/2077		08/02/2094		09/02/2101	
शनि	11/02/2061	बुध	07/07/2079	केतु	07/07/2094
बुध	22/10/2063	केतु	04/07/2080	शुक्र	06/09/2095
केतु	30/11/2064	शुक्र	05/05/2083	सूर्य	12/01/2096
शुक्र	30/01/2068	सूर्य	10/03/2084	चंद्र	12/08/2096
सूर्य	11/01/2069	चंद्र	09/08/2085	मंगल	08/01/2097
चंद्र	13/08/2070	मंगल	07/08/2086	राहु	27/01/2098
मंगल	22/09/2071	राहु	23/02/2089	गुरु	03/01/2099
राहु	29/07/2074	गुरु	01/06/2091	शनि	12/02/2100
गुरु	08/02/2077	शनि	08/02/2094	बुध	09/02/2101

शनि 11 वर्ष 11 मास 0 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
12/05/1999		11/04/2011		11/04/2028	
11/04/2011		11/04/2028		11/04/2035	
	00/00/0000	बुध	07/09/2013	केतु	07/09/2028
	00/00/0000	केतु	04/09/2014	शुक्र	07/11/2029
	12/05/1999	शुक्र	05/07/2017	सूर्य	15/03/2030
शुक्र	02/04/2002	सूर्य	12/05/2018	चंद्र	14/10/2030
सूर्य	15/03/2003	चंद्र	11/10/2019	मंगल	12/03/2031
चंद्र	13/10/2004	मंगल	07/10/2020	राहु	30/03/2032
मंगल	22/11/2005	राहु	27/04/2023	गुरु	05/03/2033
राहु	28/09/2008	गुरु	02/08/2025	शनि	14/04/2034
गुरु	11/04/2011	शनि	11/04/2028	बुध	11/04/2035

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
11/04/2035		11/04/2055		11/04/2061	
11/04/2055		11/04/2061		11/04/2071	
शुक्र	11/08/2038	सूर्य	30/07/2055	चंद्र	09/02/2062
सूर्य	11/08/2039	चंद्र	29/01/2056	मंगल	10/09/2062
चंद्र	11/04/2041	मंगल	05/06/2056	राहु	11/03/2064
मंगल	11/06/2042	राहु	29/04/2057	गुरु	11/07/2065
राहु	11/06/2045	गुरु	15/02/2058	शनि	10/02/2067
गुरु	10/02/2048	शनि	28/01/2059	बुध	11/07/2068
शनि	11/04/2051	बुध	05/12/2059	केतु	09/02/2069
बुध	09/02/2054	केतु	11/04/2060	शुक्र	11/10/2070
केतु	11/04/2055	शुक्र	11/04/2061	सूर्य	11/04/2071

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
11/04/2071		11/04/2078		11/04/2096	
11/04/2078		11/04/2096		12/04/2112	
मंगल	08/09/2071	राहु	22/12/2080	गुरु	30/05/2098
राहु	25/09/2072	गुरु	18/05/2083	शनि	11/12/2100
गुरु	01/09/2073	शनि	24/03/2086	बुध	19/03/2103
शनि	11/10/2074	बुध	10/10/2088	केतु	23/02/2104
बुध	08/10/2075	केतु	29/10/2089	शुक्र	24/10/2106
केतु	05/03/2076	शुक्र	29/10/2092	सूर्य	12/08/2107
शुक्र	05/05/2077	सूर्य	22/09/2093	चंद्र	11/12/2108
सूर्य	10/09/2077	चंद्र	24/03/2095	मंगल	17/11/2109
चंद्र	11/04/2078	मंगल	11/04/2096	राहु	12/04/2112

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - राहु		राहु - गुरु		राहु - शनि	
09/02/2024		22/10/2026		16/03/2029	
22/10/2026		16/03/2029		21/01/2032	
राहु	05/07/2024	गुरु	16/02/2027	शनि	28/08/2029
गुरु	14/11/2024	शनि	04/07/2027	बुध	23/01/2030
शनि	19/04/2025	बुध	06/11/2027	केतु	24/03/2030
बुध	06/09/2025	केतु	27/12/2027	शुक्र	14/09/2030
केतु	02/11/2025	शुक्र	21/05/2028	सूर्य	05/11/2030
शुक्र	16/04/2026	सूर्य	04/07/2028	चंद्र	31/01/2031
सूर्य	04/06/2026	चंद्र	15/09/2028	मंगल	01/04/2031
चंद्र	25/08/2026	मंगल	05/11/2028	राहु	05/09/2031
मंगल	22/10/2026	राहु	16/03/2029	गुरु	21/01/2032

बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र	
02/08/2025		11/04/2028		07/09/2028	
11/04/2028		07/09/2028		07/11/2029	
शनि	04/01/2026	केतु	19/04/2028	शुक्र	17/11/2028
बुध	24/05/2026	शुक्र	14/05/2028	सूर्य	08/12/2028
केतु	20/07/2026	सूर्य	22/05/2028	चंद्र	13/01/2029
शुक्र	31/12/2026	चंद्र	03/06/2028	मंगल	07/02/2029
सूर्य	18/02/2027	मंगल	12/06/2028	राहु	11/04/2029
चंद्र	11/05/2027	राहु	04/07/2028	गुरु	07/06/2029
मंगल	07/07/2027	गुरु	24/07/2028	शनि	14/08/2029
राहु	02/12/2027	शनि	17/08/2028	बुध	13/10/2029
गुरु	11/04/2028	बुध	07/09/2028	केतु	07/11/2029

राहु - बुध		राहु - केतु		राहु - शुक्र	
21/01/2032		10/08/2034		28/08/2035	
10/08/2034		28/08/2035		28/08/2038	
बुध	01/06/2032	केतु	01/09/2034	शुक्र	27/02/2036
केतु	26/07/2032	शुक्र	04/11/2034	सूर्य	22/04/2036
शुक्र	28/12/2032	सूर्य	23/11/2034	चंद्र	22/07/2036
सूर्य	12/02/2033	चंद्र	25/12/2034	मंगल	24/09/2036
चंद्र	01/05/2033	मंगल	16/01/2035	राहु	07/03/2037
मंगल	24/06/2033	राहु	15/03/2035	गुरु	31/07/2037
राहु	11/11/2033	गुरु	05/05/2035	शनि	21/01/2038
गुरु	15/03/2034	शनि	05/07/2035	बुध	25/06/2038
शनि	10/08/2034	बुध	28/08/2035	केतु	28/08/2038

केतु - सूर्य		केतु - चंद्र		केतु - मंगल	
07/11/2029		15/03/2030		14/10/2030	
15/03/2030		14/10/2030		12/03/2031	
सूर्य	13/11/2029	चंद्र	02/04/2030	मंगल	23/10/2030
चंद्र	24/11/2029	मंगल	14/04/2030	राहु	14/11/2030
मंगल	01/12/2029	राहु	16/05/2030	गुरु	04/12/2030
राहु	21/12/2029	गुरु	13/06/2030	शनि	27/12/2030
गुरु	07/01/2030	शनि	17/07/2030	बुध	18/01/2031
शनि	27/01/2030	बुध	16/08/2030	केतु	26/01/2031
बुध	14/02/2030	केतु	29/08/2030	शुक्र	20/02/2031
केतु	22/02/2030	शुक्र	03/10/2030	सूर्य	28/02/2031
शुक्र	15/03/2030	सूर्य	14/10/2030	चंद्र	12/03/2031

राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल	
28/08/2038		23/07/2039		21/01/2041	
23/07/2039		21/01/2041		08/02/2042	
सूर्य	13/09/2038	चंद्र	06/09/2039	मंगल	12/02/2041
चंद्र	11/10/2038	मंगल	08/10/2039	राहु	10/04/2041
मंगल	30/10/2038	राहु	29/12/2039	गुरु	01/06/2041
राहु	18/12/2038	गुरु	12/03/2040	शनि	31/07/2041
गुरु	31/01/2039	शनि	06/06/2040	बुध	24/09/2041
शनि	24/03/2039	बुध	23/08/2040	केतु	16/10/2041
बुध	10/05/2039	केतु	24/09/2040	शुक्र	19/12/2041
केतु	29/05/2039	शुक्र	24/12/2040	सूर्य	07/01/2042
शुक्र	23/07/2039	सूर्य	21/01/2041	चंद्र	08/02/2042

केतु - राहु		केतु - गुरु		केतु - शनि	
12/03/2031		30/03/2032		05/03/2033	
30/03/2032		05/03/2033		14/04/2034	
राहु	09/05/2031	गुरु	14/05/2032	शनि	09/05/2033
गुरु	29/06/2031	शनि	07/07/2032	बुध	05/07/2033
शनि	28/08/2031	बुध	24/08/2032	केतु	29/07/2033
बुध	22/10/2031	केतु	13/09/2032	शुक्र	04/10/2033
केतु	13/11/2031	शुक्र	09/11/2032	सूर्य	24/10/2033
शुक्र	16/01/2032	सूर्य	26/11/2032	चंद्र	27/11/2033
सूर्य	04/02/2032	चंद्र	24/12/2032	मंगल	21/12/2033
चंद्र	07/03/2032	मंगल	13/01/2033	राहु	19/02/2034
मंगल	30/03/2032	राहु	05/03/2033	गुरु	14/04/2034

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - बुध	
08/02/2042		28/03/2044		10/10/2046	
28/03/2044		10/10/2046		14/01/2049	
गुरु	23/05/2042	शनि	22/08/2044	बुध	04/02/2047
शनि	23/09/2042	बुध	31/12/2044	केतु	24/03/2047
बुध	12/01/2043	केतु	23/02/2045	शुक्र	09/08/2047
केतु	26/02/2043	शुक्र	27/07/2045	सूर्य	20/09/2047
शुक्र	06/07/2043	सूर्य	11/09/2045	चंद्र	28/11/2047
सूर्य	14/08/2043	चंद्र	27/11/2045	मंगल	15/01/2048
चंद्र	18/10/2043	मंगल	20/01/2046	राहु	18/05/2048
मंगल	02/12/2043	राहु	08/06/2046	गुरु	05/09/2048
राहु	28/03/2044	गुरु	10/10/2046	शनि	14/01/2049

केतु - बुध		शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य	
14/04/2034		11/04/2035		11/08/2038	
11/04/2035		11/08/2038		11/08/2039	
बुध	05/06/2034	शुक्र	31/10/2035	सूर्य	29/08/2038
केतु	26/06/2034	सूर्य	31/12/2035	चंद्र	29/09/2038
शुक्र	25/08/2034	चंद्र	11/04/2036	मंगल	20/10/2038
सूर्य	12/09/2034	मंगल	21/06/2036	राहु	14/12/2038
चंद्र	12/10/2034	राहु	20/12/2036	गुरु	31/01/2039
मंगल	03/11/2034	गुरु	01/06/2037	शनि	30/03/2039
राहु	27/12/2034	शनि	10/12/2037	बुध	21/05/2039
गुरु	13/02/2035	बुध	01/06/2038	केतु	11/06/2039
शनि	11/04/2035	केतु	11/08/2038	शुक्र	11/08/2039

गुरु - केतु		गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य	
14/01/2049		21/12/2049		21/08/2052	
21/12/2049		21/08/2052		10/06/2053	
केतु	03/02/2049	शुक्र	02/06/2050	सूर्य	05/09/2052
शुक्र	01/04/2049	सूर्य	20/07/2050	चंद्र	29/09/2052
सूर्य	18/04/2049	चंद्र	10/10/2050	मंगल	16/10/2052
चंद्र	17/05/2049	मंगल	05/12/2050	राहु	29/11/2052
मंगल	06/06/2049	राहु	30/04/2051	गुरु	07/01/2053
राहु	27/07/2049	गुरु	07/09/2051	शनि	22/02/2053
गुरु	10/09/2049	शनि	09/02/2052	बुध	05/04/2053
शनि	03/11/2049	बुध	26/06/2052	केतु	22/04/2053
बुध	21/12/2049	केतु	21/08/2052	शुक्र	10/06/2053

शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल		शुक्र - राहु	
11/08/2039		11/04/2041		11/06/2042	
11/04/2041		11/06/2042		11/06/2045	
चंद्र	01/10/2039	मंगल	06/05/2041	राहु	22/11/2042
मंगल	05/11/2039	राहु	09/07/2041	गुरु	18/04/2043
राहु	05/02/2040	गुरु	04/09/2041	शनि	08/10/2043
गुरु	26/04/2040	शनि	10/11/2041	बुध	11/03/2044
शनि	31/07/2040	बुध	09/01/2042	केतु	14/05/2044
बुध	26/10/2040	केतु	03/02/2042	शुक्र	13/11/2044
केतु	30/11/2040	शुक्र	15/04/2042	सूर्य	07/01/2045
शुक्र	12/03/2041	सूर्य	07/05/2042	चंद्र	08/04/2045
सूर्य	11/04/2041	चंद्र	11/06/2042	मंगल	11/06/2045

गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - राहु	
10/06/2053		10/10/2054		15/09/2055	
10/10/2054		15/09/2055		08/02/2058	
चंद्र	20/07/2053	मंगल	29/10/2054	राहु	25/01/2056
मंगल	18/08/2053	राहु	20/12/2054	गुरु	21/05/2056
राहु	30/10/2053	गुरु	03/02/2055	शनि	07/10/2056
गुरु	03/01/2054	शनि	29/03/2055	बुध	08/02/2057
शनि	21/03/2054	बुध	16/05/2055	केतु	31/03/2057
बुध	29/05/2054	केतु	05/06/2055	शुक्र	24/08/2057
केतु	26/06/2054	शुक्र	01/08/2055	सूर्य	07/10/2057
शुक्र	15/09/2054	सूर्य	18/08/2055	चंद्र	19/12/2057
सूर्य	10/10/2054	चंद्र	15/09/2055	मंगल	08/02/2058

शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - बुध	
11/06/2045		10/02/2048		11/04/2051	
10/02/2048		11/04/2051		09/02/2054	
गुरु	19/10/2045	शनि	11/08/2048	बुध	05/09/2051
शनि	22/03/2046	बुध	22/01/2049	केतु	04/11/2051
बुध	07/08/2046	केतु	30/03/2049	शुक्र	25/04/2052
केतु	03/10/2046	शुक्र	09/10/2049	सूर्य	16/06/2052
शुक्र	14/03/2047	सूर्य	06/12/2049	चंद्र	10/09/2052
सूर्य	02/05/2047	चंद्र	12/03/2050	मंगल	09/11/2052
चंद्र	22/07/2047	मंगल	19/05/2050	राहु	14/04/2053
मंगल	17/09/2047	राहु	08/11/2050	गुरु	29/08/2053
राहु	10/02/2048	गुरु	11/04/2051	शनि	09/02/2054

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

योगिनी दशा

सिद्धा 1 वर्ष 2 मास 9 दिन

सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष	
12/09/1997		22/11/1998		22/11/2006	
22/11/1998		22/11/2006		22/11/2007	
	00/00/0000	संक	01/09/2000	मंग	02/12/2006
	00/00/0000	मंग	21/11/2000	पिंग	22/12/2006
	00/00/0000	पिंग	03/05/2001	धांय	22/01/2007
	00/00/0000	धांय	01/01/2002	भ्राम	03/03/2007
	00/00/0000	भ्राम	22/11/2002	भद्रि	23/04/2007
	12/09/1997	भद्रि	02/01/2004	उल्क	23/06/2007
भद्रि	22/09/1997	उल्क	03/05/2005	सिद्ध	02/09/2007
उल्क	22/11/1998	सिद्ध	22/11/2006	संक	22/11/2007

पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष	
22/11/2007		21/11/2009		21/11/2012	
21/11/2009		21/11/2012		21/11/2016	
पिंग	02/01/2008	धांय	21/02/2010	भ्राम	03/05/2013
धांय	02/03/2008	भ्राम	23/06/2010	भद्रि	21/11/2013
भ्राम	23/05/2008	भद्रि	22/11/2010	उल्क	23/07/2014
भद्रि	01/09/2008	उल्क	23/05/2011	सिद्ध	03/05/2015
उल्क	01/01/2009	सिद्ध	22/12/2011	संक	23/03/2016
सिद्ध	23/05/2009	संक	22/08/2012	मंग	02/05/2016
संक	01/11/2009	मंग	21/09/2012	पिंग	22/07/2016
मंग	21/11/2009	पिंग	21/11/2012	धांय	21/11/2016

भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष	
21/11/2016		21/11/2021		22/11/2027	
21/11/2021		22/11/2027		22/11/2034	
भद्रि	02/08/2017	उल्क	22/11/2022	सिद्ध	02/04/2029
उल्क	02/06/2018	सिद्ध	22/01/2024	संक	22/10/2030
सिद्ध	23/05/2019	संक	23/05/2025	मंग	01/01/2031
संक	02/07/2020	मंग	23/07/2025	पिंग	23/05/2031
मंग	22/08/2020	पिंग	21/11/2025	धांय	22/12/2031
पिंग	01/12/2020	धांय	23/05/2026	भ्राम	02/10/2032
धांय	03/05/2021	भ्राम	22/01/2027	भद्रि	22/09/2033
भ्राम	21/11/2021	भद्रि	22/11/2027	उल्क	22/11/2034

भद्रिका 3 वर्ष 1 मास 19 दिन

भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष	
12/05/1999		30/06/2002		30/06/2008	
30/06/2002		30/06/2008		30/06/2015	
	00/00/0000	उल्क	30/06/2003	सिद्ध	09/11/2009
	12/05/1999	सिद्ध	30/08/2004	संक	31/05/2011
सिद्ध	30/12/1999	संक	30/12/2005	मंग	10/08/2011
संक	08/02/2001	मंग	28/02/2006	पिंग	30/12/2011
मंग	31/03/2001	पिंग	30/06/2006	धांय	30/07/2012
पिंग	10/07/2001	धांय	30/12/2006	भ्राम	10/05/2013
धांय	09/12/2001	भ्राम	30/08/2007	भद्रि	30/04/2014
भ्राम	30/06/2002	भद्रि	30/06/2008	उल्क	30/06/2015

संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष	
30/06/2015		30/06/2023		30/06/2024	
30/06/2023		30/06/2024		30/06/2026	
संक	10/04/2017	मंग	11/07/2023	पिंग	09/08/2024
मंग	30/06/2017	पिंग	31/07/2023	धांय	09/10/2024
पिंग	09/12/2017	धांय	30/08/2023	भ्राम	29/12/2024
धांय	10/08/2018	भ्राम	10/10/2023	भद्रि	10/04/2025
भ्राम	30/06/2019	भद्रि	30/11/2023	उल्क	10/08/2025
भद्रि	09/08/2020	उल्क	30/01/2024	सिद्ध	30/12/2025
उल्क	09/12/2021	सिद्ध	10/04/2024	संक	10/06/2026
सिद्ध	30/06/2023	संक	30/06/2024	मंग	30/06/2026

धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष	
30/06/2026		30/06/2029		30/06/2033	
30/06/2029		30/06/2033		30/06/2038	
धांय	30/09/2026	भ्राम	09/12/2029	भद्रि	11/03/2034
भ्राम	29/01/2027	भद्रि	30/06/2030	उल्क	09/01/2035
भद्रि	30/06/2027	उल्क	01/03/2031	सिद्ध	30/12/2035
उल्क	30/12/2027	सिद्ध	10/12/2031	संक	08/02/2037
सिद्ध	30/07/2028	संक	29/10/2032	मंग	31/03/2037
संक	31/03/2029	मंग	09/12/2032	पिंग	10/07/2037
मंग	30/04/2029	पिंग	28/02/2033	धांय	09/12/2037
पिंग	30/06/2029	धांय	30/06/2033	भ्राम	30/06/2038

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

योगिनी दशा

सिद्धा 1 वर्ष 2 मास 9 दिन

संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष	
22/11/2034		22/11/2042		22/11/2043	
22/11/2042		22/11/2043		21/11/2045	
संक	01/09/2036	मंग	02/12/2042	पिंग	02/01/2044
मंग	21/11/2036	पिंग	22/12/2042	धांय	02/03/2044
पिंग	03/05/2037	धांय	22/01/2043	भ्राम	23/05/2044
धांय	01/01/2038	भ्राम	03/03/2043	भद्रि	01/09/2044
भ्राम	22/11/2038	भद्रि	23/04/2043	उल्क	01/01/2045
भद्रि	02/01/2040	उल्क	23/06/2043	सिद्ध	23/05/2045
उल्क	03/05/2041	सिद्ध	02/09/2043	संक	01/11/2045
सिद्ध	22/11/2042	संक	22/11/2043	मंग	21/11/2045

धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष	
21/11/2045		21/11/2048		21/11/2052	
21/11/2048		21/11/2052		21/11/2057	
धांय	21/02/2046	भ्राम	03/05/2049	भद्रि	02/08/2053
भ्राम	23/06/2046	भद्रि	21/11/2049	उल्क	02/06/2054
भद्रि	22/11/2046	उल्क	23/07/2050	सिद्ध	23/05/2055
उल्क	23/05/2047	सिद्ध	03/05/2051	संक	02/07/2056
सिद्ध	22/12/2047	संक	23/03/2052	मंग	22/08/2056
संक	22/08/2048	मंग	02/05/2052	पिंग	01/12/2056
मंग	21/09/2048	पिंग	22/07/2052	धांय	03/05/2057
पिंग	21/11/2048	धांय	21/11/2052	भ्राम	21/11/2057

उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष	
21/11/2057		22/11/2063		22/11/2070	
22/11/2063		22/11/2070		22/11/2078	
उल्क	22/11/2058	सिद्ध	02/04/2065	संक	01/09/2072
सिद्ध	22/01/2060	संक	22/10/2066	मंग	21/11/2072
संक	23/05/2061	मंग	01/01/2067	पिंग	03/05/2073
मंग	23/07/2061	पिंग	23/05/2067	धांय	01/01/2074
पिंग	21/11/2061	धांय	22/12/2067	भ्राम	22/11/2074
धांय	23/05/2062	भ्राम	02/10/2068	भद्रि	02/01/2076
भ्राम	22/01/2063	भद्रि	22/09/2069	उल्क	03/05/2077
भद्रि	22/11/2063	उल्क	22/11/2070	सिद्ध	22/11/2078

भद्रिका 3 वर्ष 1 मास 19 दिन

उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष	
30/06/2038		30/06/2044		30/06/2051	
30/06/2044		30/06/2051		30/06/2059	
उल्क	30/06/2039	सिद्ध	09/11/2045	संक	10/04/2053
सिद्ध	30/08/2040	संक	31/05/2047	मंग	30/06/2053
संक	30/12/2041	मंग	10/08/2047	पिंग	09/12/2053
मंग	28/02/2042	पिंग	30/12/2047	धांय	10/08/2054
पिंग	30/06/2042	धांय	30/07/2048	भ्राम	30/06/2055
धांय	30/12/2042	भ्राम	10/05/2049	भद्रि	09/08/2056
भ्राम	30/08/2043	भद्रि	30/04/2050	उल्क	09/12/2057
भद्रि	30/06/2044	उल्क	30/06/2051	सिद्ध	30/06/2059

मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष	
30/06/2059		30/06/2060		30/06/2062	
30/06/2060		30/06/2062		30/06/2065	
मंग	11/07/2059	पिंग	09/08/2060	धांय	30/09/2062
पिंग	31/07/2059	धांय	09/10/2060	भ्राम	29/01/2063
धांय	30/08/2059	भ्राम	29/12/2060	भद्रि	30/06/2063
भ्राम	10/10/2059	भद्रि	10/04/2061	उल्क	30/12/2063
भद्रि	30/11/2059	उल्क	10/08/2061	सिद्ध	30/07/2064
उल्क	30/01/2060	सिद्ध	30/12/2061	संक	31/03/2065
सिद्ध	10/04/2060	संक	10/06/2062	मंग	30/04/2065
संक	30/06/2060	मंग	30/06/2062	पिंग	30/06/2065

भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष	
30/06/2065		30/06/2069		30/06/2074	
30/06/2069		30/06/2074		30/06/2080	
भ्राम	09/12/2065	भद्रि	11/03/2070	उल्क	30/06/2075
भद्रि	30/06/2066	उल्क	09/01/2071	सिद्ध	30/08/2076
उल्क	01/03/2067	सिद्ध	30/12/2071	संक	30/12/2077
सिद्ध	10/12/2067	संक	08/02/2073	मंग	28/02/2078
संक	29/10/2068	मंग	31/03/2073	पिंग	30/06/2078
मंग	09/12/2068	पिंग	10/07/2073	धांय	30/12/2078
पिंग	28/02/2069	धांय	09/12/2073	भ्राम	30/08/2079
धांय	30/06/2069	भ्राम	30/06/2074	भद्रि	30/06/2080

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

3	मूलांक	3
2	भाग्यांक	9
3, 5, 7, 9, 2	मित्र अंक	3, 5, 7, 9
1, 4, 8	शत्रु अंक	1, 4, 8
21,30,39,48,57	शुभ वर्ष	21,30,39,48,57
रवि, गुरु, मंगल	शुभ दिन	शनि, बुध, शुक्र
सूर्य, गुरु, मंगल	शुभ ग्रह	शनि, बुध, शुक्र
मीन, सिंह	मित्र राशि	वृश्चिक, धनु
मीन, सिंह, तुला	मित्र लग्न	सिंह, मकर, मीन
हनुमान	अनुकूल देवता	जगदम्बा
पुखराज	शुभ रत्न	हीरा
सुनहला, पीला हकीक	शुभ उपरत्न	जरकिन, ओपल
माणिक्य	भाग्य रत्न	नीलम
कांसा	शुभ धातु	रजत
पीत	शुभ रंग	रजत
पूर्वोत्तर	शुभ दिशा	दक्षिणपूर्व
संध्या	शुभ समय	सूर्योदय
हल्दी, पुस्तक, पीत पुष्प	दान पदार्थ	मिसरी, दधि, श्वेतचन्दन
दाल चना	दान अन्न	चावल
घी	दान द्रव्य	दूध

रत्न चयन

किसी भी कुंडली में दशानुसार ग्रह का उपाय एवं रत्न धारण करने से शुभत्व में वृद्धि होती है। वैज्ञानिक रूप से विशिष्ट ग्रह का मंत्रोच्चारण करने से उस ग्रह की रश्मियों की मानव शरीर के चारों ओर सुरक्षा श्रृंखला बन जाती है एवं रत्न रश्मियों को सोखकर मानव शरीर में प्रवाहित कर शुभत्व में वृद्धि करता है। अतः रत्न का बेदाग होना एवं शरीर से स्पर्श करना अत्यंत आवश्यक माना गया है।

सामान्यतया उपाय ग्रह दशा के फल की वृद्धि के लिए महादशा स्वामी का किया जाता है। उपाय में मंत्रोच्चारण, दान एवं व्रत ही प्रमुख हैं। रत्न निर्बल परंतु लग्नेश, भाग्येश या योगकारक ग्रहों का पहना जाता है। आपको कब कौन सा उपाय या रत्न धारण करना चाहिए नीचे तालिका में उसके कार्यसिद्धि क्षेत्र सहित दिया गया है। महादशाओं में रत्नों के तीन-तीन विकल्प दिए गए हैं। आपको कोई भी विकल्प उसकी कार्यसिद्धि क्षेत्र एवं क्षमता देखकर अपनी आवश्यकतानुसार पहन सकते हैं तथा अतिरिक्त उपाय भी अपनी क्षमतानुसार कर सकते हैं।

Vikrant

जीवन रत्नः	पुखराज	धन, स्वास्थ्य, सुख
भाग्य रत्नः	माणिक्य	भाग्योदय
कारक रत्नः	मूंगा	धनार्जन, सन्तति सुख, कम खर्च
शुभ उपरत्नः	गोमेद	भाग्योदय

Punita

जीवन रत्नः	हीरा	धन, स्वास्थ्य, शत्रु व रोग मुक्ति
भाग्य रत्नः	नीलम	कम खर्च, भाग्योदय, व्यावसायिक उन्नति
कारक रत्नः	पन्ना	कम खर्च, धन, सन्तति सुख

रत्न	ग्रह	रत्ती	धातु	अंगुली	दिन	समय	नक्षत्र
माणिक्य	सूर्य	4	सोना	अना	रविवार	सुबह	कृतिका, उ०फाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा
मोती	चन्द्र	4	चांदी	कनि	सोमवार	सुबह	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	मंगल	6	चांदी	अना	मंगलवार	सुबह	मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	बुध	4	सोना	कनि	बुधवार	सुबह	आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	गुरु	4	सोना	तर्जन	गुरुवार	सुबह	पुनर्वसु, विशाखा, पू०भाद्रपद
हीरा	शुक्र	1	प्लेटि	कनि	शुक्रवार	सुबह	भरणी, पू०फाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा
नीलम	शनि	4	पंचधातु	मध्य	शनिवार	शाम	पुष्य, अनुराधा, उ०भाद्रपद
गोमेद	राहु	5	अष्टधातु	मध्य	शनिवार	रात्रि	आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा
लहसुनिया	केतु	6	चांदी	अना	गुरुवार	रात्रि	अश्विनी, मघा, मूल

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पड़ता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पड़ता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्र:

चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	11/09/1997-16/04/1998
अष्टम स्थानस्थ ढैया	05/09/2004-01/11/2006
साढेसाती प्रथम ढैया	02/11/2014-19/01/2017
साढेसाती द्वितीय ढैया	19/01/2017-18/01/2020
साढेसाती तृतीय ढैया	18/01/2020-21/07/2022

द्वितीय चक्र:

चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	24/03/2025-26/10/2027
अष्टम स्थानस्थ ढैया	06/07/2034-20/08/2036
साढेसाती प्रथम ढैया	02/12/2043-29/11/2046
साढेसाती द्वितीय ढैया	29/11/2046-20/07/2049
साढेसाती तृतीय ढैया	20/07/2049-17/02/2052

तृतीय चक्र:

चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	09/09/2054-01/04/2057
अष्टम स्थानस्थ ढैया	15/02/2064-03/10/2065
साढेसाती प्रथम ढैया	20/04/2073-04/08/2076
साढेसाती द्वितीय ढैया	04/08/2076-03/01/2079
साढेसाती तृतीय ढैया	03/01/2079-18/08/2081

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	सम	सुख
अष्टम स्थानस्थ ढैया	अशुभ	दुर्घटना
साढेसाती प्रथम ढैया	अशुभ	व्यय
साढेसाती द्वितीय ढैया	सम	स्वास्थ्य
साढेसाती तृतीय ढैया	शुभ	धन

प्रथम चक्र:

साढेसाती प्रथम ढैया	--- --
साढेसाती द्वितीय ढैया	--- --
साढेसाती तृतीय ढैया	11/05/1999-05/06/2000
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	22/07/2002-05/09/2004
अष्टम स्थानस्थ ढैया	15/11/2011-02/11/2014

द्वितीय चक्र:

साढेसाती प्रथम ढैया	21/07/2022-24/03/2025
साढेसाती द्वितीय ढैया	24/03/2025-26/10/2027
साढेसाती तृतीय ढैया	26/10/2027-11/04/2030
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	25/05/2032-06/07/2034
अष्टम स्थानस्थ ढैया	06/03/2041-02/12/2043

तृतीय चक्र:

साढेसाती प्रथम ढैया	17/02/2052-09/09/2054
साढेसाती द्वितीय ढैया	09/09/2054-01/04/2057
साढेसाती तृतीय ढैया	01/04/2057-22/05/2059
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	05/07/2061-15/02/2064
अष्टम स्थानस्थ ढैया	25/10/2070-20/04/2073

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
साढेसाती प्रथम ढैया	शुभ	व्यावसायिक उन्नति
साढेसाती द्वितीय ढैया	सम	धनार्जन
साढेसाती तृतीय ढैया	अशुभ	व्यय
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	सम	धन
अष्टम स्थानस्थ ढैया	शुभ	शत्रु व रोग मुक्ति

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं-

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु-केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु-केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त

किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब-जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु-केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

Vikrant

आपकी जन्मकुण्डली में शंखचूड़ नामक कालसर्प योग केवल अनुदित रूप में विद्य मान है। अनुदित योग पूर्णरूप से कालसर्प योग की परिभाषा में नहीं आता, लेकिन फिर भी इसका कुछ फल अवश्य मिलता है। फलस्वरूप जातक को भाग्योदय होने में थोड़ा व्यवधान उपस्थित होता है और नौकरी में आगे बढ़ने के प्रयास में आंशिक रूप से रुकावटें आती हैं। परन्तु कालान्तर में व्यवधान स्वतः हट जाता है और कभी नौकरी में अवनति का भय होता है। व्यापार में थोड़ी बहुत रुकावट आकर नुकसान को जातक प्राप्त करता है। मित्रों द्वारा कपट व्यवहार होने के कारण जातक को धन की क्षति उठानी पड़ती है। पिता के सुख में न्यूनता रहती है। मामा पक्ष से या बहनोई से छल कपट किये जाने पर जातक आंशिक कष्ट पाता है और शासन की तरफ से भी थोड़ा बहुत मुसीबत आती है। अधिकारियों से कभी-कभी मनमुटाव हो जाता है। जिस कारण जातक को न्यायालय से कभी जुर्माना या आंशिक रूप में सजा मिल सकती है।

इस योग के प्रभाव से जातक के शरीर में कभी-कभी रोग व्याधि ग्रसित कर लेती है। जिसमें थोड़ा बहुत धन खर्च हो जाने के कारण आर्थिक स्थिति असामान्य हो जाती है। कालान्तर में पुनः वह सामान्य हो जाती है। जातक को चिन्ता परेशानी समय-समय पर लग जाती है और वैवाहिक जीवन सामान्य होते हुए भी कभी दुःखमय बन जाता है तथा प्रायः भोग से अतृप्त रहती है। घर में सुख शान्ति का थोड़ा बहुत अभाव रहता है। जातक कई प्रकार से धन्धे करता है पर स्थाई सफलता सदैव संदिग्ध रहती है। सुख प्राप्ति के लिए जातक को संघर्ष करना पड़ता है और सामाजिक मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा सामान्य रहती है।

यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें, अवश्य लाभ मिलेगा।

1. काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।
2. बहते पानी में नारियल के फल को तीन बार शुभ मुहूर्त्त में प्रवाहित करें।
3. बहते पानी में कोयला को शुभ मुहूर्त्त में तीन बार प्रवाहित करें।
4. हरिजन को मसूर की दाल तथा द्रव्य शुभ मुहूर्त्त में तीन बार दान करें।
5. हनुमान चलीसा का 108 बार पाठ करें।
6. शयन कक्ष में लाल रंग के पर्दे, चादर तथा तकियों का उपयोग करें।
7. कुल देवता की पूजा करें।

8. धूम्रवस्त्र, तिल, कम्बल एवं सप्तधान्य शुभ मुहूर्त्त में रात्रि को दान करें।
9. केतु की उपासना उसकी महादशा में अवश्य करें।
10. देवदारु, सरसों तथा लोहवान को उबाल कर एक बार स्नान करें।
11. सवा महीने जौ के दाने पक्षियों को खिलाएँ।
12. नीला रूमाल, नीला घड़ी का पट्टा, नीला पैन, लोहे की अंगूठी धारण करें।

विशेष

ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्रीखण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें। तिरुपति बालाजी के पास कालाहस्ती शिव मंदिर में जाकर कालसर्प योग की शांति का उपाय विधि-विधान से एक बार करें अथवा 12 ज्योतिर्लिंग में से किसी भी ज्योतिर्लिंग में जाकर पूजा करें जैसे - कि सौराष्ट्र गुजरात में सोमनाथ मंदिर, महाराष्ट्र के नासिक में त्रयंबकेश्वर मंदिर, उज्जैन, भीमाशंकर, नागेश्वर, रामेश्वर, वगेरे।

Punita

आपकी जन्मकुण्डली में वासुकि नामक कालसर्प योग विद्यमान है। लेकिन यह केवल आंशिक रूप में विद्यमान है। फलस्वरूप जातक का वैवाहिक जीवन सामान्य होते हुए कभी दुःखमय हो जाता है। पारिवारिक सदस्यों से किसी समय थोड़ा मनमुटाव हो जाता है। भाई-बहनों से आंशिक रूप में दुःख उठाना पड़ता है। रिश्तेदार थोड़ा बहुत नुकसान पहुँचाते रहते हैं और मित्रगण से भी किसी समय जातक थोड़ी क्षति पाता है। घर में सुख शान्ति का आंशिक अभाव रहता है।

पूजा, पाठ, हवन, दान आदि धर्म कार्य में जातक को विशेष रुचि नहीं रहती है। भाग्योदय होने में आंशिक रूप से बाधाएँ आती हैं तथा नौकरी एवं व्यवसाय के क्षेत्र में किंचित संघर्ष करना पड़ता है और राजकीय सेवा के अवसर भी प्राप्त होते हैं तथा पराक्रम, यश, पद व प्रतिष्ठा के लिए आंशिक संघर्ष करना पड़ता है। जातक विदेश गमन करता है जिसमें थोड़ा बहुत कष्ट झेलना पड़ता है।

इस योग के कारण जातक को शारीरिक रोग-व्याधि समय-समय पर घेर लेती है। जिसमें सामान्य से विशेष खर्च हो जाने के कारण आर्थिक स्थिति नाजुक हो जाती है। कालान्तर में आर्थिक स्थिति सामान्य हो जाती है।

इस योग के कारण जातक कानूनी दस्तावेजों पर भावुकतावश हस्ताक्षर करके आंशिक रूप में नुकसान पाता है और राज्य पक्ष से भी जातक को अल्पमात्रा में प्रतिकूल फल प्राप्त होता है और नौकरी व्यवसाय में निलम्बित होने का भय बना रहता है। लेकिन सब कुछ होने के बाद भी जातक अपने जीवन में बहुत सफलता प्राप्त करता है। विलम्ब से उत्तम भाग्य का निर्माण भी होता है और उन्नति के कई अवसर प्राप्त होते हैं।

यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें। अवश्य लाभ मिलेगा।

1. काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।
2. ऊँ नमः शिवाय' का प्रतिदिन 108 बार जप करें। कुल जप संख्या- 21000।
3. ताम्बे के लोटे में नाग के जोड़े बहते पानी में एक बार प्रवाहित करें।
4. नवनाग स्तोत्र का एक वर्ष तक प्रतिदिन पाठ करें।
5. राहु के महादशा, अन्तर्दशा आने पर राहु मन्त्र के जाप कम से कम प्रतिदिन 108 बार करें। जप संख्या अट्ठारह हजार (18000) है।
6. शुभ मुहूर्त्त में अभिमन्त्रित गोमेद धारण करें।
7. श्रावणमास में 30 दिन तक महादेव का अभिषेक करें।
8. सरस्वती जी की एक वर्ष विधिवत उपासना करें।
9. राहु कवच एवं स्तोत्र का पाठ करें।
10. प्रत्येक सोमवार को दही से भगवान शंकर पर - ऊँ हर हर महादेव कहते हुए अभिषेक करें। यह केवल 16 सोमवार तक करें।
11. रसोईघर में बैठकर भोजन करें।
12. शुभ मुहूर्त्त में बहते पानी में कोयला तीन बार प्रवाहित करें।
13. गोमेद, सुवर्ण, तिल, सरसों, नीलवस्त्र, खड्ग, कम्बल, आदि समय-समय पर दान करें।
14. शुभ मुहूर्त में मुख्य द्वार पर चाँदी का स्वस्तिक एवं दोनो ओर धातु से निर्मित नाग चिपका दें।
15. हनुमान चालीसा का 108 बार पाठ करें।

विशेष

ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्रीखण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें। तिरुपति बालाजी के पास कालाहस्ती शिव मंदिर में जाकर कालसर्प योग की शांति का उपाय विधि-विधान से एक बार करें अथवा 12 ज्योतिर्लिंग में से किसी भी ज्योतिर्लिंग में जाकर पूजा करें जैसे - कि सौराष्ट्र गुजरात में सोमनाथ मंदिर, महाराष्ट्र के नासिक में त्रयंबकेश्वर मंदिर, उज्जैन, भीमाशंकर, नागेश्वर, रामेश्वर, वगेरे।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

कुल : **22.5 / 36**

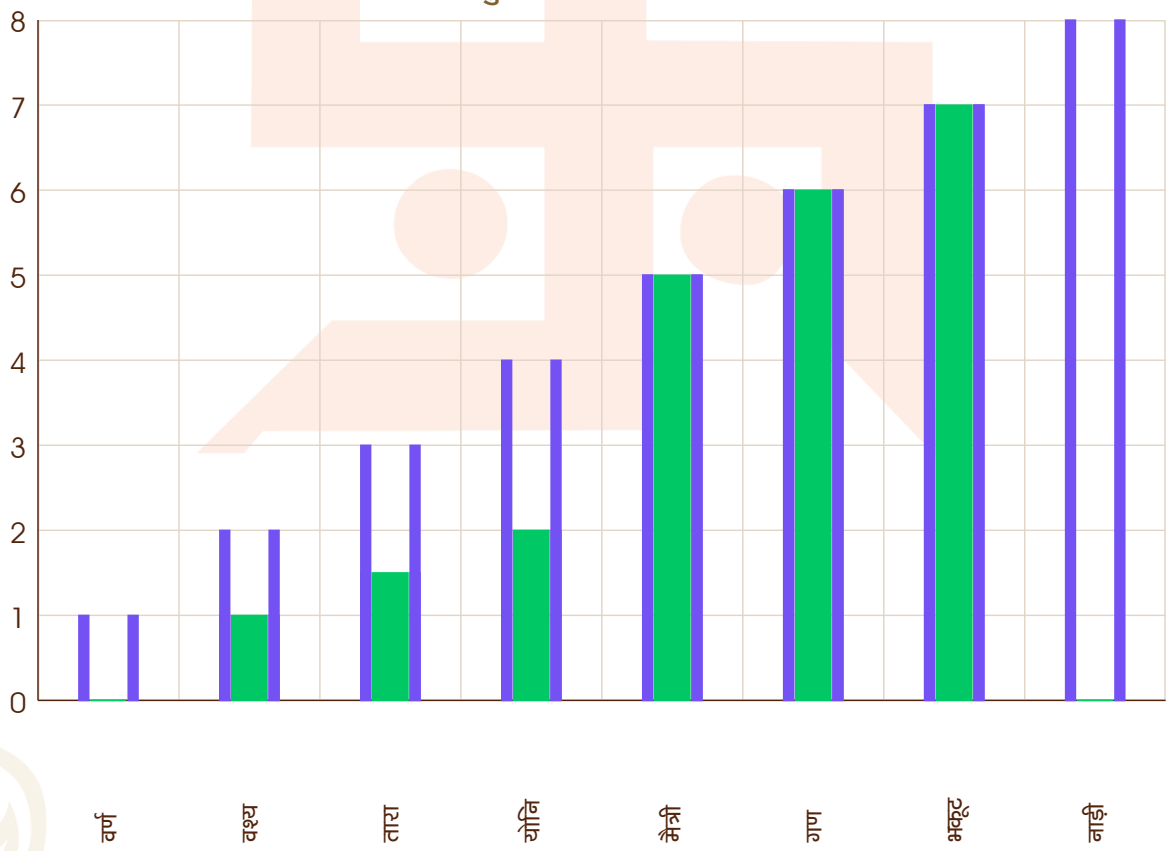

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Vikrant का वर्ग श्वान है तथा Punita का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Vikrant और Punita का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Vikrant मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Punita मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Vikrant तथा Punita में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Vikrant का वर्ण क्षत्रिय तथा Punita का वर्ण ब्राह्मण है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच सदैव अहं का टकराव होता रहेगा। साथ ही Punita हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रस्त रहेंगी तथा स्वयं को अपने पति से हमेशा अधिक बुद्धिमान एवं चतुर समझेंगी। श्रेष्ठता की यही भावना Vikrant एवं बच्चों के विकास में बाधक साबित हो सकती है।

वश्य

Vikrant का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Punita का वश्य जलचर है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। पशु एवं जलचर दोनों का साथ-साथ प्रकृति में सह अस्तित्व होता है। इसलिये दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार एवं पसंद/नापसंद अलग-अलग होंगे। जिसके फलस्वरूप दोनों शायद ही कभी एक-दूसरे को नुकसान पहुंचायेंगे। Vikrant एवं Punita दोनों अपने-अपने अलग कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व निभाते रहेंगे। इस मिलान में Vikrant एवं Punita दोनों एक-साथ प्रेमपूर्वक अपने कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Vikrant की तारा क्षेम तथा Punita की तारा वध है। Punita की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह Vikrant एवं Punita दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Punita अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

Vikrant की योनि वानर है तथा Punita की योनि गौ है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से

कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Vikrant एवं Punita दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Vikrant एवं Punita दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Vikrant का गण मनुष्य तथा Punita का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

Vikrant से Punita की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Punita से Vikrant की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Vikrant परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Punita घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

Vikrant की नाड़ी मध्य है तथा Punita की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Vikrant एवं Punita का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Vikrant की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त धनु तथा Punita की जन्म राशि जलतत्व युक्त मीन राशि है। अग्नि एवं जल में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Vikrant और Punita के दाम्पत्य संबंधों में अनुकूलता सामंजस्य तथा बुद्धिमता से ही होगी तथा वैवाहिक जीवन का सुख भी प्राप्त होगा। अतः मिलान सामान्यतया अच्छा रहेगा।

Vikrant और Punita की राशि का स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से दोनों के मध्य मित्रता पूर्ण संबध रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव विद्यमान होगा। साथ ही एक दूसरे की कमियों की अपेक्षा गुणों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे संबधों में मधुरता बनी रहेगी। Vikrant और Punita सुख दुख के समय पर एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। अतः वैवाहिक जीवन सुख एवं आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

Vikrant और Punita की राशियां परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Vikrant और Punita का परस्पर सम्मान जनक व्यवहार रहेगा तथा एक दूसरे के अस्तित्व को पूर्ण रूप से स्वीकार करके परस्पर व्यवहार करेंगे। अपनी इस प्रवृति से जीवन में समस्त सुखों का उपभोग करेंगे तथा परिवार में शांति तथा सदभावना का वातावरण भी बना रहेगा। साथ ही अपने समस्त सांसारिक कार्यो को परस्पर सलाह तथा बुद्धिमता से सम्पन्न करेंगे एवं मतभेद उत्पन्न होने पर सामंजस्य स्थापित करेंगे। अतः जीवन सुखमय रहेगा।

Vikrant का वश्य चतुष्पद एवं Punita का वश्य जलचर है। चतुष्पद तथा जलचर की परस्पर मित्रता एवं समानता रहती है। अतः Vikrant और Punita की अभिरूचियां तथा आवश्यकताओं में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर शुभ मिलान होगा। साथ ही कामसंबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे जिससे परस्पर संबधों में मधुरता विद्यमान रहेगी।

Vikrant का वर्ण क्षत्रिय तथा Punita का वर्ण ब्राह्मण है अतः Vikrant की प्रवृति परिश्रमी पराक्रमी तथा साहसिक कार्यो में रहेगी जबकि Punita धार्मिक शैक्षणिक तथा सत्कार्यो को करने में तत्पर रहेंगी। अतः इनका कार्य क्षेत्र सामान्यतया सुदृढ़ ही रहेगा।

धन

Vikrant और Punita दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके

अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Vikrant और Punita दोनों की नाड़ी मध्य है। यद्यपि इससे नाड़ी दोष का आभास होता है परन्तु दोनों विभिन्न नक्षत्रों में उत्पन्न हुए है तथा उनकी राशि का स्वामी एक ही ग्रह है। अतः नाड़ी दोष से ये दोनों मुक्त रहेंगे। इसके प्रभाव से Vikrant और Punita दोनों का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को परिश्रम पूर्वक सम्पन्न करने में सफल होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की प्रसन्नता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः सुखी वैवाहिक दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा तथा आनंद पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करने में Vikrant और Punita सफल रहेंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Vikrant और Punita का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Vikrant और Punita के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Punita के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Punita को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Punita को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Vikrant और Punita सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Vikrant और Punita का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Punita के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Punita के लिए

अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Punita अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Punita के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Vikrant के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा Vikrant अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी Vikrant का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में Vikrant का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि Vikrant तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में Vikrant के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।

अंक ज्योतिष फल

Vikrant

आपका जन्म दिनांक 12 है। एक एवं दो के जोड़ से तीन आपका मूलांक हुआ। एक का स्वामी सूर्य दो का चन्द्र तथा तीन का गुरु है। मुख्य प्रभाव मूलांक तीन के स्वामी गुरु का आपके जीवन पर पड़ेगा। थोड़ा-बहुत प्रभाव सूर्य एवं चन्द्र का रहेगा। इन सभी ग्रहों के सम्मिलित प्रभाववश आप एक बुद्धिशील, विद्वान व्यक्ति होंगे। सूर्य प्रभाव से दृढ़शीलता, प्रखरता आयेगी। चन्द्र प्रभाव मानसिक कल्पना शीलता में वृद्धि करेगा एवं गुरु प्रभाव से आध्यात्मिकता, विद्या, लेखन-पठन के गुण आपके अन्दर आयेंगे।

आप अपने जीवन में एक सन्तुलित व्यक्ति रहेंगे एवं ऐसे ही कार्यों को करना पसन्द करेंगे, जिनमें मेहनत, ईमानदारी से लाभ हो। आपके इस गुण का विरोधी फायदा उठायेंगे और ईर्ष्यावश आपको प्रताड़ित करने की कोशिश करेंगे। लेकिन आप अपने दृढ़शीलता के व्यवहार से परास्त करने में सक्षम रहेंगे।

आपको ऐसे कार्यों में लाभ रहेगा, जहाँ बुद्धि का प्रयोग अधिक होता है। ज्ञान-विज्ञान इत्यादि के क्षेत्रों में भी आपकी रुचि रहेगी एवं भाषण, लेखन, वक्तव्य कला आदि में निपुण रहेंगे। बचपन एवं जवानी की अपेक्षा वृद्धावस्था में आपके ज्ञान का लाभ दूसरों को प्राप्त होगा।

Punita

आपका जन्म दिनांक 12 है। एक एवं दो के जोड़ से तीन आपका मूलांक होता है। एक का स्वामी सूर्य दो का चन्द्र तथा तीन का गुरु है। मुख्य प्रभाव मूलांक तीन के स्वामी गुरु का आपके जीवन पर पड़ेगा। थोड़ा-बहुत प्रभाव सूर्य एवं चन्द्र का रहेगा। इन सभी ग्रहों के सम्मिलित प्रभाववश आप एक बुद्धिशील, विद्वान महिला होंगी। सूर्य प्रभाव से दृढ़शीलता, प्रखरता आयेगी। चन्द्र प्रभाव मानसिक कल्पना शीलता में वृद्धि करेगा एवं गुरु प्रभाव से आध्यात्मिकता, विद्या, लेखन-पठन के गुण आपके अन्दर आयेंगे।

आप अपने जीवन में एक सन्तुलित महिला होंगी एवं ऐसे ही कार्यों को करना पसन्द करेंगी, जिनमें मेहनत, ईमानदारी से लाभ हो। आपके इस गुण का विरोधी फायदा उठायेंगे और ईर्ष्यावश आपको प्रताड़ित करने की कोशिश करेंगे। लेकिन आप अपने दृढ़शीलता के व्यवहार से परास्त करने में सक्षम रहेंगी।

आपको ऐसे कार्यों में लाभ रहेगा, जहाँ बुद्धि का प्रयोग अधिक होता है। ज्ञान-विज्ञान इत्यादि के क्षेत्रों में भी आपकी रुचि रहेगी एवं भाषण, लेखन, वक्तव्य कला आदि में निपुण रहेंगी। बचपन एवं जवानी की अपेक्षा वृद्धावस्था में आपके ज्ञान का लाभ दूसरों को प्राप्त होगा।

Vikrant

भाग्यांक दो का स्वामी चन्द्र ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आपकी कल्पनाशक्ति उन्नत किश्म की होगी। बौद्धिक स्तर आपका उच्च कोटि का रहेगा एवं बुद्धि जन्य कार्यों में आपकी विशेष अभिरुचि रहेगी। शारीरिक श्रम साध्य कार्यों में आपकी दिलचस्पी कम रहेगी। चन्द्रमा जिस तरह घटता-बढ़ता रहता है, उसी प्रकार आपके भाग्य का सितारा भी कभी तो एकदम ऊँचाईयों को प्राप्त करेगा और कभी आप एकदम घोर अंधकार में अपने आप को पायेंगे। ऐसे समय में धैर्य रखना आपके लिए अनिवार्य हो जाता है, क्योंकि आपके भाग्य का सितारा भी पुनः पूर्णिमा की तरह प्रकाशित होगा। धैर्य न रखना आपकी कमजोरियों में रहेगा।

भाग्य आपका बदलता रहेगा। एक स्थिर मुकाम पर कभी भी नहीं पहुँचेगा। आपको सम्पूर्ण जीवन में भाग्योदय की कुछ कमी खटकती रहेगी। आपको अधिकारियों से लाभ रहेगा तथा धन-धान्य से आप सुखी रहेंगे। आपको अपनी चलायमान प्रकृति पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा एक के बाद एक कार्यों को बीच में छोड़कर आगे बढ़ने की प्रवृत्ति वश आपके कार्य देर से सफल होंगे और कभी असफल भी होंगे।

Punita

भाग्यांक नो का स्वामी मंगल ग्रह को माना गया है। यह ग्रह मण्डल का सेनापति है। रक्त वर्ण का क्षत्रियोचित गुणों का है। इसके प्रभाव से आप स्वतंत्ररूप से रोजगार- व्यापार के क्षेत्र में तरक्की करेंगी। साहस भरे कार्यों से आपका भाग्योदय होगा। आप ऐसे क्षेत्र में अपना रोजगार प्राप्त करेंगी, जहाँ आपकी हुकूमत चलती रहे। मुखिया, नायक, अगुआ के रूप में कार्य करना आपको हमेशा अच्छा लगेगा।

रोजगार के क्षेत्र में आप अपनी स्वतंत्र विचारधारा के द्वारा महत्वपूर्ण उन्नति को प्राप्त करेंगी। यांत्रिक कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। एकाधिकार पूर्ण कार्य क्षेत्र आपकी प्रथम पसन्द रहेंगे और आपकी कोशिश रहेगी कि आपने जो कार्यक्षेत्र अपने जीवन यापन हेतु चुना है उसमें किसी का भी हस्तक्षेप न हो । विरोध, बिना वजह का हस्तक्षेप आप बर्दास्त नहीं कर पायेंगी। यांत्रिकी कार्य, चिकित्सा, सेना, संगठन, सामाजिक क्रिया कलापों में आप गहरी रुचि प्रदर्शित करेंगी।

लग्न फल

Vikrant

आपका जन्म मूल नक्षत्र के द्वितीय चरण में धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदित काल मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ राशि का नवमांश एवं धनु राशि में द्रेष्काण के प्रभाव से ज्योतिषीय आकृति यह स्पष्ट करता है कि आपका संपूर्ण जीवन आरामदायक बीतेगा। यह ज्योतिषीय तथ्यों द्वारा प्रमाणित है।

आप शारीरिक, अर्थिक एवं भोग विलास से युक्त जीवन बिताने के लिए भगवान द्वारा प्रदत्त वरदानों के अनुरूप सुखी रहेंगे। आप स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक जीवन व्यतीत करेंगे। यदि कोई आपको हानि पहुंचाये अथवा पीड़ा पहुंचाये तो निष्कट भाव से उसे परास्त कर देंगे। यथा आप किसी भी विषय में अपनी राय स्पष्ट रूप से व्यक्त कर देंगे। आप मात्र विश्वसनीयता पूर्वक ऐसा वक्तव्य देगे। निश्चयपूर्वक सभी लोग इस प्रवृति को पसंद नहीं करेंगे। अतएव आप अपनी भाषा पर निगरानी रखें।

आप धन प्राप्ति के पश्चात् परम प्रकृति पुरुष अर्थात् ईश्वर एवं धर्म के संबंध में विचार करके आप धर्म एवं दर्शन के प्रति सफलता प्राप्त कर सकेंगे। यह संभाव्य है कि आप अपनी आयु के 27 वें वर्ष अथवा 31 वे वर्ष की आयु में हवा में गिरा फल के समान धन प्राप्त करेंगे। अर्थात् आकस्मिक रूप से धनी हो जाएंगे।

निःसंदेह आप अपने परिवार एवं बच्चों के प्रति तथा उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अच्छी प्रकार चिंतन करेंगे तथा परिवारिक सुख प्राप्ति में अभिरूचि लेंगे। परंतु आप उनके साथ अधिक समय व्यतीत करने में सक्षम नहीं होंगे, क्योंकि आपका अधिक समय यात्रा करने, मार्केटिंग करने, खेलकूद में व्यस्त रहने अथवा बाहरी कार्यक्रम में व्यस्त रहेंगे। तथापि आप अपनी समझदार पत्नी एवं उदीयमान पुत्रों से युक्त होंगे।

आप जब कभी भी किसी कार्य के प्रारंभ करने के हस्ताक्षरित करेंगे। उस कार्य को प्रति उत्पन्नमति से संपादित कर सफल हो जाएंगे। आप अधिक से अधिक लोगों द्वारा आनंद प्राप्त करेंगे। आपमें अंतःप्रज्ञा की शक्ति निहित है। आपकी अधिकाधिक भविष्यवाणी की आकृति अनुमानित सच्चाई पर विचारणीय होता है। आप इस अच्छे गुण को अच्छी प्रकार कार्यान्वित करने के गुण आपमें विद्यमान है। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सुगमतापूर्वक अपेक्षित एवं अनुकूल संपादन करेंगे।

आप सदैव ही कुछ न कुछ कार्य करते रहेंगे। फिर भी सभी को कुछ न कुछ अभावग्रस्त रहना ही पड़ेगा। आप अपने किसी भी प्रकार की समस्या को अच्छी प्रकार संभालने के लिए समर्थ होंगे। यद्यपि आप प्रायः सभी दृष्टिकोण से आशावान रहेंगे। परंतु आपका स्वास्थ्य किसी न किसी विंदु पर चिन्ताजनक होगा। आप निश्चय पूर्वक अच्छे स्वास्थ्य का आनन्द अवश्य ही प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसी आशंका है कि आप गठिया वायु रोग, जुकाम, सर्दी एवं कफ जनित रोग तथा हड्डी रोग से संबंधित समस्याएं प्रभावित कर सकती है।

आपके लिए रंगों में सफेद क्रीम रंग, नीला, सूआपंखी, नारंगी एवं हरा रंग आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली है। परंतु रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है, जबकि अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

परंतु सोमवार एवं मंगलवार का दिन आपके हित सर्वथा त्याजनीय है।

Punita

आपका जन्म कृतिका नक्षत्र के तृतीय चरण में वृषभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षितिज पर कुंभ का नवमांश एवं वृषभ राशि का द्रेष्काण उदित था। आपके जन्म प्रभाव से ऐसा स्पष्ट हो रहा है कि आपका व्यक्तित्व सामान्य तथा जीवन विखंडित है।

यद्यपि आप धार्मिक प्रवृत्ति की सुव्यवस्थित महिला हैं। आप व्यवसायिक मनोवृत्ति की प्राणी हैं। आप बैल के समान उत्तरदायीत्व निभा सकती हैं। यदि आपको कोई क्रोधित कर दे तों आपकी सहनशीलता सीमा रहित हो जाती है और आप अपनी विरोधात्मक परिस्थिति को प्रचंड प्रहार से मुक्त करा लेने की इच्छा रखती हैं।

परंतु आप ऐसी महिला हैं जो अपने घर के साज-सज्जाओं को विभिन्न प्रकार से परिवर्तित करती रहती हैं। आप किसी भी घटनाओं के प्रति अपने पति को भिन्न-भिन्न प्रकार की राय देती हैं। व्यक्तिगत रूप से आपका व्यवहार किसी को अपने वशीभूत (अधिनस्थ) रखने जैसा होता है।

बल्कि अन्य परस्पर विरोधाभास यह है कि आप लिहाज पूर्वक अपने प्रेम संबंध को बनाए रखती हैं। आप स्वयं अपने हाथ से अपने पति से छिपा कर प्रेमी को घर से बाहर उदारता पूर्वक उपहार स्वरूप आभूषण एवं वस्त्रादि प्रदान करती हैं।

आप चाहती हैं कि आपका साझीदार अन्य की अपेक्षा सुंदर और आकर्षक हो। परंतु आप दूसरी ओर विपरीत योनि के लिए सौम्यता पूर्ण ढंग से अति संवेदनशील रह कर अहंकार पूर्ण व्यवहार करती हैं। आप गुप्त रूप से प्रेम संबंध के लिए विशेष सोच-विचार बिना किए अवसर प्राप्त करती हैं। परंतु निश्चयपूर्वक इसे गुप्त रखती हैं।

परंतु आप में दो मुख्य विशेषताएं विद्यमान हैं। प्रथम तो यह है कि आप में कुछ करने की दृढ़ इच्छा शक्ति प्रबल रहती है। अन्य आप किसी भी विषय पर गंभीरता पूर्वक सोच समझकर ही उसे कार्यरूप देती हैं। जब-जब जिस-जिस विषय पर आप कार्यारंभ करती हैं। उस योजना को पूर्ण रूपेण संतुलित करके ही मात्र उसी विषय का गद्यात्मक अध्ययन कर संकल्पित हो कर कार्य रूप में व्यवहृत करते हैं। आप कभी भी अंधात्मक छलांग नही लगाती। आप निःसंदेह होकर, अपने कार्य के लिए (मधुर) अनुकूल समय निकाल कर कार्यरंभ करती हैं।

जब एक बार अपने मन से कार्य हेतु निश्चय कर लेती हैं। पुनः अपनी योजना की सफलता के लिए कोई भी प्रयास करने में नहीं हिचकतीं।

प्रत्येक क्षण आपके मन में स्थायी रूप से यह विषय प्रमुखता से स्थिर रहता है। कि किस प्रकार धन प्राप्त एवं संचित किया जाए। आपके जीवन में धन और बहुत धन प्राप्ति का लक्ष्य प्रमुख है। तत्पश्चात् आप धन का बिना दुरुपयोग किए मात्र संचित करने के लिए चिंतित रहती हैं कि किस यत्न से धन का दुरूपयोग किसी भी विंदु पर या स्थिति में न हो तथा धन राशि अक्षुणण रहे। आपके समक्ष इस बात की प्रमुखता रहती है कि आप अपने अधीन या सपंर्क में रहने वालों को अपने से निकटता एवं सहानुभूति बनाए रखती हैं।

आप शारीरिक रूप से संतुलित एवं सामान्य शक्ति संपन्न, गोल मोल आकृति, चौड़ा कंधा, मोटी गर्दन एवं चमकीली आखों से युक्त सुंदर स्वरूपवान हैं। आप भौज्य प्रिय, चाटुकार (पेटू) और मसालेदार भोजन करने वाली प्राणी हैं। आपके लिए अधिक भोजन के पश्चात् शारीरिक समस्याएं उत्पन्न हो जाना स्वाभाविक है। आपको अति रक्त संचार, कब्जियत, नेत्र रोग, नस संबंधी गडबड़ी तथा मस्तिष्क ज्वर से पीड़ित रहने की आशंका है। अतः आपके लिए सदैव नियंत्रित एवं संतुलित आहार ग्रहण करना ही अति अनुकूल है।

इसके अतिरिक्त आपके लिए अत्यावश्यक है कि आप छोटी-मोटी दुर्घटनाओं के प्रति सचेत रहें क्योंकि आपके लिए यह संभव है कि आपको किसी छोटी भी दुर्घटनाओं का शिकार होना पड़े। आप अत्यंत ही सुविख्यात प्राणी है, अस्तु आपसे बहुत अधिक मित्र वर्ग संबंधित रहेंगे। आपके लिए आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय संगीत, गायन, वादन नृत्य कलाकारिता संबंधी कार्य प्रतिरक्षा-विभाग या पुलिस विभाग की सेवा कार्य अनुकूल हो सकता है। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए संवेदनशील अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल है। अंक 7 एवं 9 अंक आपके लिए प्रभावक एवं आकर्षक अंक हैं तथा यह भी स्पष्ट है कि आपके लिए अंक 5 का व्यवहार अनुपयुक्त है।

आपके लिए अति आरामदायक एवं अनुकूल रंग हरा, गुलाबी, एवं श्वेत वस्त्र हैं। आपके लिए लाल रंग का व्यवहार सर्वथा उत्तेजक एवं अनिवार्य रूप से त्यागनीय है।

नक्षत्रफल

Vikrant

आप पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में उत्पन्न हुए हैं अतः आपकी जन्मराशि धनु तथा राशिस्वामी वृहस्पति होगा। नक्षत्रानुसार आपका गण मनुष्य, वर्ण क्षत्रिय, नाड़ी मध्य, योनि वानर तथा वर्ग श्वान होगा। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ "ढ" या "ढा" अक्षर से प्रारम्भ होगा।

आप अपने जीवन में सुख साधनों से युक्त रहकर प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगे तथा विविध प्रकार से सुसम्पन्न रहेंगे। समाज में दूसरे लोगों के साथ में आपका अत्यन्त ही शिष्ट तथा मधुरतापूर्ण व्यवहार रहेगा अतः सभी लोग आपसे प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे। आपकी वाणी भी मधुर तथा प्रिय रहेगी तथा अपने संभाषण में इसका उपयोग करके अन्य लोगों को सन्तुष्ट करने में सफल रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सम्मान तथा आदर की प्राप्ति करेंगे। आपका चरित्र उत्तम तथा प्रशंसनीय रहेगा तथा सभी लोग आपके सच्चरित्रता की प्रशंसा करेंगे एवं उसका अनुकरण करने के लिए भी प्रेरित होंगे। साथ ही विभिन्न प्रकार की सम्पत्ति तथा वैभव से आप युक्त रहेंगे एवं उसका सुखपूर्वक उपभोग करेंगे। इसके अतिरिक्त आप जल पीने की इच्छा भी बार बार प्रकट करेंगे।

भूयो भूयस्तोयपानानुरक्तो भोक्ता चत्रचद्वाग्विलासः सुशीलः।
नूनं सम्पज्जायते तस्य गाढा पूर्वाषाढा जन्मभं यस्य पुंसः।।
जातकाभरणम्

आपकी पत्नी आपके लिए अत्यन्त शुभदायी तथा आनन्द प्रदान करने वाली होगी अतः आपका सांसारिक जीवन अत्यन्त ही सुखदायक रहेगा। आप समाज के सभी वर्गों में समान रूप से लोकप्रिय रहेंगे तथा इनसे पूर्ण आदर तथा सम्मान को अर्जित करेंगे। आप सदैव अन्य जनों से स्थिर मित्रता करने के लिए उत्सुक रहेंगे अतः आपके मित्रों की संख्या अल्प रहेगी परन्तु वे सभी गुणवान तथा बुद्धिमान होंगे तथा आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगे। इसके साथ ही आपके पास स्थिर वैभव तथा ऐश्वर्य भी रहेगा जिसका आप जीवन में खुशी से उपभोग करेंगे।

इष्टानन्दकलत्रो मानी दृढ़सौहृदश्च जलदैवे।
बृहज्जातकम्

आप अन्य जनों के परोपकार करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आप स्वजनों तथा बन्धुओं की सहायता तो करेंगे ही साथ ही अनजान लोगों की सहायता तथा मदद करने के लिए भी हमेशा तैयार रहेंगे इससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बनी रहेगी। आप एक भाग्यवान पुरूष होंगे तथा आपके जीवन के कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प परिश्रम से ही भाग्यबल से सिद्ध होंगे। आपकी तीव्र बुद्धि रहेगी तथा विभिन्न प्रकार के शास्त्रों का आपको अच्छा ज्ञान रहेगा साथ ही विविध प्रकार के कार्यों को सम्पन्न

करने की प्रतिभा भी आपमें विद्यमान रहेगी।

दृष्टमात्रोपकारी च भाग्यवांश्च जनप्रियः।
पूर्वाषाढ़ाभवो नूनं सकलार्थ विचक्षणः।।
मानसागरी

आप एक सदाचारी तथा सुशील व्यक्ति होंगे तथा समाज में आप एक अनुकरणनीय व्यक्ति रहेंगे। आपकी विद्वता तथा सज्जनता से सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे तथा आपको हार्दिक सम्मान प्रदान करेंगे। आपके स्वभाव में चंचलता का अभाव रहेगा तथा विषम से विषम परिस्थितियों में भी आप धैर्य नहीं खोएंगे तथा सोच समझकर शान्तिपूर्वक उस समस्या का समाधान करने में समर्थ रहेंगे।

पूर्वाषाढ़भवो विकारचरितो मानी सुखी शान्त धीः।।
जातकपरिजातः

Punita

आप उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में उत्पन्न हुई हैं। अतः आपकी जन्म राशि मीन तथा राशि स्वामी वृहस्पति होगा। नक्षत्र के अनुसार आपकी योनि गो, गण मनुष्य, वर्ण विप्र, वर्ग सर्प तथा नाड़ी मध्य होगी। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ "थ" या "था" अक्षर से होगा।

आप अपने परिवार में एक आदरणीय तथा सम्माननीय महिला होंगी एवं सभी आपको श्रेष्ठ तथा पूजनीय समझेंगे। आप मध्यम कद की सुन्दर एवं आकर्षक महिला होंगी आप हमेशा सत्कार्यों को करने के लिए रूचिशील रहेंगी तथा आजीवन इनको सम्पन्न करने में तत्पर भी रहेंगी। साथ ही आपके सत्कार्यों से अन्य लोगों को भी लाभ पहुँचेगा। अतः सभी लोग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं आपको यथोचित आदर सम्मान प्रदान करेंगे। धनैश्वर्य से सम्पन्न महिला के रूप में भी आप प्रसिद्ध रहेंगी। साथ ही यदा कदा आप अभिमानी प्रवृति का भी प्रदर्शन करेंगी। लेकिन समाज में आप पूर्ण यशस्वी तथा कीर्तिशाली महिला के रूप में जानी जाएंगी।

कुलस्य मध्येऽधिकभूषणं च नात्युच्चदेहः शुभकर्मकर्ता।
यस्तोत्तराभाद्रपदा च जन्यां धन्यो भवेन्मानधनो वदान्यः।।
जातकाभरणम्

आप में सत्वगुणों की प्रधानता रहेगी तथा जीवन में आप हमेशा इसके अनुपालन में तत्पर रहेंगी। आपके अर्न्तमन में त्याग का भाव भी विद्यमान रहेगा एवं अवसरानुकूल आप अपनी इस प्रवृति का परिवार तथा सामाजिक जनों के मध्य प्रदर्शन तथा पालन करती रहेंगी। आप एक धनाढ्य महिला होंगी तथा शास्त्रादि के ज्ञानार्जन में भी आप रूचिशील रहेंगी। साथ ही एक श्रेष्ठ विदुषी के रूप में भी आप की समाज में प्रतिष्ठा रहेगी।

चाहिर्बुध्न्यजमानवो मृदुगुणस्त्यागी धनी पंडितः।

जातक परिजातः

भाषण देने की कला में आप सर्वदा निपुण रहेंगी तथा अपने ओजस्वी भाषणों के द्वारा समाज के सभी वर्गों के लोगों में लोकप्रियता अर्जित करेंगी एवं वे सभी लोग आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे। जीवन में भौतिक सुख संसाधनों से आप सुसम्पन्न रहेंगी एवं आनन्दपूर्वक इनका उपभोग करेंगी। आपका परिवार भी विशाल रहेगा एवं जीवन में पुत्र पौत्रादि से युक्त रहेंगी। आपके शत्रु आपसे सर्वदा भयभीत एवं पराजित रहेंगे एवं इसके साथ ही धर्म में भी आप रूचिशील रहेंगी एवं जीवन में नियमित रूप से धार्मिक आचरण को सम्पन्न करेंगी।

वक्ता सुखी प्रजावान जितशत्रुधार्मिको द्वितीयासु।
बृहज्जातकम्

आप समाज में गौरव अर्जित करने में सफल रहेंगी तथा अपने सत्कार्यों एवं सद्गुणों के कारण सम्माननीया रहेंगी। धर्म के विषय में भी आपको अच्छा ज्ञान रहेगा। साथ ही आप एक साहसी महिला होंगी तथा साहसिक तथा शौर्योचित कार्यों को करने के लिए हमेशा उत्सुक तथा तत्पर रहेंगी। साथ ही अपने कई सांसारिक कार्यों को आप अपने साहस से ही सम्पन्न करने में सफलता प्राप्त करेंगी।

गौरः ससत्वो धर्मज्ञः शत्रुघाती परामरः।
उत्तराभाद्रपदजो नरः साहिसको भवेत।।
मानसागरी

राशिफल

Vikrant

धनुराशि में जन्म लेने के कारण आपका गला तथा मुखभाग दीर्घाकृति से युक्त रहेगा तथा दाँत, ओंठ एवं दान्तों में भी स्थूलता रहेगी। आपकी भुजाएं भी माँसल तथा स्थूलता को प्राप्त होगी। पिता से प्राप्त धन से आप सुसम्पन्न रहेंगे तथा जीवन में प्रसन्नतापूर्वक उसका उपभोग करेंगे। आपके हृदय में दानशीलता की प्रवृति भी विद्यमान रहेगी तथा जीवन में यथाशक्ति आप अपनी इस प्रवृति का पालन करते रहेंगे। लेखन कार्य में भी आपकी पूर्ण रूप से रूचि रहेगी तथा इस क्षेत्र में आप कविता सृजन में ख्याति तथा सफलता अर्जित करने में सफल हो सकेंगे। आपका शरीर बलशाली रहेगा साथ ही आप एक उच्चकोटि के भी वक्ता होंगे तथा अपने वक्तव्यों के द्वारा समाज के सभी लोगों को प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे तथा वे भी आपको हार्दिक सम्मान प्रदान करेंगे। आपका स्वभाव गम्भीरता से युक्त रहेगा तथा धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा भाव विद्यमान रहेगा एवं धर्म के विषय में आप विस्तृत ज्ञान रखेंगे। भाइयों से आपके सम्बन्ध सामान्य ही रहेंगे तथा आपसे प्रेम तथा समानता के व्यवहार से ही कोई कार्य सम्पन्न करवाया जा सकेगा तथा आपको वश में रखा जा सकेगा इसके विपरीत बलपूर्वक आप किसी की भी नहीं सुनेंगे चाहे वह कोई भी महत्वपूर्ण कार्य क्यों न हो।

व्यादीर्घस्यशिरोधरः पितृधनस्त्यागी कविर्वीर्यवान्।
वक्ता स्थूलदरश्चवाधरनसः कर्मोद्यतः शिल्पवित्।।
कुब्जांसः कुनखी समांसलभुजः प्रागल्भ्यवान धर्मविद।
बन्धुद्विट् न बलात्समेति च वशं साम्नैकसाध्योळश्वजः।।
वृहज्जातकम्

आपकी आँखें गोल तथा देखने में सुन्दर होंगी तथा हाथ एवं कन्धे भी दीर्घ होंगे। आयु के साथ आपकी कमर में झुकाव भी आ सकता है। जल के किनारे निवास करना या भ्रमणादि करने के लिए आप अत्यन्त ही रूचिशील रहेंगे तथा ऐसे अवसरों को प्राप्त करने में भी आप तत्पर रहेंगे। आपकी हडिडयाँ भी पुष्टता को प्राप्त रहेंगी तथा आप हृदय से प्रायः प्रसन्नता की ही अनुभूति करेंगे आप कृतज्ञता के गुण से युक्त रहेंगे तथा समाज में अन्यजनों के द्वारा उपकृत होने पर पूर्ण रूप से उनके प्रति आभार प्रकट करेंगे एवं उसके उपकार को भी स्वीकार करेंगे।

कुब्जाङ्गो वृतनेत्रः पृथुहृदयकटिः पीनबाहु प्रवक्ता।
दीर्घासो दीर्घकण्ठो जलतटवसतिः शिल्पविद् गूढगुह्यः।।
शूरोदृष्टोळस्थिसारो विततबहुबलः स्थूलकण्ठोष्ठघोणो।।
बन्धुस्नेही कृतज्ञो धनुषिशशिधरे संहतांघ्रि प्रगल्भः।।
सारावली

आप एक परिश्रमी पुरूष होंगे तथा नित्य अपने किसी न किसी कार्य में तत्पर

रहेंगे निष्क्रिय होकर बैठना आपको अच्छा नहीं लगेगा। बोलने में आप अत्यन्त ही दक्ष रहेंगे तथा अपने वाक्चातुर्य से ही अधिकाँश महत्वपूर्ण कार्यों को सिद्ध करने में सफल रहेंगे। साथ ही त्याग की भावना का भी समावेश आप में विद्यमान रहेगा तथा समय समय पर अपनी इस भावना का प्रदर्शन समाज में अन्यजनों के लिए करते रहेंगे। आपका शारीरिक कद मध्यम रहेगा। आप एक साहसी एवं बहादुर पुरूष होंगे तथा साहसपूर्वक अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे इसके अतिरिक्त आप उच्चाधिकारी वर्ग तथा धनाढ्य लोगों के मध्य प्रिय एवं आदरणीय रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सहयोग तथा सम्मान को अर्जित करेंगे।

दीर्घास्यकण्ठः पृथुकर्णनासः कर्मोद्यतः कुब्जतनुनृपेष्टः।
प्रागल्भ्यवाक्त्यागयुतोऽरिहन्ता साम्नैकसाध्योऽश्विभवो बलाढ्यः।।
फलदीपिका

आप विभिन्न प्रकार की कलाओं के ज्ञाता होंगे तथा आपका चरित्र अत्यन्त ही निर्मलता को प्राप्त रहेगा साथ ही आपकी प्रवृति स्पष्ट एवं प्रत्यक्ष रूप से कहने की रहेगी। अपनी बातों को आप अन्यजनों के समक्ष स्पष्ट रूप से कह देंगे। अतः लोग आपकी स्पष्टवादिता से भी प्रभावित रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप खर्च अत्यन्त ही सोच समझकर अपनी आय को मध्य रखते हुए सम्पन्न करेंगे।

बहुकलाकुशलः प्रबलो महाविमलताकलितः सरलोक्तिभाक्।
शशधरे तु धनुर्धरगे नरो धनकरो न करोति बहुव्ययम्।।
जातकाभरणम्

आपकी समस्त शरीर के अंग सुन्दर एवं पुष्ट रहेंगे तथा परिवार या पारिवारिक जन आपको उचित स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही चित्रकारी या इंजीनियरिंग आदि क्षेत्र में आप सफल हो सकेंगे तथा इस क्षेत्र में यथोचित सम्मान तथा ख्याति भी अर्जित कर सकेंगे।

सौम्याङ्गो रूचिरेक्षणः कुलवरः शिल्पी धनुस्थे विधौ।।
जातक परिजातः

आप नैसर्गिक रूप से निर्भय रहेंगे तथा सत्य के प्रति आपके मन में पूर्ण निष्ठा रहेगी अतः जीवन में इसके अनुपालन में पूर्ण रूपेण तत्पर रहेंगे। आपकी स्थिर कार्यों को करने के प्रति रूचि रहेगी एवं अन्य जनों के साथ आप स्थिर मित्रता करना ही अधिक श्रेयस्कर समझेंगे। अतः आपके मित्र अल्प संख्या में होंगे परन्तु वे सभी योग्य एवं बुद्धिमान होंगे। आपकी पत्नी भी गुणवती तथा बुद्धिमती रहेगी जिससे आपका गृहस्थसुख आनन्दमय होगा। आपके शरीर में स्थूलता भी विद्यमान रहेगी। आपके किसी भी कार्य से कभी कभी परिवार तथा अन्य को परेशानी या कष्ट की अनुभूति भी करनी पड़ेगी।

शूरः सत्यधियायुक्तः सात्विको जननन्दनः।
शिल्पविज्ञान सम्पन्नो धनाढ्यो दिव्यभार्यकः।।
मानसागरी

आप समस्त सद्गुणों से युक्त होकर समाज में एक आदरणीय तथा लोकप्रिय व्यक्ति रहेंगे तथा अपने अन्य भाइयों में श्रेष्ठ रहेंगे इसके अतिरिक्त देवता, ब्राहमण तथा गुरूजनों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा तथा सेवा का भाव विद्यमान रहेगा जिसका समय समय पर अनुपालन करते रहेंगे परन्तु आप में सहिष्णुता की अल्पता रहेगी फलतः कई बार अनावश्यक समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

धनुरिवगुणयुक्तः कीर्तिवाक् पूजनीयः।
कुलपतिरूपचेता बन्धुर्वर्गैक पात्रः।।
बहुजन धनयुक्तो देवविप्रर्षि सेवी।
मृदुगतिरसहिष्णुः कार्मुको यस्य राशिः।।
जातक दीपिका

आपके लिए श्रावण मास तृतीया अष्टमी तथा त्रयोदशी तिथियाँ भरणीनक्षत्र, वज्रयोग, तैतिलकरण शुक्रवार प्रथम प्रहर तथा मीनराशिस्थ चन्द्रमा हमेशा अशुभ फलदायक रहेगा अतः आप 15 जुलाई से 14 अगस्त के मध्य 3,8,13 तिथियाँ भरणी नक्षत्र वज्र योग तथा तैतिलकरण में कोई भी शुभ कार्य, व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण या क्रय विक्रय आदि अन्य शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही अधिक होगी।इसके साथ ही इन दिनों तथा समय में शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति भी सावधान रहना चाहिए

यदि आपके लिऐ समय अशुभ चल रहा हो मानसिक परेशानी, शारीरिक व्याकुलता नौकरी या पदोन्नति मैं असफलता अथवा अन्य शुभ एवं महत्व पूर्ण कार्यों में निरन्तर बाधाऐं उत्पन्न हो रही हों तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट देव हनुमान जी की श्रद्धा पूर्वक आराधना करनी चाहि एवं मंगलवार तथा वृहस्पतिवार को उपवास करने चाहिए। साथ ही सोना, पुखराज, पीतवस्त्र, पीतचन्दन, चने की दाल, हल्दी आदि पदार्थो का श्रद्धा पूर्वक किसी सुयोग्य पात्र को दान कर देना चाहिए। इसके अतिरिक्त वृहस्पति के तान्त्रीय मंत्र के किसी योग्य विद्वान के द्वारा कम से 16000 जप सम्पन्न करवाने चाहिए। ऐसा करने से आपको शान्ति प्राप्त होगी तथा अधिकांश रूके हुऐ कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी। साथ ही अन्यत्र लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे।

ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रों सः वृस्पतये नमः।
मंत्र- ऊँ ऐं क्लीं वृहस्पतये नमः।

Punita

मीन राशि में उत्पन्न होने के कारण आप सौन्दर्य युक्त आकर्षक महिला होंगी। आपका ललाट विशाल तथा नाक ऊंची रहेगी। आपकी आंखे अत्यन्त ही सुन्दर एवं आकर्षक रहेंगी। साथ ही आपके शरीर के सभी अंग पुष्ट, सुडौल एवं देखने में सुन्दर तथा आकर्षक रहेंगे। आपकी कमर भी पतली होगी। शिल्प विद्या में आप निपुण रहेंगी एवं इससे आपको उचित मान सम्मान सफलता तथा ख्याति अर्जित हो सकेंगी। आपके दुश्मन हमेशा आपसे भयभीत एवं

पराजित रहेंगे तथा आपका विरोध करने में प्रायः अक्षम ही रहेंगे। विविध प्रकार के शास्त्रों का ज्ञानार्जन करने में आप सफल रहेंगी तथा एक विदुषी के रूप में भी समाज में प्रसिद्ध रहेंगी। संगीत शास्त्र के प्रति भी आपका हार्दिक रूझान रहेगा एवं इसका अच्छा ज्ञान प्राप्त करने के लिए आप हमेशा उत्सुक तथा तत्पर रहेंगी। पुरूष वर्ग में भी आपका पूर्ण प्रभाव रहेगा एवं उनसे आपके आपसी संबंध मित्रतापूर्ण तथा मधुर रहेंगे। आप अन्य लोगों से वार्तालाप के समय मधुर वाणी का उपयोग करेंगी। अतः सभी लोग आपसे प्रसन्न तथा प्रभावित रहेंगे। जीवन में आवश्यक सुख संसाधनों का भी आपके पास अभाव नहीं रहेगा एवं इनसे आप सुसम्पन्न रहेंगे। आप में क्रोध का भाव अल्प मात्रा में रहेगा तथा राजकीय सेवा में भी आपकी नियुक्ति हो सकेंगी। जमीन के अन्दर या खानों से उत्पन्न पदार्थो से आपको विशेष लाभ होगा। आपके पति पूर्ण रूप से आपके वश में दौरान आपकी- कथनानुसार ही अधिकांश कार्यों को सम्पन्न करेंगे। साथ ही आपका स्वभाव भी अच्छा रहेगा। आप समुद्री जहाज या नावादि में यात्रा या सैर करने के लिए उत्सुक रहेंगी एवं इससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। इसके साथ ही आप में दानशीलता का भाव भी रहेगा एवं समय समय पर दीन दुःखियों एवं जरूरत मन्द लोगों को आप दान देती रहेंगी।

शिल्पोत्पन्नाधिकरोळहितजयनिपुणः शास्त्रविच्चारूदेहो।
गेयज्ञो धर्मनिष्ठो बहुयुवतिरतः सौख्यभाक् भूपसेवी।।
ईष्टत्कोपो महत्कः सुखनिधिधनभाक् स्त्रीजितः सत्स्वभावो।
यानासक्तः समुद्रे तिमियुगलगते शीतगौ दानशीलः।।

सारावली

आप समुद्र या जल से उत्पन्न द्रव्यों तथा रत्नों से आजीविकार्जन करेंगी तथा इनसे पर्याप्त मात्रा में आपको लाभ भी होता रहेगा। साथ ही जीवन में आप किसी अन्य व्यक्ति, मित्र या संबंधी की धन सम्पत्ति को प्राप्त करेंगी तथा सुखपूर्वक उसका उपभोग भी करेंगी। आपकी नवीन तथा सुन्दर वस्त्रों के प्रति अत्यन्त ही आसक्ति रहेगी एवं यत्नपूर्वक इस शौक को पूर्ण करेंगी। इसके अतिरिक्त आपका शारीरिक कद मध्यम रहेगा।

जलपरधनभोक्ता दारवासोळनुरक्तः।
समरूचिरशरीरस्तुङ्गनासो बृहत्कः।।
अभिभवति सपत्नान् स्त्रीजितश्चारूदृष्टिः।
द्युतिनिधि धनभोगी पंडितश्चान्त्यराशौ।।

बृहज्जातकम्

आप जल पीने की दिन में कई बार इच्छा करेंगी। साथ ही आपका अपने पति पर पूर्ण विश्वास रहेगा एवं उनसे पूर्ण रूपेण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगी जिससे आपका गृहस्थ जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। आप एक महान विदुषी भी होंगी। अन्य जनों के द्वारा उपकृत होने पर उनका उपकार स्वीकार करेंगी तथा उनके प्रति कृतज्ञता का भाव भी प्रकट करेंगी। आपके इन सद्गुणों से सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे एवं आपको यथोचित सत्कार तथा सम्मान प्रदान करेंगे। इसके साथ ही आप एक भाग्यवान महिला होंगी तथा अपने

अधिकांश महत्वपूर्ण कार्यों को भाग्यबल से ही सम्पन्न करेंगी।

अत्यम्बुपानः समचारूदेहः स्वदारगस्तोयजवित्तभोक्ता।
विद्वान्कृतज्ञो ळमिभवत्यळमित्रान् शुभेक्षणो भाग्ययुतोळन्त्यराशौ।।
फलदीपिका

आप इन्द्रियों पर नियंत्रण करने में सफलता प्राप्त करेंगी तथा हमेशा संयमशील जीवन व्यतीत करेंगी। साथ ही आप में सत्वगुणों की भी प्रधानता रहेगी एवं यत्नपूर्वक इन गुणों का आप अनुपालन करती रहेंगी। आप चतुर तथा बुद्धिमता से युक्त रहेंगी एवं अपने अधिकांश कार्यों को चतुराई से सम्पन्न करेंगी। जल क्रीड़ा करने में आप की तीव्र रूचि रहेगी एवं इसको सम्पन्न करते समय आप अत्यन्त ही आनन्दानुभूति की प्राप्त करेंगी। आप की बुद्धि में निर्मलता रहेगी तथा किसी भी प्रकार के छल अथवा कपट का इसमें अभाव रहेगा।

शशिनि मीनगते विजितेन्द्रियो बहुगुणः कुशलो जललालसः।
विमलधीः किल शस्त्रकलादरस्त्व बलताबलताकलितो नरः।।
जातकाभरणम्

आपका अधिकांश समय आजीविकार्जन में ही व्यतीत होगा। साथ ही यदा कदा आपके आय स्रोतों में भी व्यवधान आएगा फलतः आपको कभी कभी आर्थिक कष्ट की अनुभूति करनी पड़ेगी। शारीरिक कान्ति से आप सुशोभित रहेंगी तथा इससे आपके सौन्दर्य तथा व्यक्तित्व में नित्य निखार आता रहेगा। आपको पिता से भी धन सम्पत्ति की प्रप्ति होगी तथा जीवन में आप इसका उपभोग करने में सफल रहेंगी। साहस का आप में अभाव नहीं होगा एवं नित्य साहसिक कार्यों को करने के लिए उद्यत रहेंगी। इसके साथ ही आप सन्तोषी स्वभाव की भी होंगी एवं जो कुछ भी उपलब्ध हो उसी में सन्तोष तथा प्रसन्नता प्राप्त करेंगी।

जलचरधनभोक्ता मोहयुक्तोळप्रशस्तः।
उदरभरणदेहस्तुङ्गमांसो डध्यः।।
अभिलषति सपत्नी स्त्रीजितश्च चारूकान्तिः।
पितृधनजनभोगी पीडितो मीनराशिः।
तुष्टः साहसी क्रोधयुक्तः मीनराशिर्मनुष्यः।।
जातकदीपिका

आप गम्भीर प्रवृति की महिला होंगी तथा शौर्योदि गुणों से नित्य सुसम्पन्न रहेंगी। समाज के सभी वर्गों में आप पूर्ण सम्माननीया श्रद्धेया एवं प्रतिष्ठित समझी जाएंगी एवं सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आप में कृपणता का भाव भी विद्यमान रहेगा इससे अन्य लोगों को कई बार आपसे असुविधा होगी। अपने कुल या परिवार में आप श्रेष्ठ रहेंगी तथा सभी परिवारिक जन आपको यथोचित स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे। आप शीघ्र गति से गमन करेंगी तथा आप का आचरण अत्यन्त ही श्रेष्ठ रहेगा जो अन्य लोगों के लिए अनुकरणनीय रहेगा। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग की आप हमेशा प्रिय रहेंगी एवं उनसे पूर्ण सहयोग तथा स्नेह प्राप्त करती रहेंगी। साथ ही सेवा कार्यों को करने में भी नित्य प्रवृत रहेंगी।

गम्भीरचेष्टितः शूरः पटुवाक्यो नरोत्तमः।
कोपनः कृपणो ज्ञानी गुणश्रेष्ठः कुल प्रियः।।
नित्यसेवी शीघ्रगामी गाधंर्वकुशलः शुभः।।
मीन राशौ समुत्पन्नौ जायते बन्धुवत्सलः।।
मानसागरी

इस प्रकार आप अत्यन्त ही आकर्षक सौन्दर्य तथा व्यक्तित्व की महिला होंगी एवं विविध प्रकार के शास्त्रों का अच्छा ज्ञान होने के कारण विदुषी के रूप में भी ख्याति प्राप्त करेंगी। साथ ही समाज में अन्य लोगों से भी आपके मित्रतापूर्ण मधुर संबंध स्थापित रहेंगे।

मीनस्थे मृगलाञ्छने वरतनुर्विद्वान बहुस्त्रीपतिः।।
जातक परिजातः

आपके लिए फाल्गुन मास, पंचमी, दशमी, पूर्णमासी तिथियां, आश्लेषा नक्षत्र, वज्रयोग, विष्टिकरा, शुक्रवार, चतुर्थ प्रहर तथा कुम्भ राशिस्थ चन्द्रमा सदैव अशुभ फलदायक रहेंगे। अतः आप 15 फरवरी से 14 मार्च के मध्य 5,10,15 तिथियों, आश्लेषा नक्षत्र, वज्रयोग तथा विष्टि करण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रय विक्रयादि अन्य शुभ कार्यों को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही शुक्रवार, चतुर्थ प्रहर तथा कुम्भ राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित ही रखें। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा के प्रति भी सावधान रहना चाहिए।

यदि आपके लिए समय ठीक नहीं चल रहा हो मानसिक तथा शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति में असफलता तथा अन्य शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो रहे हो तो ऐसे समय में आपको अपनी इष्ट देवी जगदम्बा माता की श्रद्धापूर्वक पूजा करनी चाहिए तथा वृहस्पतिवार के नियमित रूप से उपवास रखने चाहिए। साथ ही सोना, पीत वस्त्र, पीत पुखराज पीत चन्दन, हल्दी, चने की दाल आदि द्रव्यों का श्रद्धापूर्वक किसी सुपात्र को दान देना चाहिए। इसके अतिरिक्त वृहस्पति के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 16000 जप किसी योग्य विद्वान से सम्पन्न करवाने चाहिए। इससे आपकी चिन्ताएं तथा व्याकुलता दूर होगी तथा लाभमार्ग भी प्रशस्त होंगे।

ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रों सः वृस्पतये नमः।
मंत्र- ऊँ ऐं क्लीं वृहस्पतये नमः।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

पाया विचार

Vikrant

आपका जन्म स्वर्ण पाद में हुआ हैं। यद्यपि स्वर्ण पाद में उत्पन्न होने से जातक को कई प्रकार से दुःख एवं कष्ट प्राप्त होते हैं। उसका शारीरिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता तथा धनाभाव हमेशा रहता हैं। साथ ही जातक जीवन में सुखसंसाधनो से भी हीन रहता हैं। सांसारिक कार्यों में उसे अल्प मात्रा में ही सफलता अर्जित होती हैं। इसके अतिरिक्त जीवन के हर क्षेत्र में अत्याधिक परिश्रम के द्वारा उसे अल्प सफलता प्राप्त होती हैं। चूंकि आपका चन्द्रमा जन्म कुण्डली में अपनी शुभ राशि में स्थित हैं। अतः आपके लिए यह स्वर्ण पाद विशेष अशुभ नहीं रहेगा। अपितु आपके लिए अधिकांश रूप से शुभ ही रहेगा। अतः आपका शारीरिक स्वरूप देखने में सुन्दर तथा आकर्षक रहेगा। आप उदार स्वभाव के व्यक्ति होंगे तथा सभी लोगों के प्रति आपके मन में दयाभाव रहेगा। जीवन में समस्त प्रकार के सुख तथा धन सम्पत्ति से आप सुसम्पन्न रहेंगे तथा सुखपूर्वक इनका उपभोग करेंगे। साथ ही विभिन्न प्रकार के ऐश्वर्य तथा वैभव से भी आप युक्त रहेंगे। आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा शारीरिक बल से आप पूर्ण रूपेण सुसम्पन्न रहेंगे। आप निर्भयता पूर्वक अपना सांसारिक जीवन व्यतीत करेंगे तथा किसी भी प्रकार का भय आपके हृदय में नहीं रहेगा। आप में चतुराई तथा बुद्धिमता का भाव भी रहेगा एवं आपके अधिकांश सांसारिक कार्य इसी तरह से सम्पन्न होंगे। इसके अतिरिक्त आप विविध प्रकार के सद्गुणों से भी सुशोभित रहेंगे।

Punita

आप स्वर्ण पाद में पैदा हुई हैं। स्वर्ण पाद में पैदा होने के कारण जातक कई प्रकार से जीवन में दुःख एवं कष्ट प्राप्त करता है तथा इसमें उसका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहता एवं धनाभाव से भी नित्य दुःखी रहता है। साथ ही जीवन में उसे सुखसंसाधनों की भी अल्पता रहती है। जिससे उसके मन में नित्य तनाव व्याप्त रहता है। साथ ही प्रत्येक क्षेत्र में उसे अत्याधिक परिश्रम के द्वारा ही सफलता अर्जित हो सकती है। परन्तु आपकी जन्म कुण्डली में चन्द्रमा शुभ वर्ग में स्थित है। अतः इससे आपको अशुभ फल अल्प तथा शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे।

अतः आप जीवन में सम्पूर्ण सुखसंसाधनों से युक्त रहेंगी तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगी। साथ ही धन ऐश्वर्य एवं नौकर चाकरों से भी आप सम्पन्न रहेंगी। आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा एक धनवान महिला के रूप में समाज में ख्याति अर्जित करेंगी। सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगे। आप विभिन्न प्रकार के वाहनादि से भी सुशोभित रहेंगी। आप हमेशा सद्गुणों से सुसम्पन्न रहेंगी। आपके पति तथा पुत्र भी सुन्दर गुणवान एवं सम्मानित रहोंगे। साथ ही सेवक गण भी गुणसम्पन्न होंगे। आपकी आयु दीर्घायु होगी तथा आपके लिए लाभमार्ग हमेशा प्रशस्त रहेंगे। आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा शारीरिक कान्ति भी दर्शनीय रहेगी। इसके अतिरिक्त पुत्रादि सुख को आप प्राप्त करने में भी सौभाग्यशाली रहेंगी।

गण फलादेश

Vikrant

मनुष्य गण में जन्म लेने के कारण आप ब्राहमण तथा देवताओं के प्रति असीम श्रद्धा तथा पूजा का भाव रखने वाले पुरूष होंगे साथ ही आप अन्य कार्यों तथा कलाओं के विषय में भी जानकारी रखने वाले होंगे। आपकी बुद्धि अत्यन्त तीव्र होगी तथा समस्त कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। आपकी शारीरिक कान्ति भी दर्शनीय रहेगी। इसके अतिरिक्त आप अन्य जनों को सुख प्रदान करने वाले भी होंगे।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः।।
जातकाभरणम्

आपका स्वरूप सुन्दर तथा आकर्षक रहेगा तथा अन्तर्मन में दानशीलता का भाव भी विद्यमान रहेगा अतः जीवन में आप सादगीपूर्ण जीवन व्यतीत करना पसन्द करेंगे तथा अनावश्यक भौतिकता या दिखावा आपको पसन्द नहीं आयेगा। साथ ही समाज में आप एक श्रेष्ठ विद्वान के रूप में भी लोकप्रिय तथा ख्यातिप्राप्त होंगे ।

धनीमानी विशालाक्षो लक्ष्यभेदी धनुर्धरः।
गौरः पौरजन ग्राही जायते मानवे गणे।।
मानसागरी

Punita

मनुष्य गण में उत्पन्न होने के कारण आप की ब्राहमण तथा देवताओं के प्रति अत्यन्त ही सेवा तथा श्रद्धा की भावना रहेगी तथा समय हमय पर इनकी सेवा तथा पूजा करने के लिए आप तत्पर रहेंगी। आपके स्वभाव में यदा कदा अभिमानी प्रवृति भी दृष्टिगोचर होगी इससे अन्य लोग आपसे कभी कभी असन्तुष्ट भी रहेंगे। आप दया एवं करूणा के भाव से भी युक्त रहेंगी एवं जीवन में इसका यथा समय अनुपालन भी करती रहेंगी। साथ ही विविध प्रकार के कार्यों तथा कलाओं को सम्पन्न करने में भी आप दक्ष रहेंगी तथा इसी कारण आप अन्य जनों से आदर प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त आप की शारीरिक कान्ति दर्शनीय रहेगी एवं अपने परिवार के अतिरिक्त कई अन्य जनों को भी आपके द्वारा सुख की प्राप्ति होगी।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः।।
जातकाभरणम्

समाज में आप सर्वदा आदरणीय तथा सम्मानीया रहेंगी एवं धन सम्पत्ति से भी युक्त रह कर इसका जीवन में उपभोग करेंगी। आपकी आँखें बड़ी बड़ी होंगी एवं निशाने बाजी की कला में आप दक्ष रहेंगी तथा इसमें विशेष योग्यता तथा ख्याति अर्जित करने में भी

सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त नगर के सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपकी आज्ञानुपालन के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। अतः आप नगर की उच्चाधिकार प्राप्त प्रतिष्ठित महिला रहेंगी।

धनीमानी विशालाक्षो लक्ष्यभेदी धनुर्धरः।
गौरः पौरजन ग्राही जायते मानवे गणे।।
मानसागरी

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

योनी फलादेश

Vikrant

वानर योनि में जन्म होने के कारण आपकी प्रवृति में चंचलता कभी कभी की प्रबलता रहेगी। मीठे पदार्थों के भक्षण में आपकी तीव्र रूचि रहेगी तथा यत्नपूर्वक आप इनकी प्राप्ति के लिए तत्पर रहेंगे। आपकी प्रवृति विवाद प्रिय भी होगी अतः यदाकदा अन्यजनों से आप का विवाद आदि होता रहेगा आप में कपमभावना की भी अधिकता रहेगी। आपकी सन्ततियाँ अत्यन्त ही गुणवान तथा बुद्धिमान उत्पन्न होंगी । इसके अतिरिक्त आप साहसी तथा निर्भय व्यक्ति होंगे तथा अपनी साँसारिक समस्याओं का साहसपूर्वक मुकाबला करके इनका समाधान करेंगे।

चपलो मिष्टभोगी चार्थलुब्धश्च कलिप्रियः।
सकामःसत्प्रजःशूरोनरो वानरयोनिजः।।
मानसागरी

Punita

गो योनि में उत्पन्न होने के कारण आप पुरूषों के मध्य अत्यन्त ही प्रिय तथा आदरणीय रहेंगी एवं सभी लोग आपको हार्दिक सम्मान तथा सहयोग प्रदान करेंगे। आप उत्साह की भावना से हमेशा युक्त रहेंगी एवं अपने अधिकांश कार्यों को उत्साह पूर्वक सम्पन्न करेंगी। इसके साथ ही वाद विवाद में आप अत्यन्त ही दक्ष होंगी जिससे अन्य लोग आपकी इस प्रवृति से अत्यन्त ही प्रभावित रहेंगे। साथ ही आपकी आयु भी मध्यम ही रहेगी।

स्त्रीणां प्रियः सदोत्साही बहुवाक्य विशारदः।
स्वल्पायुश्चनरो जातः गो योनौ न सशंयः।।
मानसागरी

ग्रह फल - सूर्य

Vikrant

नवमभाव में सूर्य होतो जातक साहसी, ज्योतिषी, नेता सदाचारी, तपस्वीयोगी, वाहनसुख, भृत्यसुख एवं पिता के लिए अशुभ होता है।

सिंह राशि में रवि हो तो जातक सत्संगी पुरुषार्थी, योगाभ्यासी, वनविहारी, क्रोधी, गम्भीर, उत्साही, तेजस्वी एवं धैर्यशाली होता है।

आपके जन्म काल में सूर्य नवम भाव में स्थित है अतः आप पिता के स्नेह पात्र होंगे। उनका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं समय समय पर शारीरिक रूप से वे व्याकुलता की अनुभूति करेंगे। जीवन में धन सम्पत्ति से सर्वदा युक्त रहेंगे एवं समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको अपनी ओर से पूर्ण सहयोग तथा सहायता प्रदान करेंगे। इसके साथ ही आपके भाग्योदय संबंधी कार्यों में भी उनकी आपके लिए पूर्ण प्रेरणा तथा सहयोग का भाव रहेगा।

आप भी उनका पूर्ण हार्दिक सम्मान करेंगे एवं उनकी आज्ञा पालन तथा सेवा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर मधुर संबंध रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद उत्पन्न होने के कारण इनमें अल्प मात्रा में तनाव या कटुता का समावेश का आभास होगा जो कुछ समयोपरान्त स्वतः ही समाप्त हो जाएगा। इसके अतिरिक्त आप जीवन में उनकी हार्दिक सहायता करेंगे एवं सुख दुःख में उनको पूर्ण वांछित आर्थिक या अन्य प्रकार से अपना सहयोग प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

Punita

बारहवें भाव में सूर्य हो तो जातक वाम नेत्र तथा मस्तक रोगी ,आलसी, उदासीन, परदेशवासी, मित्र-द्वेषी एवं कृश शरीर होता है।

मेष राशि में रवि हो तो जातक उदार, गम्भीर, शूरवीर, आत्मबली स्वाभिमानी, प्रतापी, चतुर, पित्तविकारी, युद्धप्रिय, साहसी एवं महत्वाकांक्षी होता है।

आपके जन्म समय में सूर्य द्वादश भाव में स्थित है अतः आपके पिता का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं समय समय पर वे शारीरिक रूप से अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। आपके प्रति उनके मन में स्नेह का भाव रहेगा एवं जीवन में हमेशा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपकी सहायता करते रहेंगे। साथ ही उनकी प्रवृति पुण्य एवं दान संबंधी कार्यों को करने की रहेगी अतः आपको भी वे पुण्य कार्यों की ओर प्रेरित करेंगे। साथ ही धन सम्पत्ति से भी वे युक्त रहेंगे।

आपकी भी उनके प्रति पूर्ण आदर की भावना रहेगी एवं उनकी आज्ञा का पालन करने के लिए भी आप तत्पर रहेंगी। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेदों से संबंधों में कटुता या तनाव उत्पन्न होगा परन्तु कुछ समय के बाद स्वतः ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। जीवन में आप उनके सुख दुःख का भी ध्यान रखेंगी एवं समयानुसार उनको पूर्ण सहयोग तथा सहायता भी प्रदान करेंगी एवं अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार से कोई कष्ट

नहीं होने देंगी।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

ग्रह फल - चन्द्र

Vikrant

लग्न (प्रथम) में चन्द्रमा हो तो जातक बलवान्, सुखी, स्थूलशरीर, गान वाद्य प्रिय, ऐश्वर्यशाली, व्यवसायी, उदार, धनी एवं विद्वान होता है।

धनु राशि में चन्द्रमा हो तो जातक वक्त, सुन्दर, शिल्पज्ञ, शत्रुविनाशक उच्च बौद्धिक स्तर वाला, सुखी विवाहित जीवन, विरासत में धन सम्पत्ति पाने वाला, साहित्य के प्रति रुचि का दिखावा करने वाला एवं लेखक होता है।

आपके जन्म काल में चन्द्रमा की स्थिति लग्न में विद्यमान है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य आपके ग्रहों के शुभप्रभाव से अच्छा रहेगा एवं वे लम्बी आयु प्राप्त करेंगी। धन सम्पत्ति की भी उनको प्राप्ति होगी तथा इससे वे प्रायः युक्त ही रहेंगी। आपके प्रति उनका पूर्ण स्नेह भाव रहेगा एवं जीवन में सभी शुभ तथा महत्वपूर्ण कार्यों में वे आपको यथोचित सहयोग तथा सहायता प्रदान करती रहेंगी। आपके परस्पर अच्छे संबंध रहेंगे एवं आपसी मतभेदों की अल्पता रहेगी।

आप भी उनके प्रति हार्दिक सम्मान तथा आदर की भावना रखेंगे तथा उनकी आज्ञा पालन के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। इससे आप लोगों के आपसी विश्वास में वृद्धि होगी जो भविष्य में उन्नति दायक रहेगी। इस प्रकार आप भी जीवन में उनको पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे।

Punita

ग्यारहवें भाव में चन्द्रमा हो तो जातक गुणी, चंचलबुद्धि, सन्तति और सम्पत्ति से युक्त, सुखी, यशस्वी, लोकप्रिय, दीर्घायु, मन्त्रज्ञ, परदेशप्रिय एवं राज्यकार्यदक्ष होता है।

मीन राशि में चन्द्रमा हो तो जातक शिल्पकार, सुदेही, शास्त्रज्ञ, धार्मिक, अतिकामी और प्रसन्न मुख वाला होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा एकादश भाव में स्थित है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा एवं आयु भी लम्बी होगी। आपके प्रति उनके मन में विशेष वात्सल्य का भाव भी विद्यमान रहेगा। जीवन में वे प्रत्येक क्षेत्र में आपका यत्नपूर्वक पूर्ण सहयोग करती रहेंगी। आपके आर्थिक साधनों की अभिवृद्धि में उनका पूर्ण सहयोग रहेगा। साथ ही मातृपक्ष से भी आप पूर्ण आर्थिक लाभ एवं अन्य प्रकार से सुखार्जन करेंगी।

आप की भी माता के प्रति हादिक श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेंगी एवं उनकी आज्ञा पालन के लिए भी आप प्रायः तत्पर रहेंगी। जीवन में आप हर प्रकार से उनकी सहायता एवं सहयोग भी करेंगी तथा अवसरानुकूल उनको आर्थिक सहयोग भी प्रदान करेंगी। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे तथा आपसी मतभेद अत्यन्त ही अल्प मात्रा में रहेंगे।

ग्रह फल – मंगल

Vikrant

ग्यारवें भाव में मंगल हो तो जातक धैर्यवान्, न्यायवान्, प्रवासी, साहसी, लाभ करने वाला, क्रोधी, झगड़ालू, दम्भी एवं कटुभाषी होता है।

तुला राशि में मंगल हो तो जातक प्रवासी, वक्ता, कामी, परधनहारी, उच्चाकांक्षी, लड़ाकू, कृपालु एवं परस्त्रियों की ओर झुकाव होता है।

आपके जन्म समय में मंगल की स्थिति एकादश भाव में है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा परन्तु यदा कदा शारीरिक व्याकुलता की वे अनुभूति करते रहेंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा एवं धन सम्पत्ति से भी वे युक्त रहेंगे एवं जीवन में अवसरानुकूल आपको अपना वांछित सहयोग प्रदान करते रहेंगे। साथ ही आप आय के साधनों की वृद्धि करने में भी उनसे सहायता अजित करेंगे। आप को सुख दुःख में उनसे पूर्ण सहयोग मिलेगा तथा वे आप पर विश्वास करेंगे।

आप भी हृदय से उनके प्रति सम्मान का भाव रखेंगे तथा समयानुसार उनको आथिक तथा अन्य क्षेत्रों में सहायता प्रदान करते रहेंगे। इसके साथ ही उनकी आय की वृद्धि में भी आप वांछित सहयोग देंगी। आपके परस्पर संबंध मधुर ही रहेंगे परन्तु यदा कदा मतभेदों के कारण उनमें तनाव की स्थिति भी उत्पन्न होगी परन्तु यह स्थाई रहेगी एवं कुछ समय के बाद सब कुछ स्वतः ही ठीक हो जाएगा।

Punita

छठेभाव में मंगल हो तो जातक बलवान्, धैर्यशाली, प्रबल जठराग्नि, कुलवन्त, प्रचण्ड शक्ति, शत्रुहन्ता, ऋणी, दादरोगी, क्रोधी, पुलिस अफसर, व्रण और रक्तविकार युक्त एवं अधिकव्यय करने वाला होता है।

तुला राशि में मंगल हो तो जातक प्रवासी, वक्ता, कामी, परधनहारी, उच्चाकांक्षी, लड़ाकू, कृपालु एवं परस्त्रियों की ओर झुकाव होता है।

आपके जन्म समय में मंगल छठे भाव में स्थित है अतः भाई बहिनों की आप प्रिय रहेंगी एवं उनसे सम्मान एवं स्नेह की नित्य आपको प्राप्ति होती रहेगी। उनका स्वास्थ्य भी ठीक ही रहेगा परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप से व्याकुलता की अनुभूति होती रहेगी। धन सम्पत्ति से वे युक्त रहेंगे एवं जीवन में आपको अपनी ओर से आर्थिक तथा अन्य रूप से सहयोग प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। सुख दुःख में वे पूर्ण रूपेण आपके साथ रहेंगे एवं शत्रु वर्ग से आपकी यत्नपूर्वक सुरक्षा करेंगे।

आपका भी उनके प्रति हार्दिक प्रेम रहेगा एवं उनके कल्याण संबंधी कार्यो को करने में तत्पर रहेंगी। आपके आपसी संबंध मधुर होंगे लेकिन यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेदों के कारण अल्प मात्रा में कटुता का भी आभास होगा लेकिन कुछ समय बाद सब कुछ स्वतः ही ठीक हो

जाएगा। इसके साथ ही आप जीवन में उनको पूर्ण आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करके अपनी ओर से किसी भी प्रकार की कष्टानुभूति नहीं होने देंगी।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

ग्रह फल - बुध

Vikrant

नवमभाव में बुध हो तो जातक विद्वान् लेखक, ज्योतिषी, धर्मभीरु, व्यवसाय प्रिय, भाग्यवान्, सम्पादक, गवैया, कवि एवं सदाचारी होता है।

सिंह राशि में बुध हो तो जातक मिथ्याभाषी, कुकर्मी, ठग, कामुक, भ्रमणशील, अभिमानी, वक्ता, कम उम्र में विवाह, आवेशपूर्ण स्वभाव एवं सरकारी नौकर होता है।

Punita

बारहवें भाव में बुध हो तो जातक अल्पभाषी, विद्वान्, आलसी धर्मात्मा, वकील, सुन्दर, वेदान्ती, लेखक, दानी एवं शास्त्रज्ञ होता है।

मेष राशि में बुध हो तो जातक चतुर, प्रेमी, सत्यप्रिय, नट, रतिप्रिय कृशदेही, लेखक, ऋणी, मिलनसार, अविश्वस्त एवं बुरे विचार वाला होता है।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

ग्रह फल – गुरु

Vikrant

द्वितीयभाव में गुरु हो तो जातक मधुरभाषी, सम्पत्ति और सन्ततिवान्, सुन्दरशरीर, सदाचारी, पुण्यात्मा, सुकार्यरत, लोकमान्य, राज्यमान्य, व्यवसायी, दीर्घायु, शत्रुनाशक एवं भाग्यवान् होता है।

मकर राशि में गुरु हो तो जातक प्रवासी, द्रव्यहीन, व्यर्थपरिश्रमी, चंचलचित्त, धूर्त्त, असभ्य आचरण, दुःखी एवं ईर्ष्यालु होता है।

Punita

ग्यारहवें भाव में गुरु हो तो जातक व्यवसायी, धनिक, सन्तोषी, सुन्दरनिरोगी, लाभवान्, पराक्रमी, सद्व्ययी, बहुस्त्रीयुक्त, विद्वान् राजपूज्य एवं अल्पसन्ततिवान् होता है।

मीन राशि में गुरु हो तो जातक लेखक, शास्त्रज्ञ, गर्वहीन, राजमान्य, शान्त, व्यवहार कुशल, दयालु, साहित्य प्रेमी, विरासत में धन सम्पत्ति प्राप्त करने वाला, साहसी एवं उच्चपद पर आसीन होता है।

Vikrant

ग्यारहवें भाव में शुक्र हो तो जातक परोपकारी, लोकप्रिय, जौहरी, विलासी, वाहनसुखी, स्थिरलक्ष्मीवान्, धनवान् गुणज्ञ, कामी एवं पुत्रवान् होता है।

तुला राशि में शुक्र हो तो जातक विलासी, कलानिपुण, प्रवासी, यशस्वी, कार्यदक्ष, कुशाबुद्धि, उदार, दार्शनिक, सुन्दर, सुखी विवाहित जीवन, अभिमानी, बौद्धिक कामों में रुचि, कविता और उपन्यास लिखने में रुचि एवं संतुलित स्वभाव होता है।

Punita

द्वितीयभाव में शुक्र हो तो जातक भाग्यवान्, साहसी, समयज्ञ, मिष्टान्नभोजी, यशस्वी, लोकप्रिय, जौहरी, दीर्घजीवी, कवि, कुटुम्बयुक्त, सुखी एवं धनवान् होता है।

मिथुन राशि में शुक्र हो तो जातक कवि, साहित्यिक, चित्रकला निपुण, साहित्यिक स्रष्टा, प्रेमी, सज्जन, लोकहितैषी धनी, उदार, सम्मानित, कुशाबुद्धि, विद्वान् एवं परस्त्रियों में रुचि रखने वाला होता है।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

Vikrant

चतुर्थभाव में शनि हो तो जातक अपयशी, बलहीन, धूर्त, कपटी, शीघ्रकोपी, कृशदेही, उदासीन,वातपित्तयुक्त एवं भाग्यवान् होता है।

मीन राशि में शनि हो तो जातक अविचारी, शिल्पकार हतोत्साही, धनी, प्रसिद्ध, सुखी एवं दूसरों की सहायता करने वाला होता है।

Punita

बारहवें भाव में शनि हो तो जातक आलसी, दुष्ट, व्यसनी, व्यर्थ व्यय करने वाला, अपस्मार, उन्माद का रोगी, मातुलकष्टदायक, अविश्वासी एवं कटुभाषी होता है।

मेष राशि में शनि हो तो जातक आत्मबलहीन, मूर्ख, आवारा, क्रूर जालफरेव करने वाला, व्यसनी, निर्धन, दुराचारी, कपटी लम्पट एवं कृतघ्न होता है।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

ग्रह फल – राहु

Vikrant

नवम भाव में राहु हो तो जातक प्रवासी, वातरोगी, व्यर्थ परिश्रमी, दुष्टबुद्धि, भाग्योदय से रहित, तीर्थाटनशील एवं धर्मात्मा होता है।

सिंह राशि में राहु हो तो जातक चतुर, विचारक, सज्जन, नीति दक्ष एवं सत्पुरुष होता है।

Punita

तृतीय भाव में राहु हो तो जातक योगाभ्यासी, विद्वान्, व्यवसायी, पराक्रमशून्य, दृढ़विवेकी, अरिष्टनाशक, प्रवासी, दीर्घायु एवं बलवान् होता है।

कर्क राशि में राहु हो तो जातक चतुर, उदार, रोगी, अनेकों शत्रुओं वाला, धोखेबाज, धनहीन एवं पराजि होता है।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

ग्रह फल – केतु

Vikrant

तृतीय भाव में केतु हो तो जातक चंचल, वायुजनित रोगों से पीड़ित, भाई बहन विहीन, धनी, व्यर्थवादी एवं भूतप्रेतभक्त होता है।

कुम्भ राशि में केतु हो तो जातक दुःखी, कर्णरोगी, भ्रमणशील, व्ययशील एवं साधारण धनी होता है।

Punita

नवम भाव में केतु हो तो जातक सुखाभिलाषी, व्यर्थपरिश्रमी अपयशी, दुःखी एवं 48 वर्ष के बाद भाग्योदय होता है।

मकर राशि में केतु हो तो जातक परिश्रमशील, पराक्रमी जन्म स्थान छोड़कर जाने वाला, प्रसिद्ध एवं तेजस्वी होता है।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

स्वास्थ्य, व्यक्तित्व एवं प्रकृति

Vikrant

आपके जन्म समय में लग्न में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। सामान्यतया धनु लग्न में उत्पन्न जातक स्वस्थ एवं बलवान होते हैं यद्यपि इनका स्वभाव शांत होता है तथापि यदा कदा अभिमान के भाव का ये प्रदर्शन करते रहते हैं। ये धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति होते हैं तथा अत्यंत ही बुद्धिमता से अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करके सफलता प्राप्त करते हैं फलतः जीवन में धनैश्वर्य वैभव एवं सुखसंसाधनों को अर्जित करने में समर्थ रहते हैं। आदर्शवाद एवं अध्यात्मिकता के मध्य प्रवृत होकर भौतिक सुखों का उपभोग करते हैं। ये अपने समस्त कार्यों को नियमानुसार करते हैं। अन्य जनों के ये विश्वासपात्र होते है परन्तु स्वयं अन्य जनों पर विश्वास कम ही करते हैं दानशीलता की भावना भी इनमें विद्यमान रहती है तथा समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश अर्जित करने में समर्थ रहते हैं। राजनीति कानून गणित या ज्योतिष शास्त्रादि में इनकी रुचि रहती है तथा परिश्रम पूर्वक इन क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करते हैं। इन्हें हमेशा प्रेम एवं स्नेह की भाव से ही वश में किया जा सकता है अन्य भौतिक प्रलोभनों का इन पर कोई प्रभाव नहीं होता है।

इसके प्रभाव से आप स्वस्थ एवं शक्ति शाली रहेंगे तथा परिश्रम एवं बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करके उनमें सफलता प्राप्त करेंगे। आप अध्ययनशील व्यक्ति होंगे तथा विभिन्न विषयों के ज्ञान अर्जित करने में सफल होंगे। आप एक निश्चित आदर्श को लेकर जीवन में संघर्षशील रहेंगे तथा किसी अन्य के प्रति अनावश्यक द्वेष या ईर्ष्या का भाव नहीं रखेंगे। अतः समाज में आप आदरणीय रहेंगे। शत्रु एवं विरोधी पक्ष से भी आप उदारता का व्यवहार करके उन्हें प्रभावित करेंगे। साथ ही अपनी व्यवहार कुशलता से कार्य क्षेत्र में उन्नति प्राप्त करके सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करेंगे।

लग्न में चन्द्रमा की स्थिति के प्रभाव से आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा स्वरूप भी सुन्दर एवं दर्शनीय होगा। आपकी सम्भाषण शक्ति प्रबल रहेगी तथा अपने ओजस्वी वक्तव्यों से अन्य जनों को प्रभावित करने में समर्थ होंगे। शत्रु या प्रतिद्वन्दियों को पराजित तथा भयभीत करने में आप समर्थ होंगे अतः प्रतियोगी परीक्षा या व्यापारादि में आप इच्छित सफलता प्राप्त करेंगे एवं कार्यक्षेत्र में भी उन्नति के मार्ग प्रशस्त रहेंगे।

आप में सहनशीलता का भाव भी विद्यमान रहेगा तथा कठिन एवं विषम परिस्थितियों में धैर्य एवं सहनशीलता के साथ समय का सामना करेंगे जिससे अंततोगत्वा आपको सफलता प्राप्त होगी साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग के आप प्रिय एवं विश्वसनीय रहेंगे तथा इनसे आपको समय समय पर इच्छित मात्रा में धनार्जन होता रहेगा।

आप में आस्तिकता का भाव विद्यमान होगा फलतः धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा निष्ठापूर्वक धार्मिक कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे तथा तीर्थयात्रा में भी रुचि रहेगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग में आप प्रिय एवं आदरणीय होंगे तथा उनसे आपको इच्छित लाभ एवं सहयोग

मिलता रहेगा। इस प्रकार आप शांत सहनशील बुद्धिमान तथा व्यवहार कुशल व्यक्ति होंगे एवं आनंद पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करने में समर्थ रहेंगे।

Punita

आपके जन्म समय में लग्न में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। सामान्यतया वृष लग्न में उत्पन्न जातक सुदंर उदार तथा सहिष्णु स्वभाव के होते हैं। उनकी वाणी में भी मधुरता का भाव विद्यमान रहता है। साथ ही व्यक्तित्व भी आकर्षक होता है तथा अन्य जनों को प्रभावित करने में वे समर्थ रहते हैं। शारीरिक रूप से उनका स्वास्थ्य अच्छा रहता है तथा मानसिक सन्तुष्टि भी उनकी बनी रहती है। ये अत्याधिक परिश्रमी जातक होते हैं तथा परिश्रम करने की उनकी अपूर्व क्षमता रहती है जिससे जीवन में उन्नति मार्ग प्रशस्त करने तथा सुखैश्वर्य एवं वैभव अर्जित करने में वे प्रायः सफल रहते हैं। शांति एवं सहिष्णुता के साथ इनमें साहस तथा पराक्रम का भाव भी विद्यमान रहता है।

अतः इसके प्रभाव से आपका व्यक्तित्व आकर्षक रहेगा तथा सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। अपने वाक्चातुर्य से शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यों को सिद्ध करने में भी सफल होंगी। आपका शारीरिक कद मध्यम होगा परन्तु स्वरूप सुदंर एवं आकर्षक होगा। आप में सहनशीलता का भाव भी विद्यमान होगा।

आप एक परिश्रमी महिला होंगी तथा अपनी योग्यता एवं परिश्रम से किसी उच्च पद या समाज में प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त करेंगी साथ ही अपने सदगुणों के द्वारा श्रेष्ठ जनों को सन्तुष्ट करने में सफल होंगी। आप एक विदुषी महिला होंगी तथा विभिन्न विषयों कला साहित्य एवं संगीत का आपको उचित ज्ञान रहेगा तथा इस क्षेत्र में प्रसिद्धि भी प्राप्त होगी।

लग्न में लग्नेश शुक्र की राशि के प्रभाव से शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगी तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगी। दानशीलता का भाव भी आप में विद्यमान होगा तथा समय समय पर जरूरतमन्दों को दान देने में तत्पर रहेंगी। आप एक बुद्धिमान महिला होंगी तथा आपके कार्य कलापों पर बुद्धिमता की स्पष्ट छाप होगी।

धर्म के प्रति आप श्रद्धालु होंगी तथा अवसरानुकूल धार्मिक अनुष्ठानों तथा कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगी। धार्मिक क्षेत्र में आप किसी संस्था से सम्बंधित हो सकती हैं या इस क्षेत्र में आपको कोई विशिष्ट सफलता या प्रतिष्ठा प्राप्त हो सकती है।

आप में उदारता तथा सहनशीलता का भाव भी विद्यमान रहेगा तथा अवसरानुकूल आप समाज सेवा के लिए भी उद्यत रहेंगी। आपकी प्रवृति सात्विक होगी तथा विचार भी उत्तम होंगे। साथ ही परोपकार की भावना भी विद्यमान होगी। इसके अतिरिक्त कई शास्त्रों का आपको ज्ञान होगा जिससे आपको सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा प्रसिद्धि प्राप्त होगी।

इस प्रकार आप स्वस्थ सुदंर आकर्षक व्यक्तित्व, विदुषी एवं साहसी महिला होंगी तथा प्रसन्नतापूर्वक आपका जीवन व्यतीत होगा।

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

Vikrant

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आप अन्य जनों से अपना वायदा पूरा नहीं करेंगे तथा अपना अधिकाशं समय अनावश्यक वार्तालाप में ही व्यतीत करेंगे। आप इतनी बातूनी प्रकृति के व्यक्ति होंगे कि अन्य लोग आसानी से आप पर काबू नहीं पा सकते हैं। आपका स्वभाव आधुनिक विचारों से युक्त रहेगा तथा विनम्रता का भाव भी विद्यमान रहेगा। आपकी एक मुख्य विशेषता यह रहेगी कि आप किसी को भी अनावश्यक रूप से अपना मित्र नहीं बनाएंगे तथा अत्यंत ही सोच समझकर ही किसी से मित्रता करेंगे जब आप पूर्ण रूप से सन्तुष्ट हो जाएंगे।

आप आंतरिक मन से पारिवारिक जनों की पूर्ण चिंता करेंगे परन्तु प्रत्यक्ष में उपेक्षा के भाव को ही प्रदर्शित करेंगे। इससे कई बार पारिवारिक जनों के मध्य अनावश्यक मतभेद की भी संभावना रहेगी तथापि उनसे आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग मिलता रहेगा तथा परिवार की खुशहाली के लिए आप सदैव प्रयत्न तथा परिश्रमशील रहेंगे। आप विभिन्न स्वादों के प्रिय रहेंगे तथा अवसरानुकूल इनका आस्वादन करते रहेंगे। वृद्धावस्था में आपको नेत्र संबधी कष्ट की भी संभावना रहेगी। इसके अतिरिक्त नौकरी या अन्य साधनों से आप इच्छित मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही विदेश भम्रण आदि से भी लाभ की संभावना रहेगी। इस प्रकार वैभवशाली जीवन व्यतीत करने में आप समर्थ रहेंगे।

Punita

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आपकी प्रवृति धन संग्रह करने की रहेगी तथा वर्तमान एवं भविष्य के प्रति हमेशा चिन्तित रहेंगी फलतः धन संग्रह सामान्यतया आपके पास रहेगा जिससे आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी। साथ ही आप जायदाद आदि पर पूंजी निवेश करेंगी जिससे प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। आपकी पारिवारिक सुख शान्ति भी उत्तम रहेगी तथा आनन्द पूर्वक पारिवारिक जनों के साथ अपना समय व्यतीत करेंगी। इसके साथ ही उनकी खुशी तथा खुशहाली के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहेंगी तथा पारिवारिक जन भी आपको पूर्ण सहयोग तथा सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे।

सामान्यतया आपको सभी स्वाद प्रिय होंगे परन्तु मिष्ठान के प्रति आपकी विशेष रूचि रहेगी। चूंकि यह भाव वाणी का प्रतिनिधित्व करता है तथा बुध इसका स्वामी है अतः आपकी वाणी मृदु तथा प्रभावशाली रहेगी तथा अन्य जनों को अपनी मृदुवाणी से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगी। साथ ही अपने विचारों को भी कुशलता पूर्वक अभिव्यक्त करेंगी यदि आप यह समझते है कि यह विचार अवसर के अनुकूल नहीं है तो आप उसे शीघ्र ही परिवर्तन करने में कोई विलम्ब नहीं करेंगी। आतिथ्य सत्कार की भावना भी आपके मन में रहेगी। इसके अतिरिक्त पुरूष वर्ग से आपको प्रचुर मात्रा में लाभ होगा तथा वाहन एवं बहुमूल्य धातु या रत्नों की भी

उपलब्धि होगी। साथ ही धार्मिक या सज्जन लोगों से आप सामान्यतया मित्रता की इच्छुक रहेंगी।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन एवं लघुयात्राएं

Vikrant

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आपकी स्मरण शक्ति अच्छी रहेगी तथा किसी भी वस्तु या विषय को आसानी से नहीं भूल पाएंगे। भाई बहिनों से आप युक्त रहेंगे तथा वे बुद्धिमान आदर्श तथा आज्ञाकारी होंगे तथा आपको अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। आर्थिक रूप से भी उनकी स्थिति सुदृढ़ रहेगी एवं सामाजिक मान सम्मान से भी युक्त रहेंगे। साथ ही परस्पर कमियों या गलतियों की आप उपेक्षा करेंगे जिससे परिवार में शान्ति तथा खुशहाली बनी रहेगी तथा सभी परिवार की मर्यादा तथा सम्मान के लिए चिन्तित रहेंगे। मित्र एवं संबंधियों से भी आपके सामान्यतया मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग मिलता रहेगा।

आप एक साहसी तथा पराक्रमी पुरूष होंगे तथा स्वपरिश्रम एवं विद्वता से उपलब्धियां अर्जित करेंगे। साथ ही यदि कोई परेशानी या समस्या उत्पन्न होगी तो दृढ़ता पूर्वक उसका सामना करेंगे। जो आप कहेंगे वहीं करेंगे भी यह आपके व्यक्तित्व की विशेषता रहेगी। आप एक सिद्धांतवादी पुरूष होंगे तथा अपने सिद्धांतों पर दृढ़ रहेंगे चाहे उनका फल कुछ भी हो। साथ ही वाहन, दूरदर्शन या टेलीफोन आदि संचार तथा भौतिक साधनों की भी आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक जीवन में इनका उपभोग करते रहेंगे। संगीत एवं कला आदि के प्रति भी आपके मन में रूचि रहेगी तथा रिक्त समय में इनसे मनोरजंन करेंगे। आप की दूर समीप की यात्राएं होंगी तथा इनसे यथोचित लाभ एवं ख्याति प्राप्त होगी साथ ही अध्ययन में सूचना संबंधी लेखों में आपकी रूचि रहेगी। आप स्वयं भी लेखक या संपादक हो सकते है। इसके अतिरिक्त आपकी मित्रता कीर्तिवान, क्षमाशील, सत्यवक्ता तथा उत्तम शील स्वभाव के व्यक्तियों से होगी। साथ ही जीवन में सुखोपभोग करके आप एक आदर्शवादी पुरूष होंगे।

Punita

आपके जन्म समय में तृतीभ भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चंद्रमा है। अतः इसके प्रभाव से भाई बहिनों के प्रति आप उदार तथा भावुक रहेंगी एवं उनके साथ सहानुभूति का व्यवहार करेंगी। आप उनसे अत्यन्त ही स्नेह भाव रखेंगी तथा उनकी सुख सुविधा के लिए पूर्ण रूप से प्रयत्नशील रहेंगी परन्तु उनसे आपको यथोचित मान सम्मान अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। कभी कभी परिस्थिति के अनुकूल आप अत्यंत ही साहस एवं पराक्रम का प्रदर्शन भी करेंगी। आप एक बुद्धिजीवी महिला होंगी तथा नैतिकता के प्रति पूर्ण सजग रहेंगी। साथ ही समयानुसार अपने विचारों में भी परिवर्तन करती रहेगी। आपकी स्मरण शक्ति भी तीव्र रहेगी तथा ऐतिहासिक घटनाओं को पूर्ण रूप से याद रखेंगी। इसके अतिरिक्त आप में क्रोध के भाव की भी क्षणिकता रहेगी तथा शीघ्र ही शान्त भी हो जाएंगी।

जीवन में आप एक कर्तव्य परायण महिला होंगी तथा यत्नपूर्वक अपनी जिम्मेदारियों को पूर्ण करेंगी। साथ ही नवीन ज्ञान या अन्य विषयों को शीघ्र ही सीखने में समर्थ

रहेंगी। दर्शन शास्त्र या उच्च शिक्षा के प्रति भी आपकी रूचि रहेगी। सामाजिक जनों के प्रति आपका सेवा भाव रहेगा अतः इससे आपको ख्याति तथा सम्मान की प्राप्ति होगी। आप किसी भी उददे्श्य को कार्य रूप में परिवर्तित करने के लिए साहसिक निर्णय लेने में भी समर्थ रहेंगी। अतः यदा कदा आपको समूह का नेतृत्व भी मिल सकता है। साथ ही समाज सेवा या नवीन खोज आदि से भी आप ख्याति अर्जित कर सकती हैं। आधुनिक संचार साधनों की सुख सुविधाएं भी आपको प्राप्त होगी अतः टेलीफोन, दूरर्शन तथा वाहन आदि से युक्त रहेंगी। साथ ही प्रकाशन संपादक या संवाददाता के रूप में भी आप सफल हो सकती हैं। इस प्रकार परिश्रम पूर्वक आप अपने घर एवं परिवार का पालन करेंगी। साथ ही आपकी प्रवृति धार्मिक रहेगी तथा शील स्वभाव भी उत्तम रहेगा।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

शिक्षा, माता, वाहन एवं जायदाद

Vikrant

आपके जन्मसमय में चतुर्थभाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है तथा शनि भी चतुर्थ भाव में ही स्थित है। अतः इसके प्रभाव से जीवन में सांसारिक तथा भौतिक सुखों को आप काफी परिश्रम एवं विलम्ब से प्राप्त करेंगे। आधुनिक सुख-संसाधनों एवं भौतिक उपकरणों की प्राप्ति में भी विलम्ब होगा परंतु आप इनकी प्राप्ति आवश्य करेंगे। समाज में भी यथोचित स्तर बनाए रखने में आपको काफी परिश्रम करना पड़ेगा लेकिन आप एक बुद्धिमान एवं परिश्रमी व्यक्ति है। अतः परिश्रमपूर्वक अपने कार्य कलापों में तत्पर होंगे।

आपके पास न्यूनाधिक मात्रा में चल एवं अचल सम्पत्ति भी होगी। जिसका आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। आपको किसी वृद्ध व्यक्ति से भी न्यूनाधिक मात्रा में चल एवं अचल सम्पत्ति की प्राप्ति हो सकती हैं। स्वपरिश्रम एवं योग्यता से भी आप वांछित धन सम्पत्ति अर्जित करने में समर्थ होंगे परंतु आपको विवादित सम्पत्ति से हमेशा दूर ही रहना चाहिए तथा इससे किसी भी रूप से संबंध नहीं रखना चाहिए।

आपका आवास मध्यम होगा परंतु आधुनिक सुख-सुविधाएं आवश्यक मात्रा में इसमें विद्यमान होंगी तथा न्यूनाधिक मात्रा में भौतिक उपकरण भी होंगे। आपका घर किसी मध्यम कालोनी में होगा तथा पड़ोसी सामान्य शिक्षित होंगे परंतु आपसी संबंधों में मधुरता कम ही होगी। इसके अतिरिक्त वाहन सुख भी मध्यम होगा तथा अपना वाहन काफी विलम्ब से मिलेगा।

आपकी माता जी तेजस्वी, शिक्षित एवं भौतिकतावादी महिला होंगी तथा अपनी व्यवहार कुशलता से सभी सदस्यों को प्रसन्न तथा प्रभावित रखेंगी। उनमें कर्तव्य परायणता का भाव भी विद्यमान होगा। परिवार के सभी सदस्य उन्हें वांछित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। आपके प्रति उनके मन में विशेष वात्सल्य का भाव होगा एवं समयानुसार आपको विभिन्न प्रकार से नैतिक एवं अन्य सहयोग प्रदान करती रहेंगी। आपका भी उनके प्रति श्रद्धा एवं सम्मान का भाव होगा तथा अपने ओर से उन्हें कोई कष्ट नहीं होने देंगे परंतु परस्पर मतभेदों के कारण संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा अतः सामंजस्य स्थापित करना चाहिए।

अध्ययन के क्षेत्र में प्रारंभ से ही आपको काफी परिश्रम करना पड़ेगा तथापि छोटी कक्षाओं में आपको वांछित सफलता मिलेगी लेकिन स्नातक परीक्षा उतीर्ण करने के लिए आपको काफी पराक्रम एवं परिश्रम का सामना करना पड़ेगा अतः यदि आप स्नातक परीक्षा के स्थान पर तकनीकी डिप्लोमा का पाठ्यक्रम करें तो इससे आपको वांछित सफलता मिलेगी जिससे आत्मविश्वास के भाव में वृद्धि होगी।

नैसर्गिक पापी ग्रह शनि के चतुर्थ भाव में स्थिति के प्रभाव से जीवन में मध्यावस्था के बाद आपको रक्तचाप या हृदय संबंधी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अतः यदि

आप प्रारंभ से ही खान-पान का विशेष ध्यान रखें तो ऐसी परेशानियों में कमी आएगी तथा आपका सामान्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

Punita

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से आप जीवन में समस्त भौतिक सुख संसाधनों एवं आधुनिक विलासमय वस्तुओं से युक्त होंगी तथा सुख पूर्वक इनका उपभोग करने में समर्थ होंगी। शुक्र के प्रभाव से युवावस्था से ही आपको सुख-संसाधनों की उपलब्धि हो जायेगी तथा इसके लिए विशेष परिश्रम भी कम ही करना पड़ेगा।

जीवन में चल एवं अचल सम्पत्ति के स्वामित्व को आप अवश्य प्राप्त करेंगी। आपको प्रचुर मात्रा में धन सम्पत्ति की प्राप्ति होगी तथा विवाह के बाद इसमें काफी वृद्धि होगी। चल सम्पत्ति की उपेक्षा अचल सम्पत्ति की आपके पास बहुलता होगी जिससे जमीन जायदाद तथा मकान प्रमुख होंगे। साथ ही समस्त आधुनिक भौतिक एवं विलासमय उपकरणों से आप सम्पन्न होंगी तथा आनंदपूर्वक इनका उपभोग करेंगी।

उत्तम निवास स्थान के विषय में आप सौभाग्यशाली महिला समझी जाएंगी। आपका घर उत्तम एवं आधुनिक स्थान में होगा तथा सर्व प्रकार से यह आकर्षक एवं सुसज्जित रहेगा। आप भी इसकी सुन्दरता एवं सफाई का पूर्ण ध्यान रहेंगी। आपका घर किसी अच्छी कालोनी में होगा एवं पड़ोसी भी बुद्धिमान एवं शिक्षित होंगे तथा आपसी संबंध अच्छे रहेंगे। आपकी कुंडली में उत्तम वाहन के भी योग बनते है जिसका आप युवावस्था से ही उपयोग करके प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

आपकी माता जी सुन्दर सुसंस्कृत एवं मृदुस्वभाव की महिला होंगी तथा उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा। वह एक चतुर एवं बुद्धिमान महिला होंगी तथा अपनी चतुराई एवं व्यवहार कुशलता से परिवार का अच्छी तरह पालन पोषण करेंगी एवं किसी भी सदस्य को उनसे कोई परेशानी नहीं होगी। आपके प्रति उनके हृदय में विशेष वात्सल्य एवं स्नेह का भाव होगा तथा अवसरानुकूल उनसे आपको प्रचुर मात्रा में आर्थिक सहयोग की भी प्राप्ति होती रहेगी। आप भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान का भाव रहेंगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करने में तत्पर होंगी। इसके अतिरिक्त सुख-दुख में उनको अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगी। इस प्रकार आपसी संबंध भी मधुर होंगे।

अध्ययन के प्रति वचपन से ही आपकी रूचि होगी तथा बुद्धिमान एवं परिश्रमशील होने के कारण प्रारंभ से ही अध्ययन के क्षेत्र में अनावश्यक समस्याओं एवं बाधाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसी परिपेक्ष्य में आप स्नातक परीक्षा आसानी से उतीर्ण करेंगी तथा इससे आप की आत्मिक शक्ति में वृद्धि होगी फलतः जीवन में इच्छित उन्नति एवं सफलता अर्जित करने में समर्थ होंगी। सामाजिक जनों एवं संबंधियों में भी आपके सम्मान में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपसे प्रसन्न एवं प्रभावित होंगी। इससे आपको प्रोत्साहन मिलेगा जिससे भविष्य उज्ज्वल होगा।

प्रणय सम्बन्ध, सन्तान एवं बुद्धि

Vikrant

आपके जन्म समय में पंचमभाव में मेषराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप तीव्र बुद्धि के स्वामी होंगे तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को बुद्धिमता से सम्पन्न करेंगे। आप में शीघ्र एवं अनुकूल निर्णय लेने की शक्ति भी विद्यमान होगी जिससे अवसरानुकूल आप इच्छित लाभ एवं सफलता अर्जित कर सकते है। आप कठिन से कठिन समस्याओं का समाधान भी शीघ्र एवं आसानी से करने में समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त वैदिक साहित्य धर्म एवं दर्शन के प्रति भी आपकी श्रद्धा एवं रूचि होगी तथा यत्नपूर्वक इनके ज्ञानार्जन में रूचिशील होंगे। आधुनिक विज्ञान, भौतिक विज्ञान गणित या ज्योतिष में भी आपकी प्रबल रूचि होगी एवं परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञानार्जन करेंगे। इस क्षेत्र में आप कुछ नवीन कार्य या सिद्धान्तों का भी प्रतिपादन कर सकते है जिससे आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा लोग एक विद्वान के रूप में आपको सम्मान प्रदान करेंगे।

पंचमभाव में मेष राशि की स्थिति के प्रभाव से प्रेम-प्रसंग में आप भावनात्मक आकर्षण तथा सम्मान का भाव रखेंगे। आपके प्रेम में मर्यादा नैतिकता एवं यथार्थवादी दृष्टिकोण होगा तथा मनोरंजन के लिए ऐसे संबंध स्थापित नहीं करेंगे। अतः आपके प्रेम की परिणिति विवाह के रूप में भी हो सकती है।

जीवन में आपको यथोचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा पुत्र संतति अवश्य होगी। आपकी संतति बुद्धिमान प्रतिभाशाली एवं पराक्रमी होगी तथा अपने इन्हीं गुणों से वे जीवन में लाभ एवं उन्नति के मार्ग प्रशस्त करेंगे। माता-पिता के प्रति उनके मन में पूर्ण आदर एवं सम्मान का भाव होगा तथा उनकी आज्ञापालन में भी सर्वदा तत्पर होंगे। वे समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में माता-पिता का सहयोग एवं सलाह अवश्य लेंगे। इससे संबंधों में मधुरता तथा सद्भावना बनी रहेगी। माता की अपेक्षा पिता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव होगा तथा अपनी व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान वे पिता के माध्यम से ही करना सुविधाजनक समझेंगे परन्तु आदर दोंनो का समान होगा। इसके अतिरिक्त वृद्धावस्था में वे आपकी तन-मन-धन से सेवा करेंगे एवं अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे। इस प्रकार बच्चों के संदर्भ में आप एक भाग्यशाली व्यक्ति माने जायेंगे।

शिक्षा के क्षेत्र में आपकी संतति अत्यधिक योग्य एवं प्रतिभाशाली सिद्ध होगी तथा प्रारम्भ से ही इच्छित उन्नति का प्रदर्शन करेंगे जिससे उनका भविष्य उज्जवल होगा। आप भी उनकी शिक्षा के लिए किसी भी प्रकार की कमी नहीं करेंगे तथा अच्छी से अच्छी एवं आधुनिक संस्था में उन्हें शिक्षा प्रदान करायेंगे। इसके अतिरिक्त वे सुन्दर, स्वस्थ, विनम्र स्वभाव सक्रिय एवं निपुण होंगे तथा अपने उत्तम कार्य कलापों से अन्य सामाजिक जनों को प्रभावित तथा प्रसन्न करने में समर्थ होंगे तथा वे भी बच्चोंको वांछित स्नेह एवं प्रोत्साहन देंगे। इससे आपकी भी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी फलतः बच्चों से आप सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

Punita

आपके जन्मसमय में पंचमभाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है अतः इसके प्रभाव से आप एक बुद्धिमान महिला होंगी तथा आपके सांसारिक एवं अन्य कार्य कलापों पर बुद्धिमता की स्पष्ट छाप होगी जिससे सभी लोग आपसे प्रभावित होंगी। आप कठिन से कठिन कार्य को आसानी से पूर्ण करने में भी समर्थ होंगी। यद्यपि वैदिक धर्म एवं दर्शन शास्त्रों में आपकी रूचि अल्प होगी परंतु आधुनिक साहित्य कविता एवं कला में आप पूर्ण रूचि रखेंगे। पाश्चात्य कला, संगीत एवं साहित्य के विशेष प्रेमी होंगी तथा इन क्षेत्रों में आप अपनी बुद्धिमता, योग्यता एवं परिश्रम से ज्ञान अर्जित करके समाज में अपने प्रभुत्व को स्थापित करने में समर्थ होंगी। फलतः आपका सम्मान एवं विद्वता का प्रभाव समाज में बना रहेगा।

कन्या राशि की पंचम भाव में स्थिति के प्रभाव से प्रेम प्रसंगों में आप अधिक लिप्त रहेंगी तथा अधिकांश प्रसंग आप मनोरंजन या मानसिक सन्तुष्टि के लिए स्थापित करेंगी। आपके प्रेम प्रसंग में आदर्श, यथार्थवाद एवं मर्यादा की भी कमी होगी। फलतः ऐसे क्षेत्र में आप अपने लिए अनावश्यक परेशानियां एवं अशान्ति उत्पन्न कर सकती हैं तथा वैवाहिक जीवन पर भी दुष्प्रभाव हो सकता है। अतः ऐसे प्रसंगों की यत्नपूर्वक उपेक्षा ही करनी चाहिए तभी आप सुखी रह सकती हैं।

पंचमभाव में बुध की राशि के प्रभाव से जीवन में आपको यथोचित समय पर सन्तति की प्राप्ति होगी आपकी संतति बुद्धिमान एवं गुणवान होगी परंतु वे स्वाभिमानी प्रवृति के होंगे। माता पिता का कहना भी मानेंगे एवं एक दूसरे के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान का भाव भी रखेंगे। वे व्यावहारिक बुद्धि के स्वामी होंगे फलतः जीविकार्जन एवं आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ रहेंगे। सुख दुख में माता पिता का ध्यान रखेंगे जिससे आपको मानसिक शान्ति की प्राप्ति होगी

अध्ययन के प्रति बच्चों की रूचि सामान्य होगी तथापि परिश्रम पूर्वक वे वांछित शिक्षा अर्जित करने में समर्थ होंगे। यद्यपि किसी मान्यता प्राप्त प्रशासनिक या अन्य क्षेत्रों में वे परिश्रम एवं पराक्रम से ही प्रवेश कर सकेंगे परंतु वाणिज्य क्षेत्र में योग्य सिद्ध होंगी तथा इसी से अपने जीवन में ऐश्वर्य एवं वैभव अर्जित करेंगी। अतः इनके लिए आपको अधिक चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथापि अपने लिए आपको पूर्ण धन संचय करके रखना चाहिए जेकि आपके सुख दुख के समय काम आएगा तथा बच्चों को स्वावलंबी छोड़ देना चाहिए एवं उनके कार्यो में दखल नहीं देना चाहिए। इससे आप तथा वे शान्ति एवं सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

Vikrant

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप का शत्रु या विरोधी पक्ष प्रबल रहेगा इसका मुख्य कारण यह रहेगा कि आप अपनी ही इच्छा से अधिकाशं कार्यो को सम्पन्न करेंगे तथा अन्य जनों की इच्छा या सलाह को कोई महत्व नहीं देंगे। आपका उच्च स्तर, कार्य प्रणाली तथा अन्य प्रकार से खुशहाली आपके शत्रुवर्ग के लिए ईर्ष्या का कारण होगी। साथ ही आपको अपने सम्बन्धियों तथा सहयोगियों से भी समय समय पर विरोध का सामना करना पड़ेगा। आप सामान्यतया दीवानी तथा फौजदारी मुकद्दमों में लिप्त रहेंगे तथा इन पर आप मुक्त भाव से व्यय करेंगे जिससे आपको इनमें सफलता प्राप्त हो सकें। आप एक चतुर चालाक तथा बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा साम दाम दण्ड भेद से किस प्रकार से कार्य सिद्ध किया जाता है इसके विषय में आपको पूर्ण ज्ञान रहेगा। इस प्रकार अपनी इस कार्य प्रणाली से आप शत्रु वर्ग तथा मुकद्दमे बाजी में विजय प्राप्त कर सकेंगे।

आपको सेवक वर्ग की सामान्यतया अत्यधिक आवश्यकता रहेगी आप एक व्यस्त व्यक्ति होंगे तथा अपने समस्त कार्यो को सम्पन्न करने में असमर्थ रहेंगे अतः नौकरों की नियुक्ति आपके लिए आवश्यक कार्य होगा लेकिन यदा कदा सेवक वर्ग आपके गुप्त रहस्यों को उजागर करेंगे फलतः समाज में आपके मान सम्मान में न्यूनता रहेगी। साथ ही वे चोरी आदि से भी हानि प्रदान कर सकते है अतः इनके चुनाव में सावधानी का परिचय दें।

आपके पास आराम दायक जीवन व्यतीत करने के लिए पर्याप्त मात्रा में धन रहेगा लेकिन अपनी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए आपका अनावश्यक व्यय भी होगा जिससे ऋण आदि के भार से दब सकते है। आप एक सम्मानीय परिवार के सदस्य होंगे तथा आपके मामा मामियों का स्तर भी उच्च रहेगा। यद्यपि वे आपको पसंद करेंगे परन्तु आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्रदान कम ही करेंगे तथा आपकी कार्य प्रणाली से भी वे सन्तुष्ट नहीं रहेंगे लेकिन अत्यधिक आवश्यकता के समय वे आपको अपना सहयोग प्रदान कर सकते हैं। साथ ही उत्तम स्वास्थ्य के लिए खान पान का पूर्ण ध्यान रखें तथा अनावश्यक रूप से भोजन में अनियमिता न रखें नहीं तो प्रौढ़ावस्था में आप किंचित परेशानी की अनुभूति कर सकते हैं।

Punita

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगी तथा किसी भी प्रकार के कष्ट को सहन करने की शक्ति आप में विद्यमान रहेगी। लेकिन यदा कदा बुखार या अन्य रोगों से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति कर सकती है। आपको अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए क्योंकि आप में रोग अवरोधक तत्वों की कमी रहेगी जिससे एक बार बीमार पड़ने पर काफी समय बाद ही आप स्वस्थ हो पाएंगी। इसके अतिरिक्त भावुकता भरे क्षणों में आपको कोई

महत्वपूर्ण या संवेदनशील कार्य नहीं करना चाहिए।

आपका शत्रु या विरोध पक्ष पर्याप्त होगा तथा आपके सम्मान में कमी करने के लिए नित्य प्रयत्नशील रहेगा। क्योंकि वे आपकी खुशहाली के प्रति ईर्ष्या का भाव रखेंगे। साथ ही मित्र, संबन्धी एवं पड़ौसी भी यदा कदा आपके विरोध करने में तत्परता का प्रदर्शन करेंगे। अतः प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष शत्रुओं के प्रति आपको हमेशा सतर्क रहना चाहिए। यद्यपि मुकद्दमे आदि में आपको कोई विशेष रूचि नहीं रहेगी परन्तु धन संबन्धी मामलों में आप कोई मुकद्दमा दायर कर सकती हैं यद्यपि इसमें आपका काफी धन व्यय होगा परन्तु किंचित परिश्रम के उपरांत आपको सफलता भी मिल सकती है ।

सेवक वर्ग आपके लिए विशेष विश्वास पात्र तथा ईमानदार नहीं रहेंगे तथा इनसे समय समय पर आपको आर्थिक या अन्य प्रकार से हानि का सामना करना पड़ेगा। साथ ही पारिवारिक रहस्यों का भेद खोलकर भी वे आपकी मान हानि कर सकते हैं। आप स्वच्छन्द प्रवृत्ति की महिला होंगी तथा इसी के अनुसार अपने अधिकाँश कार्यो को सम्पन्न करेंगी। यद्यपि आपके पास धनऐश्वर्य पूर्ण होगा परन्तु आपातकाल के लिए संग्रह करने में असमर्थ रहेंगी फलतः ऋण आदि लेने की आवश्यकता पड़ेगी। इसके साथ ही मामा मामी आदि से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी। खान पान के प्रति भी आपको सतर्क रहना चाहिए अन्यथा वृद्धावस्था में वात या गुर्दे से संबन्धित परेशानी हो सकती है। यद्यपि आप एक धन मान सम्मान से युक्त महिला होंगी परन्तु कई बार आपके अच्छे कार्यो से भी समाज में शत्रुता का भाव बन सकता है। अतः सचेत रहें।

परिवार, विवाह एवं साझेदार

Vikrant

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है सामान्यतया मिथुन राशि के प्रभाव से जातक का सहयोगी सुशील विनम्र कलाप्रेमी तथा हास्य प्रिय प्रवृति का व्यक्ति होता है। बृहस्पति के प्रभाव से वह विद्वान् साहित्य प्रेमी उत्तम कार्यो को करने वाला तथा चतुर होता है।

अतः इसके प्रभाव से आपकी पत्नी सुशील एवं विनम्र स्वभाव की महिला होंगी तथा सांसारिक कार्यो को करने में दक्ष रहेंगी। उनकी वाणी मधुर होगी तथा उच्च कोटि के साहित्य के प्रति अध्ययन की रूचि होगी। वह हास्य युक्त प्रवृति की भी महिला होंगी जिससे सभी लोग उनके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे। बृहस्पति के प्रभाव से उनमें कर्तव्य परायणता का भाव भी विद्य मान होगा तथा समाज एवं परिवार के प्रति ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करेंगी।

आपकी पत्नी सुंदर आकर्षक एवं गौर वर्ण की महिला होंगी तथा उनका कद भी उन्नत होगा। शारीरिक संरचना उनकी दर्शनीय होगी तथा शरीर के सभी अंग पुष्ट एवं सुडौल होंगे जिससे उनके सौन्दर्य एवं व्यक्तित्व में निखार आएगा। बृहस्पति के प्रभाव से आयु के साथ साथ शरीर में स्थूलता भी आ सकती है। सौन्दर्य में वृद्धि के लिए वह आधुनिक सौन्दर्य प्रसाधनों का भी प्रयोग करेंगी। इसके अतिरिक्त कला के प्रति उनका प्रबल आकर्षण होगा।

आपका विवाह किसी परिवार के श्रेष्ठ व्यक्ति के माध्यम से सम्पन्न होगा। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा आपस में एक दूसरे के प्रति प्रबल आकर्षण एवं प्रेम की भावना होगी। आप दोनों शिक्षित एवं बुद्धिमान होंगे तथा जीवन के मूल्यों तथा सिद्धांतों में समानता रहेगी जिससे आप प्रत्येक क्षेत्र में उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे। सांसारिक महत्व के कार्यो को आपसी सहयोग एवं सहमति से पूर्ण करेंगे। इससे संबंधों में मधुरता रहेगी तथा जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपका विवाह किसी प्रतिष्ठित परिवार में सम्पन्न होगा तथा समाज में वे आदरणीय होंगे। विवाह के बाद आपके सास ससुर से मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे आप जीवन में नैतिक सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। आप भी उन्हें पितृवत सम्मान प्रदान करेंगे तथा महत्वपूर्ण कार्यो में उनकी सलाह एवं सहमति अवश्य लेंगे।

सास ससुर के प्रति आपकी पत्नी की सेवा एवं श्रद्धा की भावना होगी तथा सुख दुख में उनकी यथोचित देखभाल करेंगी। देवर एवं ननद भी उनके सद्व्यवहार तथा मधुरवाणी से प्रभावित होंगे एवं उन्हें यथोचित मान सम्मान तथा सहयोग प्रदान करेंगे। इससे परिवार में शांति बनी रहेगी।

व्यापार या महत्वपूर्ण कार्यो में साझेदारी के लिए स्थिति शुभ रहेगी तथा इससे

आपको यथोचित लाभ होगा एवं आपस में विश्वसनीयता भी बनी रहेगी यदि अपनी आयु से अधिक आयु के व्यक्ति से साझेदारी की जाए तो उसमें इच्छित लाभ एवं उन्नति होगी।

Punita

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। सामान्यतया सप्तम भाव में जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि की स्थिति से जातक का सहयोगी पित प्रकृति धनवान एवं अधिक व्ययशील होता है। परन्तु नैसर्गिक शुभ ग्रह एवं जलतत्व युक्त शुक्र के प्रभाव से जातक सुशील संगीत एवं कला प्रिय मधुर भाषी तथा आधुनिक विचारों से युक्त होता है।

अतः इसके प्रभाव से आपके पति सुशील स्वभाव से युक्त बुद्धिमान एवं गुणवान व्यक्ति होंगे तथा आधुनिकता के प्रति विशेष आकर्षित रहेंगे। उनमें चंचलता का भाव भी होगा एवं प्रवृति भ्रमण प्रिय होगी। सांसारिक कार्य कलापों में वह दक्ष होंगे। वह एक शिक्षित व्यक्ति होंगे तथा आधुनिक तथा पाश्चात्य शास्त्रों में विशेष रूचि रखेंगे। वह कर्तव्य परायण एवं मधुर बोलने वाले होंगे जिससे पारिवारिक एवं सामाजिक लोग उनसे प्रभावित रहेंगे।

आपके पति गौरवर्ण के सुंदर एवं आकर्षक व्यक्ति होंगे तथा उनका सौन्दर्य दर्शनीय रहेगा उनका कद भी सामान्य होगा परन्तु शारीरिक संरचना स्वस्थ सुडौल एवं पुष्ट रहेंगे। वृश्चिक राशि में जल तत्व की प्रधानता के कारण उनमें स्थूलता भी आ सकती है अतः पहले से ही व्यायाम या योगादि द्वारा इसे नियंत्रित करना चाहिए। सौन्दर्य के प्रति वह हमेशा आकर्षित रहेंगे तथा सुंदर वस्तुओं संगीत एवं कला के प्रति समर्पित होंगे।

आपका विवाह विज्ञापन या किसी बंधु वर्ग के द्वारा सम्पन्न होगा। सप्तम भाव में वृश्चिक राशि के प्रभाव से प्रेम विवाह की भी प्रबल संभावना रहती है। विवाह के बाद आप एक दूसरे के प्रति समर्पित रहेंगे तथा सुख दुख में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। अतः आपके संबंधों में मधुरता रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा ।

आपका विवाह किसी उच्च एवं प्रभावशाली परिवार में होगा तथा आर्थिक रूप से भी उनकी स्थिति सुदृढ़ होगी। फलतः विवाह के समय आपको मायके से प्रचुर मात्रा में धन सम्पति की प्राप्ति होगी। सास ससुर से भी आपके संबंधों में मधुरता रहेगी एवं उनको पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगी। वे भी आपको पुत्रीवत स्नेह देंगे। साथ ही मायके से आर्थिक एवं नैतिक सहयोग अवसरानुकूल मिलता रहेगा।

सास ससुर के प्रति आपके पति सेवा एवं श्रद्धा का भाव रखेंगे तथा उनकी सुख सुविधा का ध्यान रखकर उन्हें अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे। साथ ही अपने सद्व्यवहार एवं मृदुवाणी से साले एवं सालियों से भी यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे परिवार में सुख शांति बनी रहेगी।

व्यापार में साझेदारी के लिए स्थिति शुभ रहेगी एवं इससे आपके लाभ एवं उन्नति मार्ग प्रशस्त होंगे।

आयु, दुर्घटना एवं बीमा

Vikrant

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्रमा है। अतः इसके प्रभाव से आपके पास आध्यात्म या ज्यौतिष के ज्ञान संबन्धी प्रतिभा जन्म से ही रहेगी तथा इनके प्रति आपकी पूर्ण श्रद्धा रहेगी साथ ही परिश्रम पूर्वक इसका ज्ञान अर्जित करके इस क्षेत्र में सम्मान एवं ख्याति अर्जित करेंगे। आप स्वाभाविक रूप से अन्तर्प्रज्ञा शक्ति की प्रबलता से युक्त रहेगे। आपके पूर्वाभास तथा भविष्य वाणियां सामान्यतया सत्य ही सिद्ध होगी। साथ ही इस विद्याओं के द्वारा अपनी परेशानियों में भी न्यूनता करने में समर्थ रहेंगे तथा इन शास्त्रों में इच्छुक व्यक्तियों को अपना मित्र बनाएंगे। इसके अतिरिक्त आर्थिक दृष्टि से भी आप जीवन में इसका उपयोग कर सकते हैं।

आपको पैतृक सम्पत्ति प्राप्त होगी तथा इसके द्वारा आप धनऐश्वर्य से युक्त होकर आरामदायक जीवन व्यतीत करेंगे। प्रौढ़ावस्था में आपको और अधिक चल एवं अचल सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। मित्रों के द्वारा भी कुछ लाभ होने की संभावना रहेगी। शादी के समय में आप प्रचुर मात्रा में दहेज प्राप्त करेंगे जो धन आभूषण वाहन तथा आधुनिक घरेलू सामान के रूप में होगा। यदि आप चाहे तो इसी धन से आराम से अपना जीवन व्यतीत कर सकते हैं। बीमा कराने में आप शीघ्रता करेंगे क्योंकि आप सर्वप्रथम किसी भी वस्तु की पूर्ण सुरक्षा चाहते है तथा अनावश्यक हानि न हो इसका प्रबन्ध पहले ही कर देते हैं। आप को जीवन में चोरी या डकैती का सामना कम ही करना पड़ेगा तथा ऐसी घटनाएं होगी भी तो उससे कोई हानि नहीं होगी। आपकी आयु उत्तम रहेगी तथा सुख पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Punita

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में धनुराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आप आध्यात्म, ज्यौतिष या तंत्र मंत्र आदि के प्रति श्रद्धा का भाव रखेंगी तथा आपका इस पर पूर्ण विश्वास रहेगा। आपको इन विषयों का न्यूनाधिक ज्ञान भी हो सकता है। साथ ही मनोविज्ञान के क्षेत्र में भी आप कुछ न कुछ कार्य अवश्य सम्पन्न करेंगी। पैतृक सम्पत्ति आपको मिलेगी लेकिन वह अल्प मात्रा में ही होगी तथा उसका उपभोग भी अच्छी तरह से करने में असमर्थ रहेंगी। आपके बन्धु या संबन्धी भी उस जायदाद पर अपना अधिकार प्रस्तुत कर सकते है जिससे परस्पर अनावश्यक विवादों से आपसी संबंधों में कटुता का वातावरण बनेगा। अतः पारिवारिक कलह की भी संभावना रहेगी। अतः इससे आपको प्रसन्नता की अपेक्षा अप्रसन्नता ही अधिक प्राप्त होगी।

आपका दाम्पत्य जीवन मधुर रहेगा तथापि यदा कदा आर्थिक कमी से परेशानियां हो सकती है लेकिन आप स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से उसे दूर करने में समर्थ रहेंगी। बीमा आदि कराने से आपके लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे तथा इससे आपको समय समय पर लाभ होता रहेगा अतः बीमा अवश्य करवाएं वह अपना या किसी भी वस्तु का हो सकता है। यद्यपि आपकी कुडंली

में कोई दुर्घटना या चोरी आदि का कोई योग नहीं है तथापि इस बारे में आपको सतर्क रहना चाहिए लेकिन इससे कोई विशेष हानि नहीं होगी आपकी आयु उत्तम रहेगी तथा जीवन में स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से धनार्जन करेंगी तथा इच्छित सुख संसाधनों को अर्जित करके अपना जीवन सुख पूर्वक व्यतीत करेंगी।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

Vikrant

आपके जन्म समय में नवम भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से आपकी ईश्वर के प्रति पूर्ण आस्था रहेगी तथा अपने धर्म का श्रद्धा पूर्वक अनुपालन करेंगे। साथ ही पारिवारिक परम्परानुसार धर्म का आचरण करेंगे। आपकी बुद्धि अत्यन्त ही तीव्र होगी तथा नेतृत्व के गुणों से सुसम्पन्न रहेंगे। साथ ही आपकी प्रवृति स्वतंत्र होगी तथा धर्म गुरूओं का आप आदर करेंगे तथा उनका अनुसरण भी करेंगे। अध्ययन के क्षेत्र में भी आप विशिष्ट सफलता अर्जित करेंगे तथा प्रसिद्ध धार्मिक तथा तीर्थ स्थानों की समय समय पर यात्रा करते रहेंगे। लेकिन आप मुख्य रूप से अपने धर्म से संबन्धित तीर्थ स्थान की यात्रा करने के ही विशेष इच्छुक रहेंगे। ध्यान एवं योगिक क्रियाओं को भी समय समय पर करते रहेंगे तथा अध्यात्म के द्वारा अपनी अर्न्तप्रज्ञा शक्ति में वृद्धि करेंगे। साथ ही भविष्य वाणियां करने में भी समर्थ रहेंगे जिससे क्षेत्रीय या राष्टीय स्तर पर आपको सम्मान मिल सकता है।

आप समाज से अपने आपको एक दम जुडे हुए लगते हैं। आप स्वतंत्रता प्रिय व्यक्ति होंगे तथा किसी अन्य के साथ या नियंत्रण में आपको कार्य करना अच्छा नहीं लगेगा इससे यदा कदा आपको अन्य जनों की आलोचना का भी सामना करना पड़ सकता है लेकिन सामजिक जीवन में सफल रहेंगे तथा लोग आपकी आज्ञा का पालन करेंगे। धार्मिक एवं व्यवसाय संबंधी कार्यो के लिए आपकी लम्बी दूरी की यात्राएं हो सकती है तथा इनसे आपको मान सम्मान ख्याति एवं धन ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी । आप प्राणिमात्र के लिए कई लेख लिखकर तथा उनकी सेवा एवं सहायता के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। पौत्रों से आपको इच्छित सहयोग एवं आनन्द की प्राप्ति होगी। वास्तव में आप अपने पूर्वजन्म के कार्यो से ही इस जीवन में सुखऐश्वर्य अर्जित करने में समर्थ रहेंगे।

Punita

आपके जन्म समय में नवम भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है अतः इसके प्रभाव से यद्यपि आप धर्म या धार्मिक कार्य कलापों का विरोध नहीं करेंगी परन्तु इसमें स्वयं भी कोई विशेष रूचि नहीं लेंगी तथा स्वेच्छा से किसी धार्मिक ग्रंथ का अध्ययन नहीं करेंगी लेकिन ईश्वर के प्रति आपके मन में पूर्ण विश्वास रहेगा तथा इसी परिपेक्ष्य में आप व्रतादि भी सम्पन्न कर सकती है साथ ही दैनिक पूजा पाठ में न्यूनाधिक समय प्रदान करेंगी या इस उददेश्य की पूर्ति के लिए किसी पूजा स्थल पर जाएंगी। आप धार्मिक कार्य कलापों पर विशेष व्यय करना उचित नहीं समझती। लेकिन अन्य विषयों में उच्च शिक्षा अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। धर्म एवं भाग्य को अपनी विचार धारा में कम ही सम्मिलित करेंगी अर्थात कार्य पर अधिक विश्वास करेंगी। आपकी अर्न्तप्रज्ञा भी विकसित रहेगी तथा मन में आत्मा को स्वीकार करेंगी।

आपके विचार में जीवन कार्य प्रधान होना चाहिए तथा भाग्य इसमे सहायक होना चाहिए। अतः अन्य जनों को हमेशा कर्म करने की शिक्षा प्रदान करेंगी तथा भाग्य पर अल्प विश्वास करने को कहेंगी। परन्तु प्रौढ़ावस्था में स्वयं कर्म की अपेक्षा भाग्य को विशेष महत्व प्रदान करेंगी। आपकी लम्बी दूरी की यात्राएं अल्प मात्रा में ही होगी तथा इनसे आपको जीवन में विशेष लाभ भी अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा लेकिन समाज में आप एक सम्मानित तथा ख्याति प्राप्त महिला के रूप में सम्मान्नीया रहेगी। आप अपने पूर्व जन्मों के कर्मो के फल को युवावस्था के बाद प्राप्त करेंगी तथा इस समय सुखी रहेंगी लेकिन वृद्धावस्था में किंचित परेशानी हो सकती है। साथ ही पौत्रादि से भी इच्छित सुख एवं सहयोग मध्यम रूप से ही प्राप्त होगा तथापि आप सामान्यतया सन्तुष्टि की ही अनुभूति करेंगी।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

व्यवसाय, पिता एवं सामाजिक स्तर

Vikrant

आपके जन्म समय में दशमभाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। कन्या राशि पृथ्वी तत्व प्रधान है अतः इनके प्रभाव से आपका कार्यक्षेत्र श्रमसाध्य होगा परन्तु बौद्धिक एवं मानसिक क्रियाओं की भी इसमें प्रबलता रहेगी आप स्वतंत्र कार्य या व्यवसाय के इच्छुक भी होंगे एवं परिश्रम पूर्वक कार्यक्षेत्र में उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे।

आजीविका की दृष्टि से आप लिपिकीय कार्य, लेखक, कवि, चित्रकार, वास्तुकार, ज्यौतिषी, जिल्दसाज, शिक्षक, पुस्तक लेखक, यंत्र निर्माण कर्ता, संशोधक, अनुवादक, वकील, दूतकार्य, टेलीफोन आपरेटर या दूरभाष विभाग तथा राजनीति में किसी उच्चाधिकार प्राप्त व्यक्ति के व्यक्तिगत सहायक के रूप में वांछित उन्नति सफलता एवं प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। साथ ही उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना नहीं करना पड़ेगा अतः आपको उपरोक्त विभागों एवं क्षेत्रों में ही उज्जवल भविष्य के लिए अपनी आजीविका का चयन करना चाहिए।

व्यापारिक दृष्टि से आपके लिए एजेंसी दलाली पुस्तक विक्रय या प्रकाशन कार्य, अगरबत्ती पुष्पमालाएं, कागज के खिलौने कलात्मक वस्तुएं या वास्तुकला, वकालत, लेखाकार आदि के स्वतंत्र व्यवसाय एवं कार्यो से आप को इच्छित धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे अतः उपरोक्त क्षेत्रों में ही अपना कार्य या व्यापार प्रारंभ करें।

जीवन में आपको मान प्रतिष्ठा तथा सम्मान की प्राप्ति होगी तथा किसी उच्चाधिकार प्राप्त पद को अर्जित करने में भी समर्थ होंगे जिससे आपके समाज में प्रभाव में वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपको वांछित सम्मान एवं आदर प्रदान करेंगे। आप किसी सामाजिक सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक संस्था में किसी सम्मानीय पदाधिकारी या सदस्य के रूप में मनोनीत होंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस प्रकार अपनी अर्जित उपलब्धियों से आप सन्तुष्ट रहेंगे।

आपके पिता बुद्धिमान शिक्षित एवं प्रभावशाली व्यक्ति होंगे तथा समाज में सभी लोग उन्हें यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण अपनत्व एवं वात्सल्य का भाव होगा तथा आपकी उच्चशिक्षा के लिए सदैव तत्पर होंगे। आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति एवं सफलता में उनका विशेष योगदान रहेगा तथा आप भी अपने परिश्रम ईमानदारी एवं योग्यता से पिता की प्रतिष्ठा में वृद्धि करेंगे। आपके परस्पर संबंधों में भी मधुरता होगी तथा सैद्धान्तिक एवं वैचारिक समानता बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को एक दूसरे की सलाह तथा सहयोग से सम्पन्न करेंगे।

Punita

आपके जन्म समय में दशमभाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी

शनि है। कुम्भ राशि वायुतत्व युक्त है। अतः इनके प्रभाव से आपका कार्य क्षेत्र निरंतर उन्नतिशील रहेगा एवं किसी भी प्रकार की अनावश्यक समस्याओं एवं व्यवधानों का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही इच्छित उन्नति एवं सफलता भी मिलती रहेगी।

आजीविका की दृष्टि से आपके लिए वायुसेना, एयर लाइंस, खनिज एवं खान विभाग, पेट्रोलियम उद्योगों में नौकरी, फैक्टरी कर्मचारी, संदेशवाहक तथा राजनीति के क्षेत्र में विशिष्ट सफलता मिल सकती है। अतः यदि आप अपनी आजीविका इन्हीं क्षेत्रों में प्रारंभ करें तो इनमें आपको वांछित उन्नति एवं सफलता प्राप्त होगी तथा उन्नति के शिखर पर पहुँचने में आप समर्थ होंगी। साथ ही राजनीति आपके लिए काफी अनुकूल होगी तथा इस क्षेत्र में अल्प समय में ही आप काफी उन्नति करने में समर्थ हो सकती है। अतः आजीविका में वांछित सफलता एवं नवीन आयाम स्थापित करने के लिए आपको उपरोक्त क्षेत्रों या विभागों में ही अपना कार्य क्षेत्र निश्चित करना चाहिए।

व्यापारिक क्षेत्र में लोहे के व्यापार से विशिष्ट लाभ प्राप्त करेंगी। इसके साथ ही भारी उद्योग, फैक्टरी, पेट्रोल पम्प, शराब का व्यापार, प्रेस, खेती, बागवानी, आदि के कार्यो से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में समर्थ होंगी तथा जीवन में विशिष्ट उन्नति तथा लाभ अर्जित करेंगी। अतः आपको चाहिए कि यत्नपूर्वक इन्हीं क्षेत्रों में अपने व्यापार का शुभारम्भ करें।

जीवन में आप उच्च मान सम्मान एवं पद अर्जित करने में समर्थ होंगी। समाज में आपको प्रचुर मात्रा में यश तथा प्रतिष्ठा की भी प्राप्ति होगी। आपका सम्पर्क अधिकारी एवं राजनैतिक नेताओं से बने रहेंगे जिससे सर्वत्र प्रभावशाली मानी जाएंगी। साथ ही सामाजिक या सार्वजनिक संस्थाओं में भी आप उच्चपदाधिकारी के रूप में कार्यरत होंगी इनसे आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा यश एवं प्रसिद्धि भी मिलेगी तथा आपका सामाजिक स्तर भी उच्च होगा। आपके पिता तेजस्वी बुद्धिमान योग्य एवं पराक्रमी पुरूष होंगे तथा उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा फलतः अन्य जन उनके कार्यकलापों से प्रभावित रहेंगे। आपके प्रति उनका विशेष स्नेह एवं वात्सल्य का भाव होगा तथा शिक्षा दीक्षा का समुचित ध्यान रखेंगे साथ ही आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति में उनका विशेष योगदान रहेगा एवं उनके प्रभाव से भी आपको प्रचुर मात्रा में लाभ उन्नति एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। आपकी भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान की भावना होगी तथा उनकी आज्ञा पालन करना अपना प्रिय कर्तव्य समझेंगी। इसके अतिरिक्त परस्पर सिद्धांतों एवं वैचारिक एकता होने के कारण संबंधों में भी मधुरता रहेगी।

लाभ, मित्र, समाज एवं ज्येष्ठ भ्राता

Vikrant

आपके जन्म समय मैं एकादश भाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप एक दूरदर्शी व्यावहारिक तथा न्यायप्रिय व्यक्ति होंगे तथा अपने इन्हीं गुणों के साथ साथ अपने पराक्रम एवं योग्यता से अपने जीवन की अधिकांश आकाक्षांओं तथा उमंगों को पूर्ण करने में समर्थ रहेंगे। धन धान्य एवं भौतिक सुख साधनों से आप हमेशा सुसम्पन्न रहेंगे। साथ ही जीवन में पत्नी या किसी अन्य स्त्री के सहयोग से वांछित धनार्जन करने में समर्थ रहेंगे। इसके साथ ही विलासमय वस्तुओं के क्रय विक्रय, इलक्ट्रोनिक्स उपकरण तथा कम्प्यूटर आदि के क्षेत्र में भी आपको आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इस प्रकार आजीवन आपकी आर्थिक स्थिति सामान्यतया सुदृढ़ ही रहेगी।

आपको बड़ी बहनों से जीवन में वाँछित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा साथ ही वे आपको पूर्ण अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगी। वे आपको समय समय पर आर्थिक तथा अन्य क्षेत्र में भी सहायता देंगी तथा आप भी उनका पूर्ण सम्मान करेंगे एवं अवसरनुकूल उनकी इच्छा के अनुसार ही सामान्य कार्य सम्पन्न करेंगे। आप मित्रता प्रिय व्यक्ति होंगे अतः आपके मित्रता का क्षेत्र विस्तृत रहेगा। मित्र मंडल में आप आदरणीय रहेंगे सभी मित्रजन आपको पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे। आपको एकांत पसन्द नहीं रहता तथा किसी न किसी मित्र की आवश्यकता हमेशा रहती है। इसके अतिरिक्त आप स्वयं भी ईमानदार एवं उदार व्यक्ति होंगे तथा समाज से आपको पूर्ण सम्मान प्राप्त होगा एवं प्रौढ़ावस्था में किसी विशिष्ट सम्मान की प्राप्ति भी हो सकती है। साथ ही समाज एवं पड़ौसियों की सेवा एवं सहायता करने के लिए भी आप सदैव तत्पर रहेंगे। अतः सुख पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Punita

आपके जन्म समय में एकादश भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आप एक महत्वाकांक्षी महिला होंगी तथा अपनी महत्वाकांक्षा तथा इच्छाओं की पूर्ति के लिए ईमानदारी तथा सत्य का अनुपालन करते हुए कार्यो में सर्वदा तत्पर रहेंगी तथा इनमें आपको सफलता भी प्राप्त होगी। आप जब कभी भी जिस वस्तु की कामना करेंगी आपको यथेष्ट रूप से उसकी प्राप्ति हो जाएगी। आप शिक्षिका, बैंक, कानून या कम्पनी आदि द्वारा इच्छित लाभ एवं धनार्जन करेंगी यदि आप स्वयं कार्यरत नहीं है तो आपके पति को उपरोक्त विभागों या सम्बन्धित लोगों से धनार्जन होगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। मित्रों के संबंध में आप भाग्यशाली रहेगी तथा उनसे आपको समय समय पर उचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा एवं संकट के क्षणों में मित्रवर्ग आपको पूर्ण प्रोत्साहन प्रदान करेंगे जिससे आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगी। वे आपसे वयस्क भी होंगे।

आपका सामिजक स्तर उच्च रहेगा तथा बड़े बड़े अधिकारी नेता तथा अन्य समाज

के महत्वपूर्ण व्यक्तियों से आपके संबंध रहेंगे जिससे समाज में आप एक प्रतिष्ठित तथा सम्मानीय महिला समझी जाएंगी । इसके साथ ही आपको अपने सामाजिक क्षेत्र में पूर्ण ख्याति प्राप्त होगी। आपको बड़े भाईयों का जीवन में पूर्ण सहयोग तथा स्नेह प्राप्त होगा तथा जीवन में वे प्रत्येक क्षेत्र में आपको यथा शक्ति अपना योगदान प्रदान करेंगे। फलतः आप पितृवत उनका आदर करेंगी। आपको युवावस्था के बाद किसी विशिष्ट सामाजिक सम्मान की प्राप्ति की भी संभावना रहेगी। इस प्रकार आप जीवन में सुखऐश्वर्य एवं संसाधनों से सर्वदा युक्त रहेंगी तथा आनन्द पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगी।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

विदेश यात्रा, हानि, बन्धन एवं कर्ज

Vikrant

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। इसके प्रभाव से आप भौतिक वादी पुरूष होंगे तथा धनार्जन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपका स्वभाव अन्य जनों के परोपकार के लिए भी व्यय करने का रहेगा। अतः आपको अधिक धन की समय समय पर आवश्यकता पड़ेगी लेकिन अपनी योग्यता तथा पराक्रम से प्रचुर मात्रा में धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। आप हमेशा धनवान एवं ऐश्वर्यशाली होने के इच्छुक रहेंगे साथ ही आर्थिक सुरक्षा के भी इच्छुक होंगे तथा इसमें सफल रहेंगे ।

आपका मुख्य रूप से व्यय, दया दान एवं मित्रों तथा बन्धुवर्ग पर रहेगा। आपको इसका जब भी अवसर मिलेगा प्रचुर मात्रा में व्यय करेंगे। साथ ही भौतिक साज समान पर भी व्यय होगा लेकिन कभी कभी आपको ऐसे मामलों में सावधान भी रहना चाहिए क्योंकि आपकी प्रवृति को देखते हुए लोग आपसे झूठ मूठ धन भी ऐंठ सकते है।

आप दूर समीप की यात्रा के शौकीन रहेंगे तथा इनसे आपको नवीन ज्ञान की प्राप्ति होगी तथा अन्य नई चीजों को भी आप सीखेंगे। अतः यात्रा से आपको प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। साथ ही युवावस्था में आप कई साहसिक कार्यो को भी सम्पन्न करेंगे। आप किसी नये सिद्धांत को भी प्रतिपादित कर सकते है। आपकी देश की यात्राओं के अतिरिक्त विदेश संबंधी कोई यात्रा भी होगी यह कार्यवश या स्वास्थ्य के कारण भी हो सकती है। इसके साथ ही बाएं आंख में भी कोई परेशानी रहेगी या किसी चोट आदि का होगा। लेकिन सामान्य रूप से आप सुख पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

Punita

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप धन का सदुपयोग करेंगी तथा अवसरनुकूल बचत करने में भी समर्थ रहेंगी। आप सामान्यतया अनावश्यक व्यय कम ही सम्पन्न करेंगी तथा हमेशा उचित जगह व्यय या निवेश करने की उत्सुक रहेंगी लेकिन आपको सामान्य कंपनियों या अन्य स्थानों पर पूंजी निवेश नहीं करना चाहिए तथा ख्याति प्राप्त जगह ही पूंजीनिवेश करें तभी लाभ प्राप्त होगा।

आपकी जीवन में उन्नति शनैः शनैः सम्पन्न होगी क्योंकि आप किसी भी कार्य को अत्यंत ही सोच समझकर एवं धैर्य पूर्वक सम्पन्न करेंगी। आपकी आर्थिक स्थिति सामान्यतया युवावस्था के बाद ही सुदृढ़ तथा संतोष प्रद होगी। अतः आपके आर्थिक क्षेत्र में किसी नाटकीय परिवर्तन की अपेक्षा कम ही रहेगी। इसके साथ ही दीर्धावाधि के निवेशों से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है।

आपका सामान्य व्यय परोपकार संबंधी कार्यो पर होगा लेकिन मंगल के प्रभाव से

कोई अनावश्यक व्यय भी कर सकती है जिसकी विशेष आवश्यकता न हो। अतः ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए। यात्राओं से आपको आनंदानुभूति होगी तथा समय समय पर लाभ भी प्राप्त होगा। जीवन में आपकी विदेश यात्रा अवश्य होगी। यह यात्रा धर्म या धार्मिक कार्य से संबंधित होगी अथवा किसी अन्य मित्र या संबंधी के सहयोग से यह यात्रा सम्पन्न होगी। इस यात्रा से आपको भविष्य में पूर्ण लाभ होगा तथा आपकी ख्याति एवं प्रसिद्धि में भी वृद्धि होगी। इसके साथ ही यदा कदा बाएं आंख से संबंधित कोई परेशानी हो सकती है लेकिन इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

दशा विश्लेषण

Vikrant

महादशा :- राहु
(09/02/2024 - 08/02/2042)

राहु की महादशा 09/02/2024 को आरम्भ और 08/02/2042 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 18 वर्ष है। आपकी जन्मकुण्डली में राहु नवम भाव में स्थित है। राहु की तृतीय भाव पर दृष्टि है। इसके पूर्व आपकी 7 वर्ष की मंगलदशा चल रही थी। मंगल के कारण आपकी यात्रा, व्यय, कुछ आर्थिक लाभ, उत्तम शिक्षा और सम्पत्ति की प्राप्ति हुई होगी। राहु की इस दशा में आपको सम्पत्ति तथा समृद्धि मिलेगी, दूर की यात्रा तथा आध्यात्मिकता की ओर झुकाव होगा।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा। आप में शक्ति तथा ऊर्जा होगी। आपको अधिक कार्य और श्रम नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे आपका शरीर कमजोर हो सकता है। मौसम में परिवर्तन के कारण आपको ज्वर, संक्रामक रोग, विषाणुजन्य समस्या, चर्मरोग, स्नायविक दुर्बलता और अंगों में कमजोरी आदि बीमारियाँ हो सकती हैं। थोड़ी सी सावधानी से इन बीमारियों से बचा जा सकता है।

अर्थ और व्यवसाय :

इस दशा के दौरान आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। आप सक्रिय तथा आर्थिक अवसर की तलाश में रहेंगे। आपकी भौतिक समृद्धि अच्छी होगी और सारा सुख मिलेगा। आपको शक्ति और अधिकार मिलेगा। आपको सट्टे से सुन्दर लाभ मिलेगा। तृतीय भाव पर राहु की दृष्टि के फलस्वरूप आपको छोटी भाई-बहनों से लाभ मिलेगा, यात्रा और गमनागमन होगा। जीविका और व्यवसाय के लिए तकनीकी तथा विज्ञान के क्षेत्र, कम्प्यूटर-विज्ञान, राजनीति, कूटनीतिक सेवा, अनुसन्धान, सरकारी सेवा आदि का चयन कर सकते हैं। चमड़े के सामान, दवा, रसायन, बिजली के उपकरण, रत्न, सोना आदि का व्यापार, लाभदायक हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि तथा उन्नति होगी। आपकी अचानक पदोन्नति होगी और वरिष्ठ कर्मचारियों का अनुग्रह प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय से जुड़े लोगों का व्यय, यात्रा और परिवर्तन हो सकता है। ये सब आखिरकार लाभदायक सिद्ध होंगे। दशा में प्रगति के साथ स्थित में सुधार आएगा।

वाहन, यात्रा, जमीन-जायदाद :

इस दशा में आपको जीवन का सभी सुख मिलेगा। आपको भौतिक समृद्धि और सुख मिलेगा तथा जीवन सुखमय होगा। आपको वाहन का सुख मिलेगा। आपको सम्पत्ति की प्राप्ति भी होगी। शनि की अन्तर्दशा में छोटी लाभदायक यात्रा और मंगल की अन्तर्दशा में लम्बी यात्रा होगी।

शिक्षा :

आपकी शिक्षा अति उत्तम होगी। आप उच्च शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं और अपनी पसन्द की संस्था में पढ़ाई कर सकते हैं। कम्प्यूटर विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक इन्जीनियरिंग, भौतिक विज्ञान, सिविल इन्जीनियरिंग, विधि, दवा आदि के क्षेत्र में आपकी रुचि हो सकती है। आप में नेतृत्व गुण, साहस और दृढ़ता है। अपने आपके रास्ते में आनेवाली सभी बाधाओं पर विजय पाने की क्षमता है।

परिवार :

परिवार के साथ आपका सम्बन्ध मधुर रहेगा। आपके बच्चे समृद्ध होंगे और आप उनसे गौरवान्वित होंगे। आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, उन्हें सम्बंधियों तथा परिवार से लाभ मिलेगा। आपके जीवनसाथी के साथ आपका सम्बन्ध उत्तम रहेगा। आपकी माता को प्रतिद्वन्द्वियों पर विजय मिलेगी, उन्हें मामूली स्वास्थ्य समस्या और कर्मचारियों से लाभ मिलेगा। आपके पिता को धन, यश तथा ख्याति की प्राप्ति होगी और उनकी यात्रा होगी। आपके छोटे भाई-बहनों को साझेदार से लाभ, यात्रा और व्यापार में सफलता मिलेगी जबकि बड़े भाई-बहनों को आर्थिक-समृद्धि मिलेगी, उनके अच्छे मित्र होंगे और उनकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। आपका उनके साथ सम्बन्ध मधुर रहेगा।

अन्तर्दशा :

राहु की महादशा में राहु की अन्तर्दशा के कारण आपको सुख, सम्पत्ति, यात्रा तथा समृद्धि की प्राप्ति होगी। गुरु की अन्तर्दशा में यश, ख्याति, कार्यों में सफलता और जीवन का सुख मिलेगा। शनि की अन्तर्दशा के फलस्वरूप छोटी यात्रा तथा कुछ मामूली बाधा हो सकती है। बुध की अन्तर्दशा में आपका विवाह होगा, साझेदारी से लाभ और जीविकोपार्जन में सफलता मिलेगी जबकि केतु की अन्तर्दशा के कारण कुछ समस्यां हो सकती है। शुक्र की अन्तर्दशा के फलस्वरूप हर प्रकार का लाभ और कुछ मामूली स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। सूर्य की अन्तर्दशा के दौरान सम्पत्ति तथा समृद्धि की प्राप्ति, दूर की यात्रा और आध्यात्मिक कार्यों में रुचि हो सकती है। चंद्र की अन्तर्दशा में परिवर्तन और अचानक लाभ या हानि हो सकती है। मंगल की अन्तर्दशा में सन्तान से सुख मिलेगा।

Punita

महादशा :- बुध
(11/04/2011 - 11/04/2028)

बुध की महादशा 11/04/2011 को आरम्भ होगी और 17 वर्ष की होकर 11/04/2028 को समाप्त होगी। आपकी जन्मकुण्डली में बुध बारहवें भाव में स्थित है। इसके पूर्व आपकी 19 वर्ष की शनि दशा थी। शनि के कारण आपका कुछ अप्रत्यशित परिवर्तन, साझेदारी में नुकसान तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी मामूली समस्या हुई होगी। बुध की वर्तमान दशा में आपका व्यय होगा, शत्रुओं पर विजय तथा विदेशी स्रोतों से लाभ मिलेगा।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। बुध की अपनी ही राशि में स्थिति के कारण आपको कोई गंभीर या बड़ी बीमारी नहीं होगी। किन्तु, विषाणुजन्य बुखार, संक्रामक बीमारी, आँखों तथा पैरों में पीड़ा, चर्मरोग तथा स्नायविक दुर्बलता आदि मौसमी बीमारियाँ हो सकती हैं। इन मामूली बीमारियों को छोड़ आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

अर्थ और व्यवसाय :

आपको दूर स्थानों से लाभ होगा, किन्तु व्यय भी होगा। इसलिए अर्थ की उचित व्यवस्था आवश्यक है। आपको अपनी माता से कुछ लाभ हो सकता हैं। जीविका तथा व्यवसाय के लिए लेखा, पत्रकारिता, अन्तरिक्ष अनुसन्धान, अस्पताल का कार्य या अन्य दातव्य संस्थाओं, विमान-विज्ञान तथा सभी बौद्धिक कार्यों का चयन कर सकते हें। सूती कपड़ा, रत्न, पुस्तक, लेखन-सामग्री, कम्प्यूटर, हाथ के बने सामान यादि का व्यवसाय लाभदायक हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों की यात्रा, व्यवसाय-व्यापार में सफलता तथा सहयोगियों से सहयोग मिलेगा। आपके सम्मान में उन्नति होगी और आपको उच्च पद की प्राप्ति होगी। व्यवसाय-व्यापार से जुड़े लोगों की यात्रा, धन तथा कठिन श्रम से लक्ष्य की प्राप्ति होगी। विदेश से कारोबार, विरोधियों पर विजय तथा व्यापार की उन्नति होगी।

वाहन, यात्रा, जमीन-जायदाद :

शुक्र की अन्तर्दशा के दौरान आपको सुख तथा वाहन की प्राप्ति होगी। सम्पत्ति का लेन-देन भी हो सकता है। आप जमीन-जायदाद खरीद या बेच सकते हैं। किन्तु बुध की अन्तर्दशा में सावधानी बरतें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। बुध की अन्तर्दशा में आपकी छोटी और दूर की यात्राएं हो सकती हैं।

शिक्षा :

इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा उत्तम होगी। शिक्षा के क्षेत्र में कुछ शुभ परिवर्तन हो सकता है। इस दशा के दौरान आप कुछ शोध-परियोजनाएं आरम्भ कर सकते हैं। विज्ञान, लेखा, वाणिज्य, साहित्य, व्यवसाय और अन्तरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित विषयों में आपकी रुचि हो सकती है। आप प्रतिभाशाली, कूटनीतिक तथा बहुमुखी हैं और विभिन्न विषयों में आपकी रुचि है।

परिवार :

आपका परिवार के साथ संबंध मधुर रहेगा। आपके बच्चों के कार्य-क्षेत्र में परिवर्तन होगा और उन्हें आपकी सहायता की आवश्यकता होगी। आपके जीवन साथी को स्वास्थ्य संबंधी कुछ मामूली समस्याएं, शत्रुओं पर विजय तथा कार्य-स्थान में स्थिति अनुकूल हो सकती है। जीवन साथी के साथ संबंध उत्तम रहेगा। आपकी माता को समृद्धि तथा पिजा को अचल सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। आपके छोटे भाई-बहनों की जीवन वृत्ति सफल होगी जबकि बड़े भाई-बहनों को हर प्रकार का लाभ मिलेगा। आपकी अध्यात्म में रुचि होगी और दान-पुण्य तथा शुभ कार्यों पर व्यय करेंगे।

अन्तर्दशा :

बुध की महादशा में बुध की अन्तर्दशा के फलस्वरूप व्यय और यात्रा होगी और

रोजगार के अवसर मिलेंगे। केतु कुछ समस्या उत्पन्न कर सकता है। शुक्र की अन्तर्दशा में सुख तथा हर प्रकार का लाभ मिलेगा। सूर्य के कारण सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। चन्द्र की अन्तर्दशा के दौरान यश, ख्याति, उत्तम स्वास्थ्य तथा आनन्द की प्राप्ति होगी जबकि योगकारक मंगल की अन्तर्दशा में शक्ति और अधिकार, जीविकापार्जन में सफलता तथा बच्चों से सुख मिलेगा। राहु की अन्तर्दशा में कुछ समस्या उत्पन्न हो सकती है। गुरु की अन्तर्दशा में समृद्धि तथा सम्पत्ति की प्राप्ति और यात्रा होगी जबकि शनि की अन्तर्दशा में कुछ नुकसान तथा मामूली स्वास्थ्य समस्याएं होंगी।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

दशा विश्लेषण

Vikrant

महादशा :- गुरु
(08/02/2042 - 08/02/2058)

आपकी कुण्डली में गुरु की महादशा 08/02/2042 को आरम्भ तथा 08/02/2058 को समाप्त होगी। इसकी अवधि सोलह वर्ष है। आपकी जन्मकुण्डली में गुरु द्वितीय भाव में स्थित है। इस तरह वह भाव को शक्ति प्रदान कर रहा है। द्वितीय भाव सम्पत्ति, भाग्य, दायीं आँख, स्मरणशक्ति, कल्पना, जिह्वा, दाँत, दाढ़ी और पारिवारिक सदस्यों का द्योतक है। गुरु एक शुभ ग्रह है जो आपकी जन्मकुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है। इसकी छठे, आठवे और दसवें भाव पर दृष्टि है और इन भावों पर इसका शुभ प्रभाव है। अतः 16 वर्षों की यह दशा सुखमय और समृद्धिशाली होगी।

स्वास्थ्य :

महादशा स्वामी गुरु की द्वितीय भाव में स्थिति और वहाँ से (दशम भाव के अतिरिक्त) छठे तथा 8वें भावों अर्थात् रोग और शत्रु के भावों तथा दीर्घायु के भावों पर इसकी दृष्टि के कारण आपको कोई गम्भीर बीमारी नहीं होगी और आप इस दशा के दौरान स्वस्थ रहेंगे।

अर्थ-सम्पत्ति :

गुरु की द्वितीय भाव में स्थिति और दसवें भाव (6ठे तथा 8वें भावों के अतिरिक्त) पर इसकी दृष्टि के कारण इस दशा के दौरान आप चल-अचल सम्पत्ति प्राप्त करेंगे और आराम तथा विलासिता की वस्तुओं पर व्यय करेंगे।

व्यवसाय :

गुरु की द्वितीय अर्थात धन-सम्पत्ति के भाव में स्थिति और वहाँ से (6ठे तथा 8वें भावों के अतिरिक्त) दसवें अर्थात् व्यवसाय तथा जीवन चर्चा के भाव पर इसकी दृष्टि के कारण आप अपने व्यवसाय में प्रतिष्ठित होंगे। आप कवि, महान् लेखक, ज्योतिषी अथवा वैज्ञानिक हो सकते हैं। आप सफल, प्रतिष्ठित और भाग्यशाली होंगे। आप किसी से झगड़ा नहीं करेंगे।

पारिवारिक जीवन :

गुरु के कारण आपका पारिवारिक जीवन सुखमय और सद्भावपूर्ण रहेगा। आपके जीवनसाथी आपके सहयोगी और सहायक होंगे। आपके बच्चे आज्ञाकारी और सुशील होंगे। 16 वर्ष की इस दशा के दौरान आपको कोई पारिवारिक समस्या नहीं होगी और आप पारिवारिक जीवन का आनन्द उठाएंगे।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

ज्ञान की भूख के कारण आप विभिन्न साहित्यों के अध्ययन में रत रहेंगे।

Punita

महादशा :- केतु
(11/04/2028 - 11/04/2035)

केतु की महादशा 11/04/2028 को आरम्भ और 11/04/2035 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 7 वर्ष है।

आपकी जन्मकुण्डली में केतु नवें भाव में स्थित है जहाँ से इसकी दृष्टि तृतीय भाव पर है। इसके पूर्व आपकी बुध की दशा चल रही थी जिसकी अवधि 17 वर्ष थी। बुध के कारण साझेदारों से लाभ, विवाह, यात्रा तथा जीवन में प्रगति हुई होगी। केतु की वर्तमान दशा में यात्रा, अध्यात्म में रुचि, उच्च शिक्षा और सम्पत्ति तथा समृद्धि की प्राप्ति होगी।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप में आत्मविश्वास है और आप शक्ति शाली तथा स्फूर्तिवान होंगे। छूत की बीमारी, फोड़े-फुन्सी, आँख में पीड़ा, पित्त दोष, निचले अंगों में कष्ट, बुखार आदि हो सकता है। ये मौसमी होंगे। कुछ सावधानी बरत कर इनसे बचा जा सकता है।

अर्थ और व्यवसाय :

आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। आपको पिता से लाभ मिल सकता है। आपको संचार-साधन, मास मीडिया तथा सगे-संबंधियों से लाभ हो सकता है। सट्टा और निवेश लाभदायक होगा। जीविका और व्यवसाय के लिए तकनीकी तथा वैज्ञानिक सेवा, योजना और प्रशासन, कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी, दवा, सरकारी सेवा, शिक्षण आदि का चयन कर सकते हैं। रत्न, पत्थर, संगमरमर, अनाज, चमड़े, बिजली के सामान आदि का व्यापार लाभदायक हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को सम्मान और उच्च पद मिलेगा। यश, ख्याति और सम्मान की प्राप्ति होगी। व्यापार-व्यवसाय से जुड़े लोगों का शुभ परिवर्तन होगा और कार्यों में सफलता मिलेगी। आपको लक्ष्य की प्राप्ति और विरोधियों पर विजय मिलेगी। उपार्जन और लाभ भी अच्छा होगा।

वाहन, यात्रा जायदाद :

गुरु की अन्तर्दशा के दौरान आपको आराम मिलेगा। जमीन-जायदाद में वृद्धि होगी। यात्रा लाभदायक सिद्ध होगी। वाहन-सुख भी मिल सकता है। शनि की अन्तर्दशा में छोटी और शुक्र की अन्तर्दशा में बड़ी यात्रा होगी जो लाभदायक होगी।

शिक्षा :

इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा उत्तम होगी। आप उच्च शिक्षा ग्रहण करेंगे और अपनी पसन्द के संस्थान में आपका नामांकन होगा। इन्जीनियरिंग, भौतिक विज्ञान, अध्यात्म तथा गुप्त विद्या, भाषा, तत्त्व-विज्ञान आदि में रुचि हो सकती है। आप साहसी तथा दृढ़संकल्प हैं और अपने अध्ययन में अच्छा करेंगे।

परिवार :

परिवार के साथ आपका सम्बन्ध मधुर रहेगा। आपके बच्चे सुखी और समृद्धि शाली होंगे और आपको उनसे सुख मिलेगा। आपके जीवनसाथी से आपका सम्बन्ध उत्तम रहेगा। आपकी माता का स्वास्थ्य थोड़ा खराब रहेगा और शत्रुओं पर विजय मिलेगी जबकि पिता का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा सम्पत्ति और सफलता मिलेगी। आपके छोटे भाई-बहनों की विदेश-यात्रा और व्यापार में वृद्धि होगी जबकि बड़ों की शिक्षा होगी और समृद्धि, आराम और सफलता मिलेगी।

अन्तर्दशा :

केतु की महादशा में केतु की अन्तर्दशा के दौरान आपकी यात्रा होगी तथा बच्चों से सुख, यश और ख्याति मिलेगी। शुक्र के कारण मामूली स्वास्थ्य समस्या, लाभ और ननिहाल पक्ष से लाभ मिलेगा। सूर्य की अन्तर्दशा में धन-समृद्धि की प्राप्ति, यात्रा तथा धार्मिक कार्यों में रुचि होगी। चन्द्र की अन्तर्दशा में परिवर्तन और कुछ स्वास्थ्य समस्या होगी और अचानक लाभ मिलेगा। मंगल की अन्तर्दशा के दौरान व्यय होगा और उत्तम शिक्षा तथा बच्चों से सुख मिलेगा। राहु के कारण सुख, यश और ख्याति मिलेगी तथा जमीन-जायदाद और आराम में वृद्धि होगी। शनि की अन्तर्दशा में छोटी यात्रा और कुछ बाधा होगी तथा सम्पत्ति की प्राप्ति होगी जबकि बुध की अन्तर्दशा के दौरान व्यवसाय में सफलता, विवाह, साझेदारों से लाभ, यात्रा आदि हो सकती है।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

दशा विश्लेषण

Vikrant

महादशा :- शनि
(08/02/2058 - 08/02/2077)

शनि की महादशा की अवधि 19 वर्ष है। आपकी जन्कुण्डली में यह 08/02/2058 को आरम्भ और 08/02/2077 को समाप्त होगी।

आपकी जन्मकुण्डली में शनि चौथै भाव में स्थित है। यह एक अशुभ ग्रह है। यह विलम्ब और बाधक ग्रह के रूप में जाना जाता है, किन्तु अन्ततः फल देता है। यह फल की प्राप्ति के लिए जातक को कठिन परिश्रम के हेतु प्रेरित कर उसके धर्य की परीक्षा लेता है। आपकी जन्मकुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित इस ग्रह की दृष्टि छठे, दसवें और प्रथम भाव पर है। चतुर्थ भाव, जिसमें यह स्थित है, जन्म स्थान, मनोरंजन, रोमान्स, धार्मिक प्रवृत्ति तथा आध्यात्मिक कार्य का द्योतक है।

स्वास्थ्य :

चतुर्थ भाव में स्थित महादशा स्वामी शनि अपने भाव अर्थात् 'सुखस्थान' को शक्ति प्रदान कर रहा है। इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और कोई बीमारी नहीं होगी।

धन-सम्पत्ति :

मातृ भूमि, मकान और माता के द्योतक चतुर्थ भाव में स्थित शनि के कारण आपको घर का सारा सुख मिलेगा। इस दशा के दौरान आप अपना नया मकान तथा नयी गाड़ी खरीद सकते हैं।

व्यवसाय :

व्यावसायिक स्तर पर आपकी स्थिति अत्यंत सुदृढ़ होगी क्योंकि चौथे भाव में स्थित बली और योगकारक शनि की कार्य-व्यवसाय के दसवें भाव पर दृष्टि है। आप एक सरकारी सलाहकार अथवा मंत्री या उपदेशक हो सकते हैं। आप धनी, प्रतिष्ठित, सुखी और ऐन्द्रिय सुखों के प्रति आकर्षित होंगे।

पारिवारिक जीवन :

आपका पारिवारिक जीवन सुखी होगा और आप उसका आनन्द लेंगे। आपको हर प्रकार से आनन्द मिलेगा। आपके बच्चे कम किन्तु आज्ञाकारी होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति के होने के बावजूद आप इस दशा के दौरान पारिवारिक जीवन का आनन्द लेंगे।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

शिक्षा, ज्ञान तथा साहित्यिक वृत्ति के विकास के लिए अत्यन्त अनुकूल है।

Punita

महादशा :– शुक्र
(11/04/2035 - 11/04/2055)

आपकी कुण्डली में शुक्र की महादशा 11/04/2035 को आरम्भ होकर 11/04/2055 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 20 वर्ष है।

आपकी जन्म कुण्डली में शुक्र द्वितीय भाव में है। यह एक शुभ ग्रह है जिसकी सामान्यतया दो राशियाँ हैं– वृष और तुला। इसकी मूल त्रिकोण राशि तुला है। यह मीन राशि में उच्च का तथा कन्या राशि में निम्न का होता है। यह आनन्द, प्रेम–संबंध, स्वाद तथा फैशन डिजाइनिंग का द्योतक है। यह आपकी कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है तथा इसकी अष्टम भाव पर दृष्टि है और इस भाव पर शुभ प्रभाव डाल रहा है। द्वितीय भाव धन, लाभ, जगत्व्यापी यश, अधिकार, दाहिना नेत्र, याददाश्त, कल्पना शक्ति, जिह्वा, दाँत, ठोढ़ी तथा पारिवारिक सदस्य का द्योतक है। यह मृत्यु का भाव या मारक स्थान भी कहलाता है।

स्वास्थ्य :

महादशेश शुक्र द्वितीय भाव, जो धन, परिवार, तथा जगत्व्यापी स्रोत का द्योतक है, द्वितीय भाव में स्थित है तथा इस भाव को बली कर रहा है जिसके फलस्वरूप इस दशा काल में आपके साथ कोई बड़ी घटना या दुर्घटना नहीं होगी।

अर्थ संपत्ति :

इस दशा काल में, जो आपके पक्ष में है, आपको चल तथा अचल संपत्ति अर्जित करने का अवसर मिलेगा। आपके व्यय में वृद्धि हो सकती है। स्त्री से या विवाह से तथा दूसरों के सहयोग से भी धन की प्राप्ति होगी।

व्यवसाय :

आप व्यावसायिक स्तर पर सुभ्यस्त रहेंगे तथा वही व्यवसाय अपनाएंगे जिसमें आप उन्नति कर सकते हैं। नौकरी में पदोन्नति के कुछ अवसर मिलेंगे और इस प्रकार आप अपने भविष्य में उन्नति करेंगे। आपको क्रियात्मकता या फैशन डिजाइनिंग से संबंधित काम करने के कुछ अवसर मिल सकते हैं।

पारिवारिक जीवन :

आपको विवाह में या जीवन साथी से धन की प्राप्ति होगी। आपका पारिवारिक जीवन बहुत ही सफल तथा खुशहाल होगा। आपके जीवन साथी आपका बहुत ही सहयोग करेंगे तथा आपका पारिवारिक जीवन बहुत उत्साहपूर्ण होगा।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

यह दशा काल आपकी शैक्षिक तथा प्रशिक्षण गतिविधियों के लिए शुभ होगा।

Vikrant

एस्ट्रोग्राफ – 2026

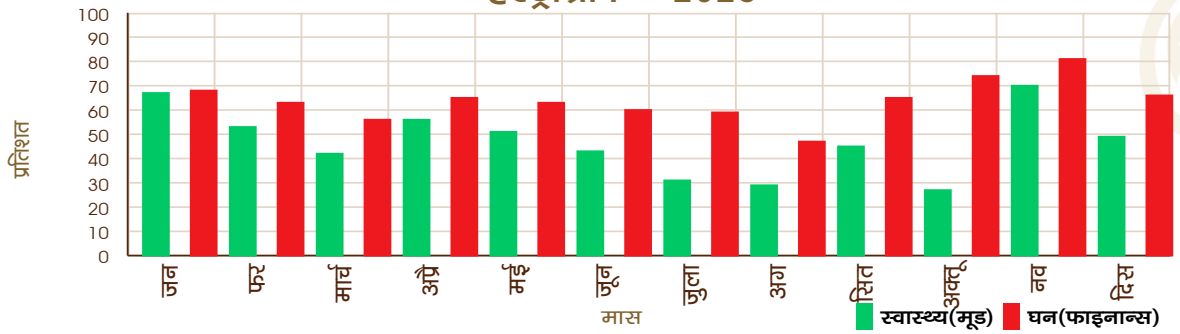

Punita

एस्ट्रोग्राफ – 2026

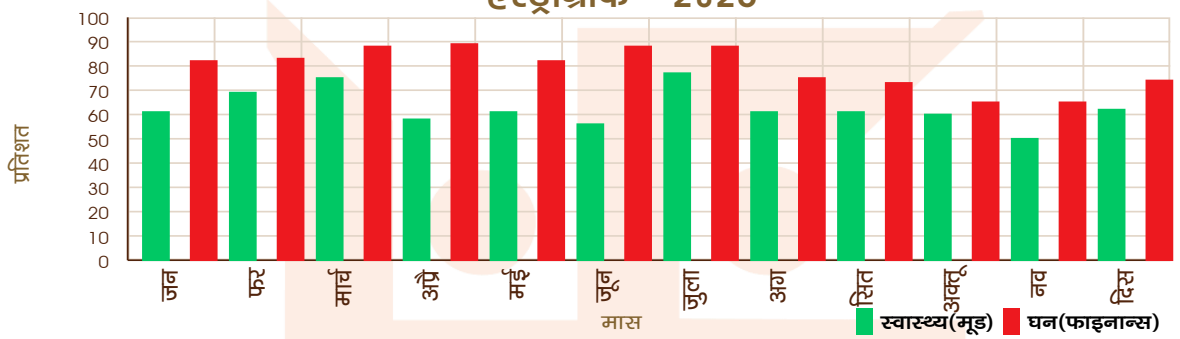

Vikrant

एस्ट्रोग्राफ – 2027

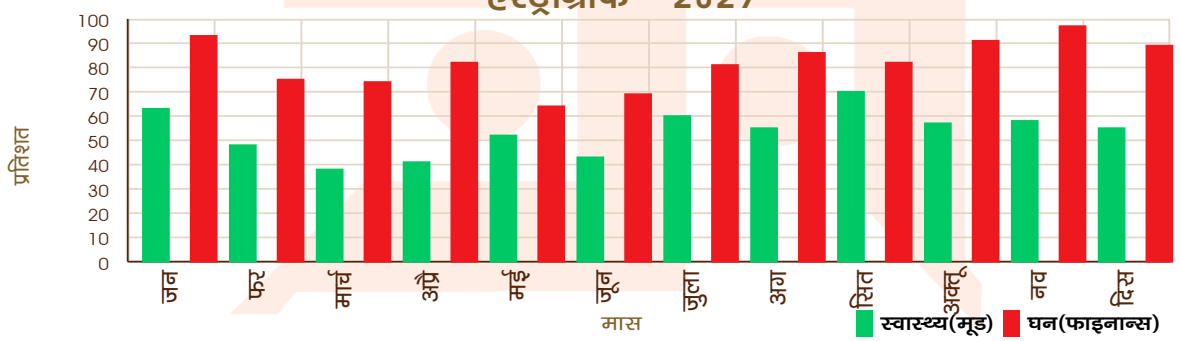

Punita

एस्ट्रोग्राफ – 2027

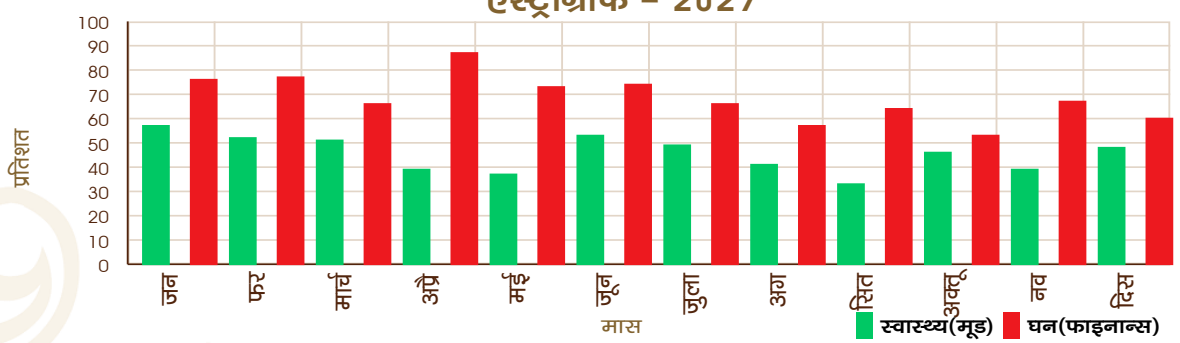

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

Vikrant

एस्ट्रोग्राफ – 2028

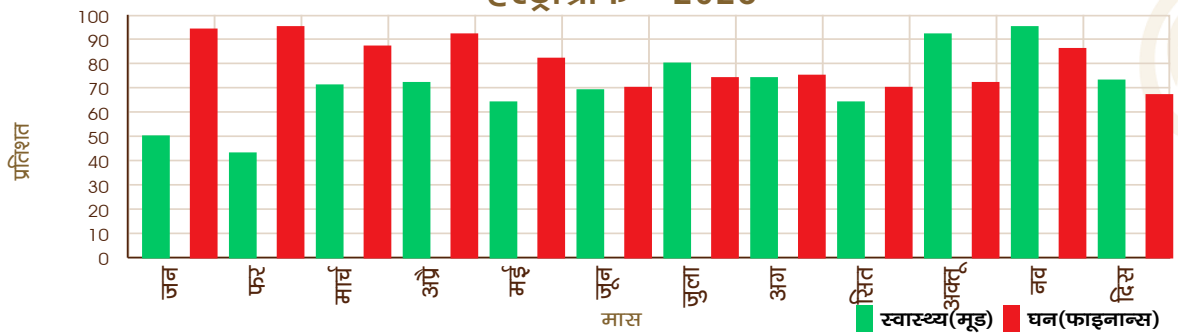

Punita

एस्ट्रोग्राफ – 2028

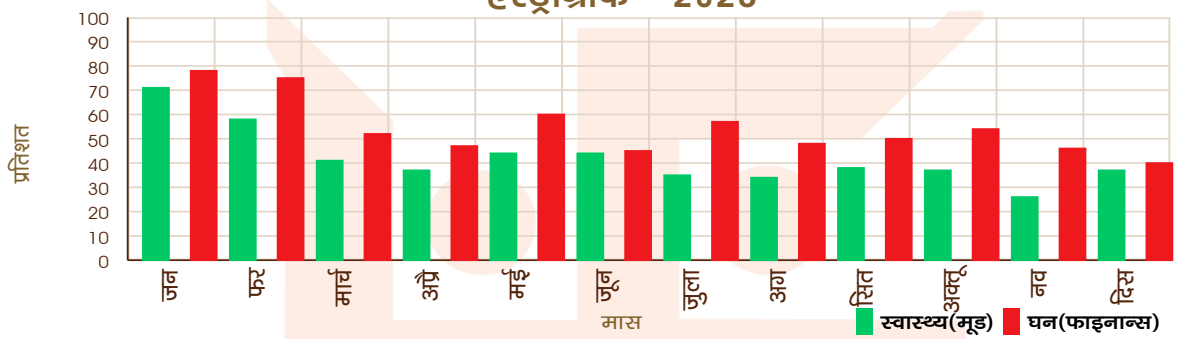

Vikrant

एस्ट्रोग्राफ – 2029

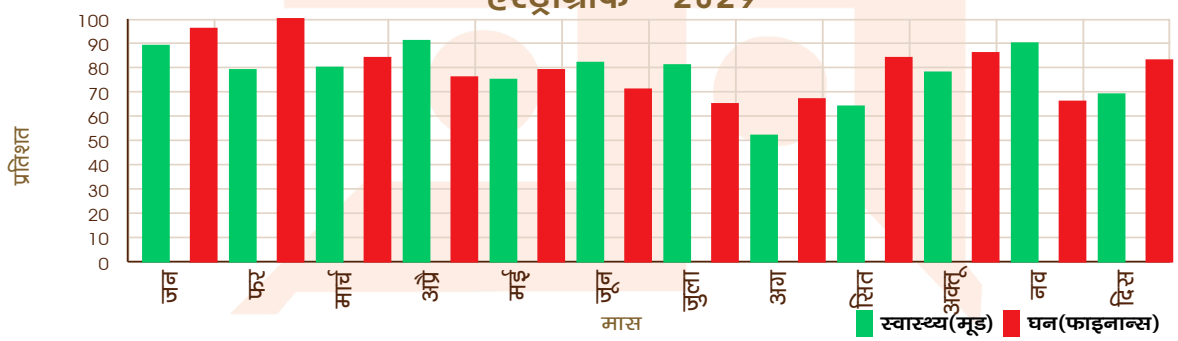

Punita

एस्ट्रोग्राफ – 2029

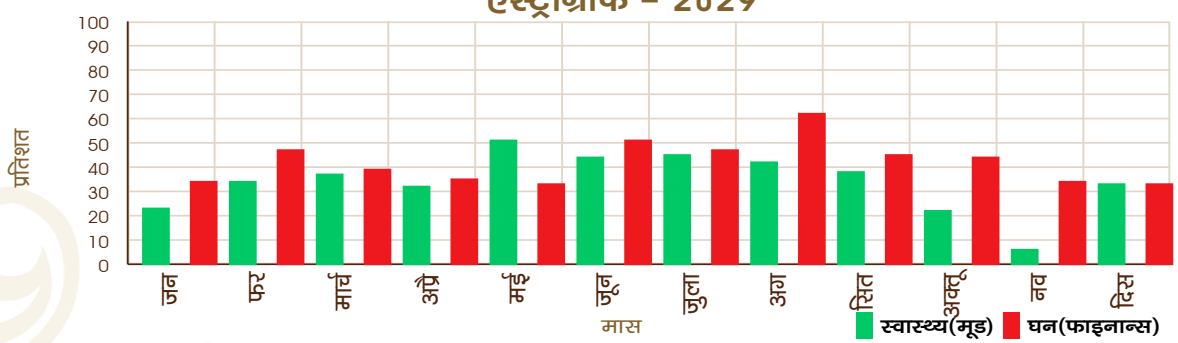

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

Vikrant
एस्ट्रोग्राफ – 2030

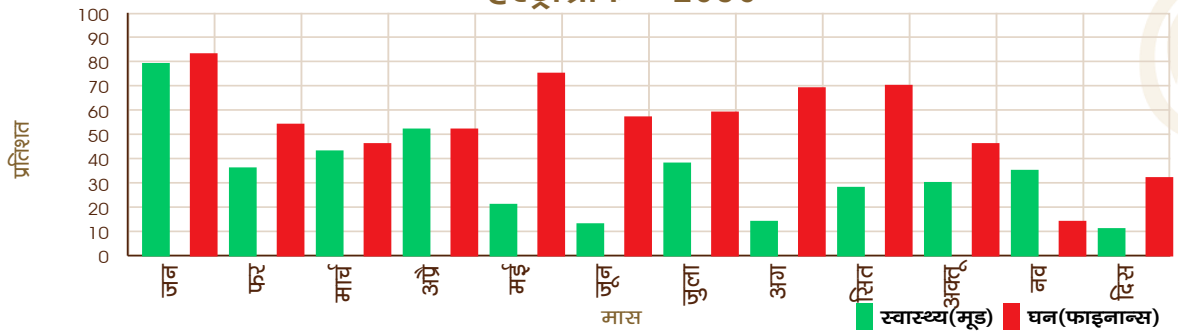

Punita
एस्ट्रोग्राफ – 2030

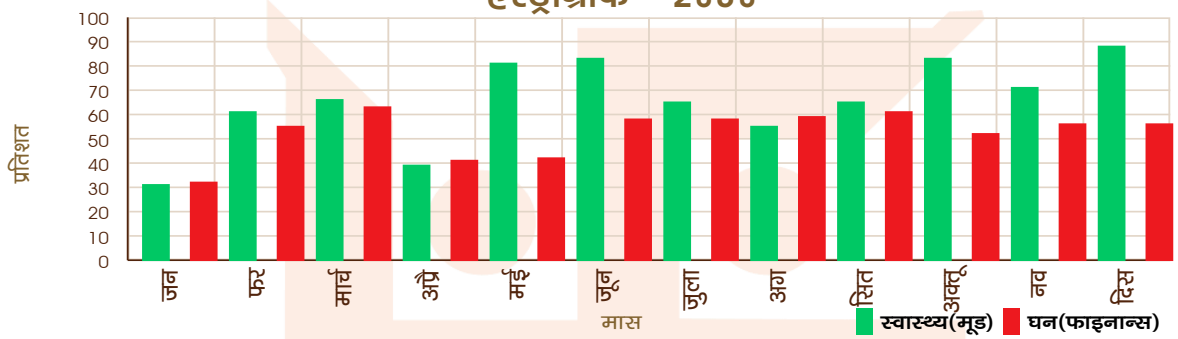

Vikrant
एस्ट्रोग्राफ – 2031

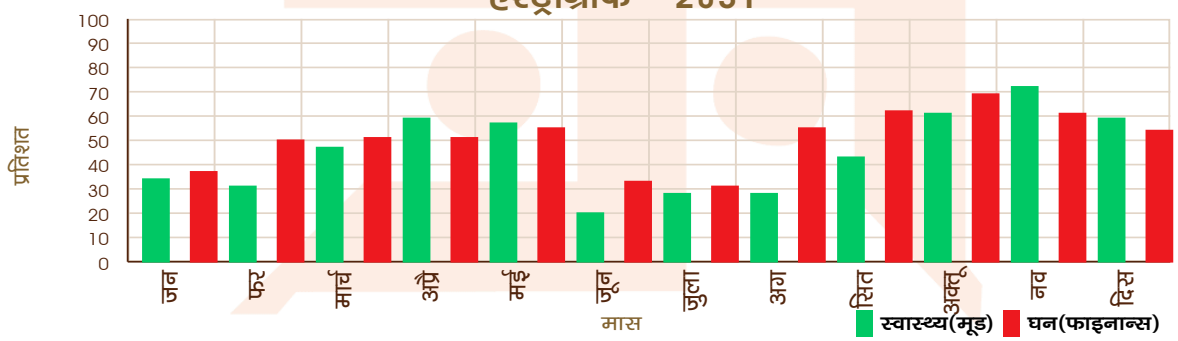

Punita
एस्ट्रोग्राफ – 2031

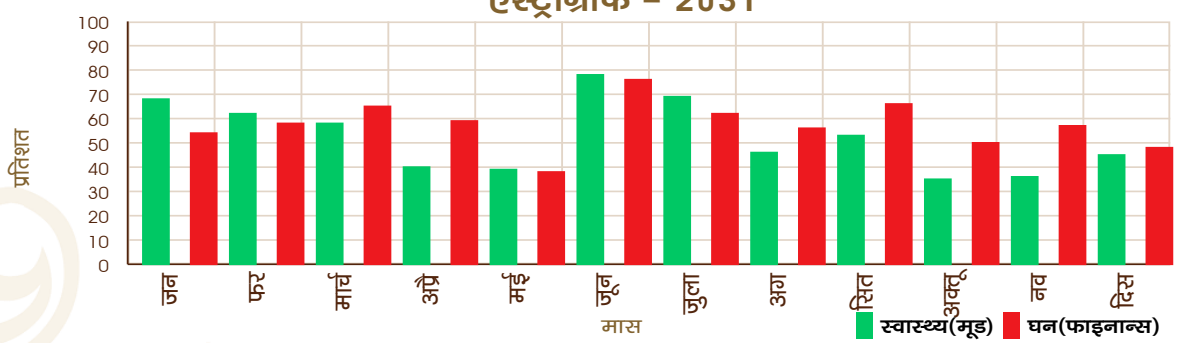

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

Vikrant

एस्ट्रोग्राफ – 2032

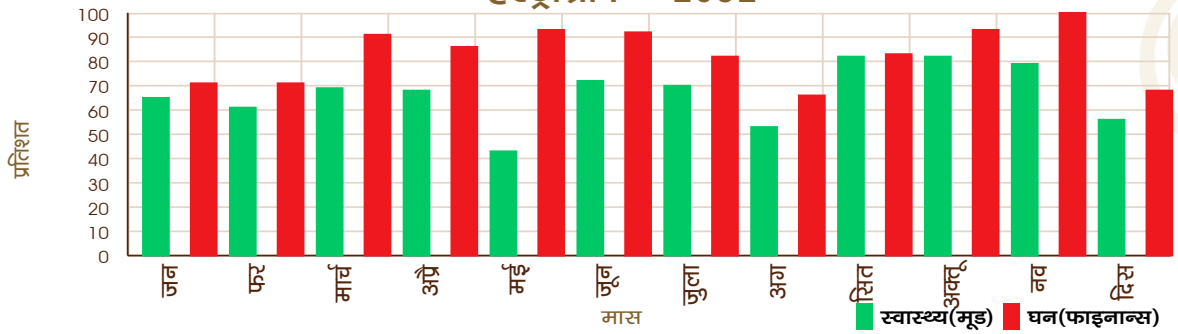

Punita

एस्ट्रोग्राफ – 2032

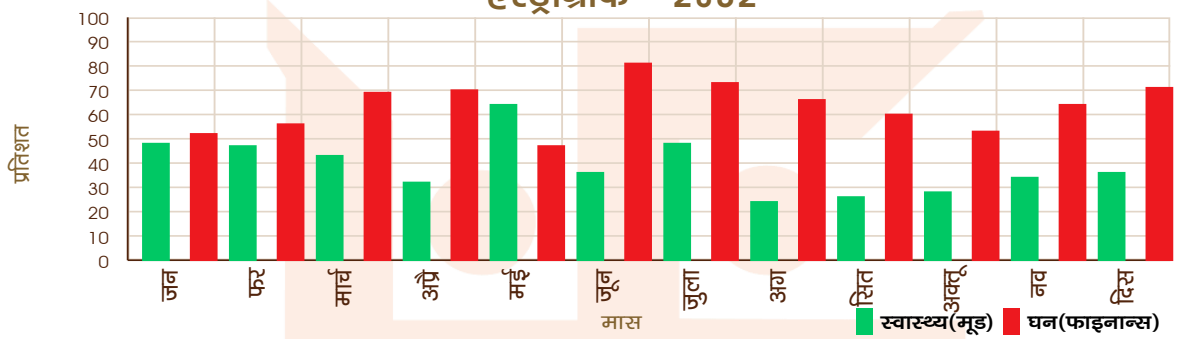

Vikrant

एस्ट्रोग्राफ – 2033

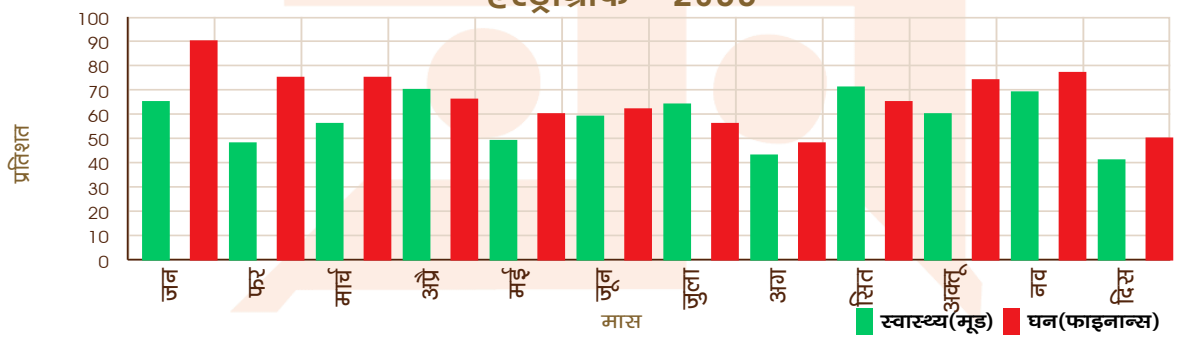

Punita

एस्ट्रोग्राफ – 2033

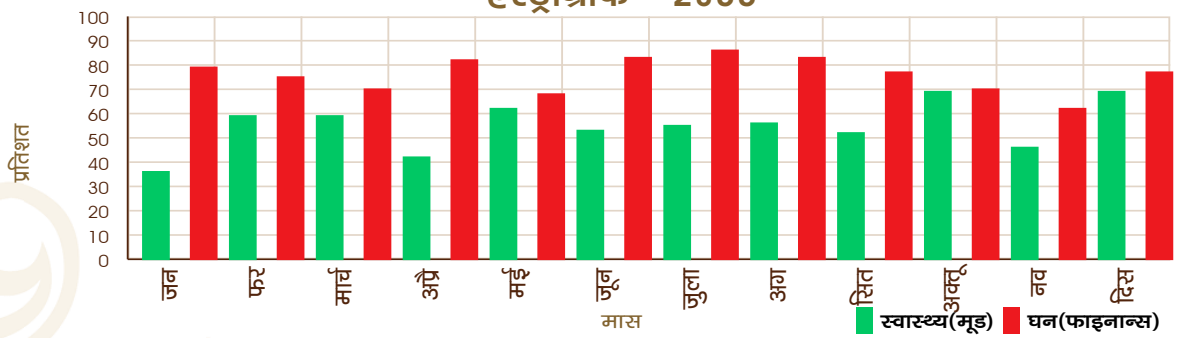

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

Vikrant
एस्ट्रोग्राफ – 2034

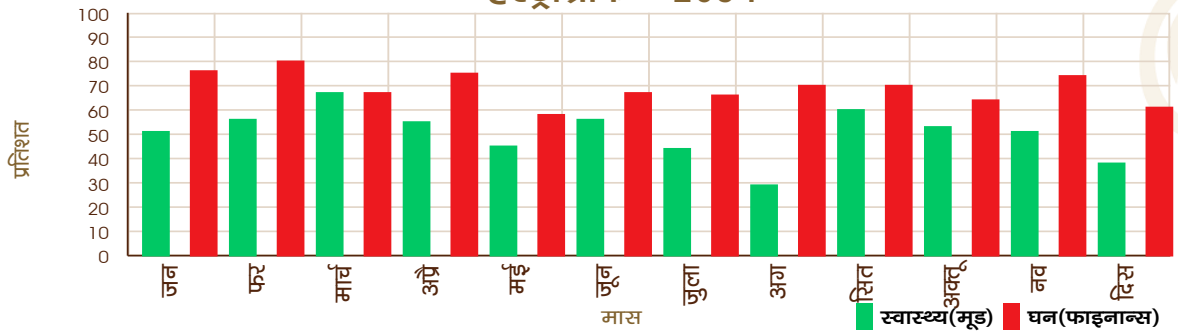

Punita
एस्ट्रोग्राफ – 2034

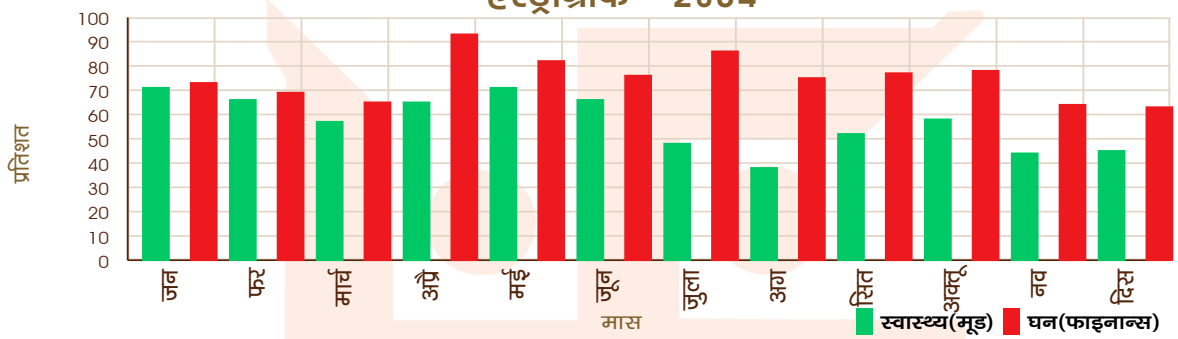

Vikrant
एस्ट्रोग्राफ – 2035

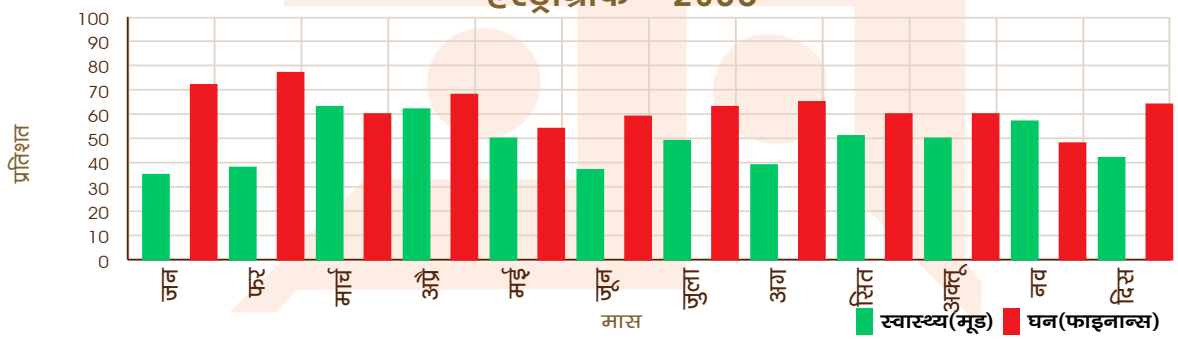

Punita
एस्ट्रोग्राफ – 2035

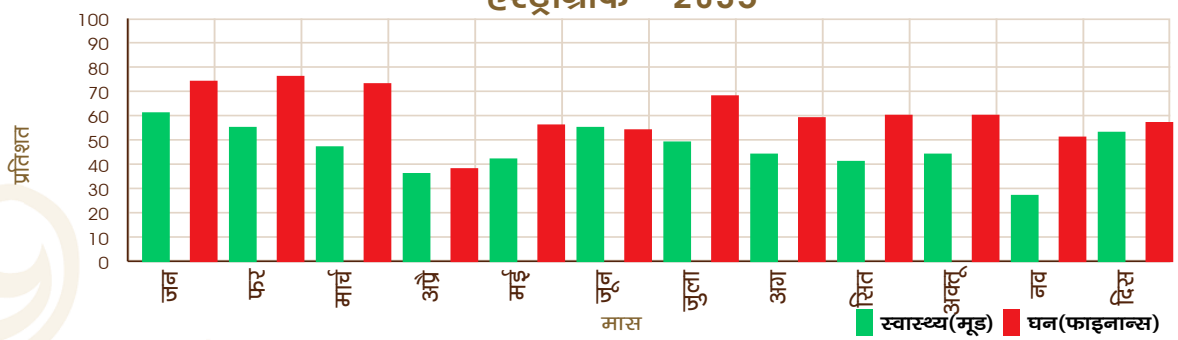

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

Vikrant
एस्ट्रोग्राफ – 2036

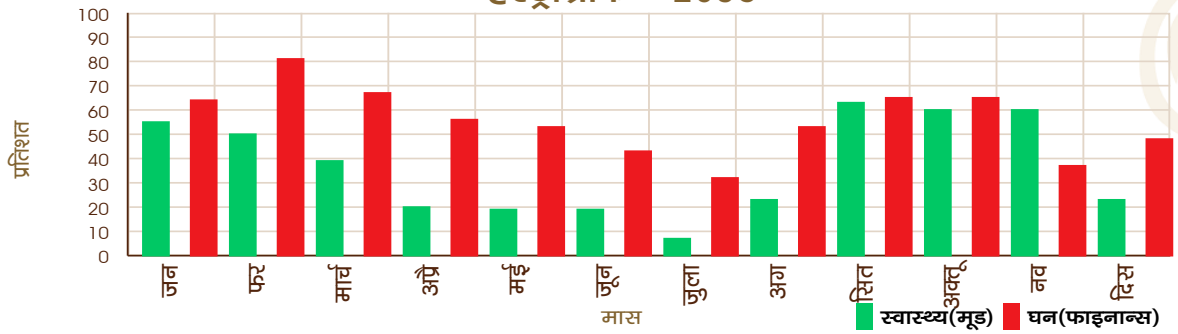

Punita
एस्ट्रोग्राफ – 2036

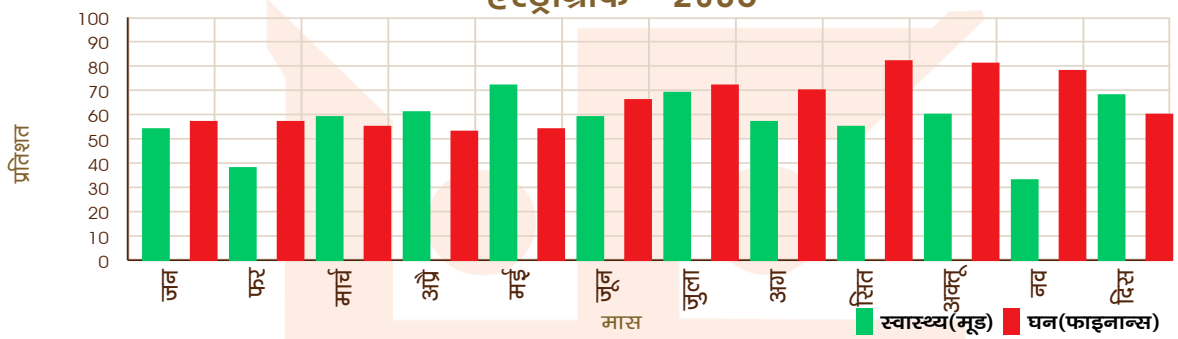

Vikrant
एस्ट्रोग्राफ – 2037

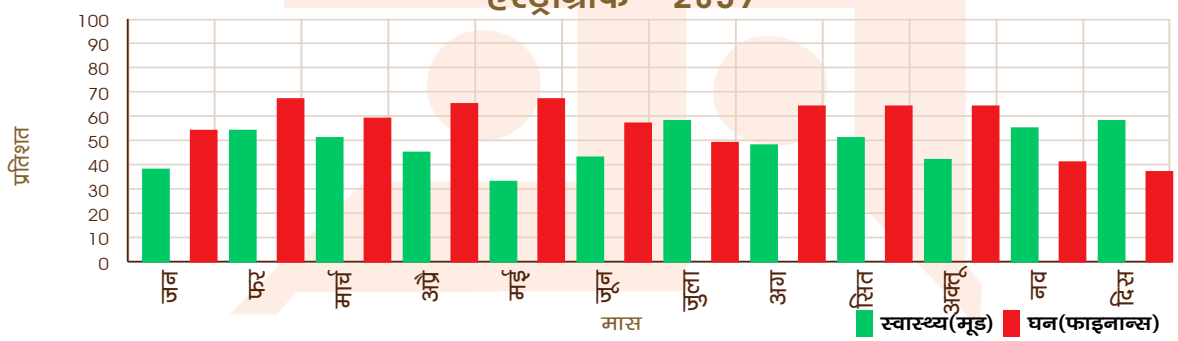

Punita
एस्ट्रोग्राफ – 2037

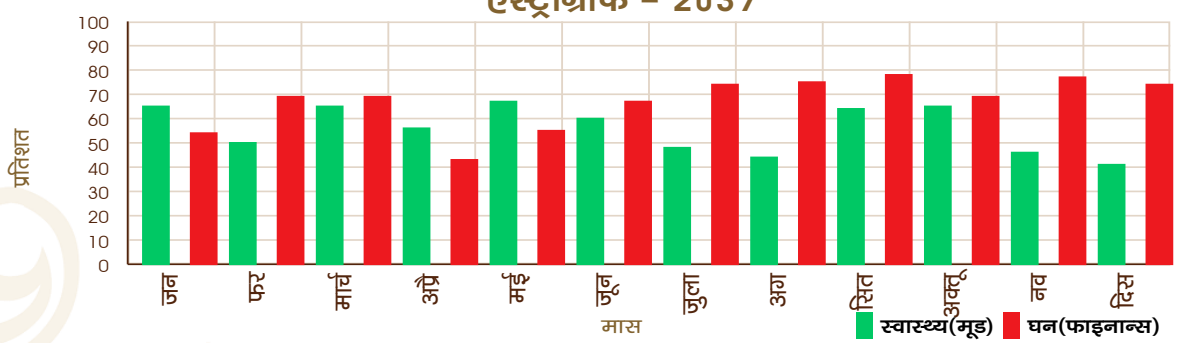

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com